



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1993/फाल्गुन 15, 1914

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1993/PHALGUNA 15, 1914

इस भाग में फिल पृष्ठ संख्या वी आली है जिससे कि यह अस्त्र राजस्वन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालय (एका बंद्रालय की ओङ्कर) द्वारा जारी किए गए साधितिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

कार्यालय, लोक शिक्षायत तथा पेशन मंत्रालय  
(कार्यालय और प्रशिक्षण विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का. आ. 416.—इस विभाग के आदेश संख्या 228/  
11/93 ए. वी. डी. - II, दिनांक 12-2-93 में आतंकवादी  
और विद्वासकारी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987  
(1987 की एकट संख्या 28) की धारा 3 व 4 के स्थान  
पर आतंकवादी और विद्वासकारी क्रियाकलाप (निवारण)  
अधिनियम, 1987 (1987 की एकट संख्या 28) की धारा  
3 व 5 पढ़ा जाए।

यह गुजरात सरकार के गृह विभाग स्पेशल के युद्धि  
त्व संचया एस. वी. आई./आर. एम. एम. — 1092/जी.  
श्रो. आई./79, दिनांक 15-2-93 के संदर्भ में प्रवर्तित किया  
किया है।

[संख्या 228/11/93 — ए. वी. डी. - II]  
एम. सी. बत्रा, उत्तर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND  
PENSIONS

(Department of Personnel &amp; Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 416.—In this Department Order No. 228/11/93-  
AVD. II, dated 12-2-93 the words "Sections 3 and 4 of the  
Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987"  
may be read as "Sections 3 and 5 of the Terrorist and Dis-  
ruptive Activities (Prevention) Act, 1987."

This issues with reference to the corrigendum issued by  
Government of Gujarat, Home Department (Special) No. SBI/  
RSM-1092/GOL-79, dated 15-2-93.

[No. 228/11/93-AVD-II]  
S. C. BATRA, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

अधिकार

का. आ. 417 —प्रायकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खंड  
(क) के उपर्युक्त (ii) के मनुस्करण में केन्द्रीय सरकार

भारत के प्रतिभूति तथा मुद्रा विनियमन बोर्ड अधिनियम, 1992 के अन्तर्गत स्थापित किए गए भारत के प्रतिभूति तथा मुद्रा विनियमन बोर्ड को उक्त उपचांड के प्रयोजनार्थ एतदारा विनियिष्ट करती है।

[अधिसूचना संख्या : 9206 / फा. सं. 225/230/92-आ.  
कर (नि. - II)]  
अजय कुमार, अवार सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)  
Central Board of Direct Taxes  
New Delhi, the 10th February, 1993

## INCOME-TAX

S.O. 417.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies Securities and Exchange Board of India established under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 for the purpose of said sub-clause.

[Notification No. 9206/F. No. 225/230/92-ITA.III]  
AJAY KUMAR, Under Secy.

(प्राधिक कार्य विभाग)

(ईकाइ प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 418—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 6 की उपधारा (i) के खंड (उ) के अनुसार में केन्द्रीय सरकार एतदारा श्रीमती निर्मला बुच, सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री एस. सोम के स्थान पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 7/2/93 - वी. ओ. I]

एम. एस. सीतारामन, अवार सचिव

(Department of Economic Affairs)  
(Banking Division)

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 418.—In pursuance of clause (e) of Sub-section (1) of section 6 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981, the Central Government hereby appoints Smt. Nirmala Buch, Secretary, Ministry of Rural Development, New Delhi as Director of National Bank for Agriculture and Rural Development vice Shri S. Som.

[F. No. 7/2/93-B.O. I]  
M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX  
CORRIGENDUM

Bombay, the 2nd February, 1993

S.O. 419.—In the Notification bearing No. BCXII Reorg. Juris. 91-92 dated 8th January, 1992, issued by this office, in column No. 3, instead of D.C. (IT) Range-15, Bombay mentioned therein, the same may be read as D.C. (IT) Range-12, Bombay.

[No. BCXII/Reorg. Juris./92-93/335]  
M. K. PANDEY, Commissioner of Income-tax

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 420—नियति (व्याविनी नियंत्रण और व्यक्ति अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते केन्द्रीय सरकार, मैसर्स अशोक लैलेण्ड लिमिटेड, एन्नोर-600057 में विनियित आटोमोबाइक के पुँजे संघटन उपमाधनों का नियति से पूर्व नियोजन करने के लिए, अशोक लैलेण्ड लिमिटेड को जिसका रजिस्ट्रीकूट 19, राजाजी सालाह मद्रास-600001 में है, 21 मार्च, 1993 से तीन वर्ष की अवधि के लिए का. आ. 750 तारीख 21-03-1987 में अधिसूचित शतों के अधीन रहने हुए, अभिकरण के रूप में साक्षाता देती है।

[फा. सं. 5/2/87-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 420.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of 3 years with effect from 21st March, 1993, M/s. Ashok Leyland Limited, having their registered office at 19, Rajaji Salai, Madras-600001, as the agency, for inspection of Automobile Spares, Components and Accessories manufactured at M/s. Ashok Leyland Limited, Ennore, Madras-600057 prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 750 dated 21st March, 1987.

[File No. 5(2)/87-EI&EP]  
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 421—नियति (व्याविनी नियंत्रण और नियोजन अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मैसर्स अशोक लैलेण्ड लिमिटेड एन्नोर, मद्रास-600057 में विनियित डीजल हंजिन का नियति से पूर्व नियोजन करने के लिए मैसर्स अशोक लैलेण्ड लिमिटेड को जिसका रजिस्ट्रीकूट कायलीय, 19, राजाजी सालाह, मद्रास-600001 में है, 21 मार्च, 1993 से तीन वर्ष की अवधि के लिए का. आ. 751 तारीख 21-3-1987 में अधिसूचित शतों के अधीन रहने हुए, अभिकरण के रूप में सान्याता देती है।

[फा. सं. 5/2/87-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बणा, निदेशक

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 421.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a further period of 3 years with effect from 21st March, 1993, M/s. Ashok Leyland Limited, having the registered office at 19, Rajaji Salai, Madras-600001 as the agency, for inspection of Diesel Engines manufactured at

M/s. Ashok Leyland Limited, Ennore, Madras-600057 prior to export, subject to the conditions notified vide S.O. 751 dated 21-3-1987.

[F. No. 5(2)/87-E&amp;EP]

KUM SUMA, SUBBANNA, Director

**Gazet**

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1993

का. आ. 422—पशुधन आयात प्रधिनियम, 1898 का 9) के खंड 3 के उपखंड (i) द्वारा प्रदत्त नियमितों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, एतद्वारा, संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रेष्ठ जातीय नस्लों के पशुओं का भारत में आयात करने पर लगाई गई रोक को वापस लेती है और इस प्रयोजन के लिए भारत सरकार, कृषि मंत्रालय के दिनांक 17 फितम्बर, 1998 के का. आ. सं. 2785 में नियमित संशोधन करती है।

उम्मुक्त अधिसूचना में शब्द “संयुक्त राज्य अमेरिका”, का विस्तृप्त किया जाएगा।

[का. सं. 50-22/77-एल. डी. टी. (ए. क्यू.)]

आर. कण्डोर, अवर नियंत्रित

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 18th February, 1993

S.O. 422.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (I) of Section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898) the Central Government hereby withdraws the probation imposed on importation into India of Equine species of Animals from the United States of America, and for that purpose amends the Notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, S.O. number 2786 dated the 17th September, 1988, as under :—

In the aforesaid Notification, the words “United States of America shall be omitted.

[F. No. 50-22/77-LDT(AQ)]

R. KANDIR, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

का. आ. 123—दिल्ली विकास प्राधिकरण 1957 (1957 की संख्या 61) की धारा 10 (1) जिसे दिल्ली डिवेलपमेंट (मास्टर प्लान एंड जोनल डिवेलपमेंट प्लान) रूपमें 1959 के नियम 5 तथा 15 के माध्य पर्याप्त जनपथ नेत, नई दिल्ली के व्यापक—पुनर्जीकास प्राप्ति की तैयारी एवं प्रकाशन हेतु नोटिस।

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि

(ए) जनपथ नेत, नई दिल्ली के व्यापक पुनर्जीकास का प्रारूप तैयार किया गया है, तथा

(बी) उक्त प्राप्ति की एक प्रति शनिवार को छोड़कर सभी कार्यशील दिनों में 11.00 बजे (पूर्वी) से 3.00 बजे (अपरा.) तक बीच नीचे पैरा - 3 में लिखी तिथि तक नियमित जायातीयों में निरीक्षण के लिये उपलब्ध रहेगी।

- (1) दिल्ली विकास प्राधिकरण कार्यालय, विकास मीनार, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।
- (2) पानिका नदी, संचर मार्ग, नई दिल्ली।
- (3) दिल्ली नगर नियम कार्यालय, टाउन हाल, दिल्ली।
- (4) कार्यालयी अधिकारी दिल्ली छावनी बोर्ड कार्यालय, दिल्ली कैट - 10

2. जनपथ नेत, नई दिल्ली के व्यापक पुनर्जीकास प्रस्तावों के प्रारूप के संबंध में एतद्वारा आमतिथियों एवं सुनाव आमन्त्रित किये जाते हैं।

3. आमतिथियों या सुनाव, सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली को नियमित रूप से दिनांक 27-2-93 तक भेजे जा सकते हैं।

4. जो अवित आपसि या सुनाव दे, वह अपना नाम एवं पूरा पता भी लिखे।

[सं. एफ. 16 (89) - 61 - मु. यो.]

रणधीर सिंह, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY  
PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 19th February 1993

S.O. 423.—Notice under section 10(1) of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) read with rules 5 and 15 of the Delhi Govt. Master Plan and Zonal Development Plan Rules, 1959, of the preparation and publication of the draft comprehensive Re-development proposals at Janpath Lane, New Delhi.

Notice is hereby given that :

1. (a) A draft of the comprehensive Re-development proposals at Janpath Lane, New Delhi, has been prepared, and

(b) A copy thereof will be available for inspection at the following offices between the hours of 11.00 A.M. and 3.00 P.M. on all working days till the date mentioned in para 3 hereafter.

(c) Office of the Delhi Development Authority Vikas Minar, JP Estate, 6th floor, New Delhi.

(d) Office of the Chief Architect, NDMC, Palika Kendra, Parliament Street, New Delhi.

(e) Office of the Commissioner, MCD, Town Hall, Delhi-6.

(f) Office of the Executive Engineer Delhi Cantt. Board, Delhi Cantt, Delhi.

2. Objections and suggestions are hereby invited with respect to the draft comprehensive Re-development proposals at Janpath Lane, New Delhi.

3. The objections or suggestions may be sent in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, INA, JP Estate, New Delhi, by the 27-2-93.

4. Any person making the objection or suggestion should also give his name and address.

[No. F. 16(89)81-MP]  
RANBIR SINGH, Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैज संबंधीय  
नई विज्ञा, 11 फरवरी, 1993

का. ना. 424—केन्द्रीय सरकार द्वारा, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैज संबंधीय मूल्य (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) विधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात उक्त विधिनियम कहा गया है) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 18 जनवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैज संबंधीय विधिसूचना सं. का. आ. 200 तारीख 31 विसम्बर, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाष्पलाइन विलास के प्रयोगार्थी उक्त विधिसूचना से उपर्युक्त भूमि में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित विधिसूचना की प्रक्रियां जनता को तारीख 18 फरवरी 1992 की उपर्युक्त करवा दी गई थीं;

और उक्त विधिनियम की घारा 6 की उपधारा 1 (1) के अनुसार में सभी प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं;

दौर केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात यह समझाया है कि यह विधिसूचना से उपर्युक्त भूमि में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

इतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त विधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विवरणों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विस्तरांमें से रहस्य, दृष्टिपन आदि कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगी।

अनुसूची

तहसील : भुनाम विज्ञा : संग्रहर राज्य : वंगाड़

गाँव का नाम	हृष्टवस्तु न.	मुख्यतात्त्व न./ किलो म.	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	आर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
भूमाल	54	8			
	2		—	12	39
	8		—	06	32
	9		—	08	09
	13/1		—	05	56
	14		—	08	60
	16		—	09	36
	17/1		—	02	53
	17/2		—	04	05
	17/3		—	00	76
कमालपुर	126	93			
	16		—	00	51
	17		—	13	41
	24/3		—	01	26
	25		—	12	14

	1	2	3	4	5	6
			114			
			1/1	—	12	14
			1/2	—	00	51
			3	—	02	53
			9	—	14	16
			10/1	—	01	01
			10/2	—	01	52
			12	—	00	25
			13/1	—	06	07
			14/1	—	06	83
			14/2	—	02	02
			16/3	—	01	26
			17/2/1	—	06	07
			115			
			5	—	04	55
खनालकसां		122	51			
		24/1	—	01	52	
		77				
		10	—	13	41	

[सं. आर - 31015/4/91 - ओ आर - 1 (पाटी)]

पुष्टिप्राप्त सिंह, प्रब्र. सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 424.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 200, dated the 31st December, 1991, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 18th January, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 18th February, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vests, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

**SCHEDULE**

Tehsil : Sunam District : Sangrur State : Punjab

[No. R-31015/4/91 OR-I (Part I)]

KULDIP SINGH, Under Secy.

ਨਈ ਦਿਲਾਤੀ, 11 ਫਰਵਰੀ, 1993

का. भा. 423 केर्नीय सरकार ने, पैटेलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का शर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हमें हमके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है फी धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, छड़ 3, उपचंड (ii) लारीज 18 जनवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के ऐटेलियम और प्राकृतिक गैस मंडालय अधिसूचना सं. का. आ. 20 1 लारीख 31 दिसम्बर, 1991 द्वारा पैटेलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन बिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना में उपायद्वय अन्तस्ती में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के शर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिकृत संस्कार की प्रतियां क्रमसंक्षेप में तारीख 18 फरवरी 1992 उपलब्ध करना ही चाही थी;

शौर उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के आनुसरण में संक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को गिरोहि दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त भिंगोट्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिकृतना से उपर्युक्त अनुसूची में विभिन्न दिल्ली भूमि में उपर्योग के अधिकार का अंजन किया जाए।

अतः, केन्द्रीय भरकार, उत्तम अधिनियम की धारा 6 की उपशासना  
 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस व्याधिसूखना से उपायबद्ध  
 प्रत्यक्षता में शिरिनिश्चिट भूमि में उपयोग के अधिकार अभिन्न करने की  
 व्योग्यता करती है;

यह और कि वेदान्तीय मान्यता उन धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त धर्मिकों का प्रयोग करने कुएँ, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपर्योग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विलगमों से रक्षित, ईडीपन आयत कारपोरेशन लिमिटेड में निर्धारित होगा।

प्राची

तहसील : संयुक्त गिला : संगठन राज्य : पंजाब

गोव का नाम	हृदयसं.	मस्तकील नं./ फिला नं.	क्षेत्रफल		
			हैक्टर	आर	वर्ग- मीटर
गगम्पुर	55	1391/320/2 322 357/1	-- -- --	31 00 14	11 51 67

[सं. शार = 31015/4/91 = शो प्रार = L (प्रार्द)]

कृष्णदीप सिंह, अवर संविध

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 425.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 201, dated the 31st December, 1991, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 18th January, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 18th February, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (i) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule annexed to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by subsection (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## Schedule

Tehsil : Sangrur	District : Sangrur	State : Punjab			
Name of Village	Hadbast	Mustateel	Area		
	No.	No./ Killa No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Gaggarpur	55	1391/320/2	—	31	11
		322	—	00	51
		337/1	—	14	67

[No. R-31015/4/91-OR-I (Part)]

KULDIP SINGH, Under Secy

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1993

का. प्रा. 426.—केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और अग्निश पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात उन्नत अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 18 जनवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस प्रबंधन अधिसूचना सं. का. प्रा. 202 तारीख 31 दिसंबर, 1991 द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन विधान के प्रयोगत्वं उन्नत अधिसूचना से उपायद शनसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के प्रयत्ने आगाय की घोषणा की थी :

और ग्राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 18 फरवरी, 1992 की उपलब्ध करवा दी गई थी :

और उन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार में वक्तव्य प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दी है :

धोर केन्द्रीय सरकार का उन रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपायद शनसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का ग्रहण करते हुए, इस अधिसूचना से उपायद अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार प्राप्ति करते की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उन पाठ की उपधारा (4) द्वारा प्रकृत शब्दियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उन भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विलगणमों से रहत, इंडियन ओयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुमति

लहराय : मानवा फिला : भट्टा गज्जव : पंजाब

राश का नाम	हृदवर्ती नं.	मस्तील नं.	शतकल
	/फिला नं.		
		हैटर आर वर्न- भट्टर	
अपनिया	6	71	
		11/2	-- 05 56
		12	— 11 39
		13/2	— 12 39
		20/1	— 05 06

[नं. प्रार - 31015/4/91 - ओ प्रार - I (पार्ट)]

कुलवीप मिह, अवर गविय

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 426.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 202, dated the 31st December, 1991, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 18th January, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 18th February, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## Schedule

Tehsil : Mansa	District : Bhatinda	State : Punjab			
Name of Village	Hadbast	Mustateel	Area		
	No.	No.	Killa No.	Hec- tare	Are Centi- are
Aklia	6	71			
		11/2	—	05	56
		12	—	11	39
		13/2	—	12	39
		20/1	—	05	06

[No. R-31015/4/91-OR-I (Part)]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1993

का. प्रा. 427.—केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और अग्निश पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्नत अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 18 जनवरी, 1992 में प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस भवंतात्व अधिसूचना सं. का. प्रा. 203 तारीख 31 दिसंबर, 1991, द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन विधान के प्रयोजनत्वं उन्नत अधिसूचना से उपायद अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आगाय की घोषणा की थी ।

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 18 फरवरी, 1992 उपलब्ध करवा दी गई थी ।

और इक्वल अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में भूमि प्राप्ति करी ने केन्द्रीय सरकार ने निर्णय दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त निर्णय पर विवार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इम अधिसूचना से ठाकुर अनुसूची में अधिनियम में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

इतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त संकेतों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपायकरण अनुसूची में विनियिट मूलि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त संकेतों का प्रयोग करते हुए, मह निरेंग देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहत होने के बजाए, सभी विस्तारों से रहन, दृष्टियन आवल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

संक्षिप्त : फुल गिला, भटिंडा राज्य : पंजाब

गाँव का नाम हृदयरत्न नं./भस्तील नं./  
किला नं.

हृदयरत्न गाँव वर्ग-  
मीटर

ठाँडे	3	584	--	06	58
		585/1	--	12	64
		585/2	--	03	54
		587/1/2	--	15	68
		589/3/1	--	06	58
		589/4/1	--	07	08
		591/1/1	--	12	65
		592/2	--	04	05

[सं. घार - 31015/4/91 - ओ. घार - I (पाटे)]

कुलदीप सिंह, अवार गविव

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 427.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, No. S.O. 203, dated the 31st December, 1991 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 18th January, 1992, issued under sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 18th February, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central

Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

### Schedule

Tehsil : Phul District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Habbast	Mustateel No. Killa No.	Hec-	Area Acre Cent- tare	Cent- tar
Dhadde	3	584 585/1 585/2 587/1/2 589/3/1 589/4/1 591/1/1 592/2	-- — — — — — — —	06 12 03 15 06 07 12 04	58 64 54 68 58 08 65 05

[No. R-31015/4/91-QR-I (Part)]

KULDIP SINGH, Under Secy.

एक्स्प्रिप्ट

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1993

का. आ. 428 :—केन्द्रीय सरकार ने पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) की घारा 3 की उपधारा ( 1 ) के अधीन जारी और भारत सरकार के राजपत्र भाग-2, खण्ड-3, उपच्छण ( ii ) पृष्ठ संख्या 1791 से 1806 में प्रकाशित भारत सरकार, पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग की अधिसूचना संख्या का. आ. 1054, तारीख 13 प्रैल, 1991 द्वारा इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि का अधिप्रदृष्ट करने के अपने आशय को सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार के ध्यान में यह लाया गया है कि गजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में मुद्रण संबंधी कठिनाई दृष्टियां हुई हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की घारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त संकेतों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती हैं :—

पृष्ठ संख्या 1791 पवाना हमनपुर गांव के किला संख्या 7/1 के सामने स्तम्भ 7 के नीचे "16" के स्थान पर "10" पढ़ें।

स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या "432" के स्थान पर "23/2" पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1792:—पवाना हसनपुर गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “22/28” एवं “37/91” के स्थान पर क्रमशः “22/18” एवं “37/9/1” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1793:—पवाना हसनपुर गांव के किला संख्या 70/13 के सामने स्तम्भ 5 के नीचे “—” के स्थान पर “1” पढ़ें। स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “18/2” के स्थान पर “102” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1794:—पवाना हसनपुर गांव के किला संख्या 128/21 के सामने स्तम्भ 8 के नीचे “39” के स्थान पर क्रमशः “30” पढ़ें। स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “345” के स्थान पर “145” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1796:—पाढ़ा गांव के किला संख्या 9 एवं 13/1 के सामने स्तम्भ “8” के नीचे “66” एवं “61” के स्थान पर क्रमशः “26” एवं “01” पढ़ें।

स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “166/2/2” के स्थान पर “166/3/2” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1797:—कुड़लान गांव के किला संख्या 3/21 एवं 4/8 के सामने, स्तम्भ 8 के नीचे “6” एवं “रिक्त” के स्थान पर “61” एवं “36” पढ़ें।

किला संख्या 4/9/2 के सामने स्तम्भ 7 के नीचे अधूरी लिखी संख्या के स्थान पर “03” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1798:—कुड़लान गांव के किला संख्या 14 के सामने स्तम्भ 8 के नीचे “9” के स्थान पर “39” पढ़ें।

उखा माजरा गांव के किला संख्या 76 के सामने स्तम्भ 6 के नीचे “1” के स्थान पर “—” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1800:—अलावला गांव के स्तम्भ 2 के नीचे हृदबस्त संख्या “165” के स्थान पर “65” पढ़ें। हृदबस्त संख्या 64 के लिए स्तम्भ 1 के नीचे गांव का नाम “जलमाना” पढ़ें।

यथा संशोधित जलमाना गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “29/9” के स्थान पर “26/9” पढ़ें।

किला संख्या 26/24 के सामने स्तम्भ 8 के नीचे “9” के स्थान पर “91” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1801:—जलमाना गांव के स्तम्भ 3 के नीचे किला संख्या “533” के स्थान पर “553” पढ़ें। स्तम्भ 1 के नीचे गांव के नाम “करसाचोर” के स्थान पर “कारसाचोर” पढ़ें।

पृष्ठ संख्या 1802:—यथा संशोधित कारसाचोर गांव के किला संख्या 29/1 के सामने स्तम्भ 7 के नीचे “रिक्त” के स्थान पर 5 पढ़ें।

ऐसी भूमि में जिसकी बाबत उपरोक्त संशोधन आरी किया गया है हितबद्ध कोई व्यक्तित्व इस अधिसूचना के जारी किए जाने के इक्कीस दिन के भीतर उक्त भूमि के सम्पूर्ण

या किसी भाग के, या उक्त ऐसी भूमि में या इत पर किसी अधिकार के अर्जित किए जाने के विषय उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निम्नान्तों के अनुसार प्राक्षेप कर सकेगा,

स्पष्टीकरण :—केवल इस अधिसूचना के द्वारा संशोधित गांव के नाम, किला संख्या एवं क्षेत्रफल की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के निम्नान्तों के अनुसार, इक्कीस दिन की उक्त अवधि अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से प्रारम्भ होगी।

[संख्या धारा—31015/29/92-ओ. आर. 1]

कुलदीप सिंह, अवर सचिव

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 429:—लेन्ड्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और धर्मिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग अंग्रेजित का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अवधीन जारी की गई भारत सरकार ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 695 तारीख 29-2-1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन विभाग के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संबंध अनुभूति में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने प्राशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रिंश अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 26 मार्च, 1992 को उपलब्ध कराई दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार में सभी प्राविकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुभूति में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

आ: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुभूति में विनियिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेदित है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए मभी विलंगनों में सुकृत इंडियन अमल कारपोरेशन लिमिटेड ने निहित होगा।

## अनुसूची

तहसील : सांगानेर ज़िला : जयपुर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खासगंश नम्बर	धेनुकफल		
		हेक्टर	ऐयर	बर्गमीटर
1	2	3	4	5
पालडो मीना	173	0	06	84
	183	0	02	56
	186	0	11	52
	187	0	06	84
	188	0	03	80
	242	0	01	80
	243	0	15	12
	244	0	09	90
	245	0	06	66
	258	0	05	94
	268	0	25	00
	269	0	03	60

[मंदिर : आर. 31015/3/92-ओ. आर-1]

कुलदीप सिंह, अध्यर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 429.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 695 dated 29th February, 1992 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of petroleum;

And whereas copies of the Gazette notification had been made available to the public on 26th March, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

429 GI/93—2.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

Schedule		Tehsil : Sanganer			District : Jaipur			State : Rajasthan		
Name of Village	Khasra No.	Area			Hec-tare	Acre	Centia	r		
1	2	3	4	5						
Palri Meena	173	0	06	84						
	183	0	02	56						
	186	0	11	52						
	187	0	06	84						
	188	0	03	80						
	242	0	01	80						
	243	0	15	12						
	244	0	09	90						
	245	0	06	66						
	258	0	05	94						
	268	0	25	00						
	269	0	03	60						

[No. R-31015/3/92/O.R.I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

तई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 430 : केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और धनिया पाइपलाईन ( भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन ) अधिनियम, 1962 ( 1962 का 50 ) ( जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ) की धारा 3 की उपधारा ( 1 ) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संदर्भ का. आ. 695 तारीख 29-2-1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारी के अर्जन के अपने आगये की धोषणा की थी :

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 26 मार्च, 1992 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा ( 1 ) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर वितार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा ( 1 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

इस अधिसूचना में संलग्न प्रभुमूली में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है,

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उबल धारा की उगाधारा (4) द्वारा प्रदत्त भवित्यों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उबल भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए होने सभी विलगमों से मुक्त इंजिन आँख कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

### प्रभुमूली

तहसील : जवाहर जिला : जवाहर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम खंडरा नम्बर क्षेत्रफल

हेक्टर एयर वर्गमीटर

1	2	3	4	5
जाम डोली	164	0	07	60
	165	0	39	70
	166	0	17	60
	169	0	04	60
	170	0	06	90
	171	0	01	45
	183	0	45	21
	184	0	00	10
	186	0	01	98
	190	0	14	54
	191	0	28	43
	193	0	02	70
	209	0	21	80
	210	0	01	98
	211	0	22	50
	228	0	09	54
	229	0	20	90
	230	0	14	70
	231	0	11	52
	233	0	04	32
	234	0	17	60
	252	0	02	16
	254	0	07	92
	448	0	63	25
	505	0	84	85
सुमेल	22	0	00	30
	24	0	05	75
	25	0	04	95
	37	0	10	30
	39	0	06	10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5		
	2048	0	01	25		1459/2392	0	09	65		
	2049	0	01	85		1465/2412	0	09	90		
	2065	0	05	80		2048/2578	0	01	00		
	2070	0	16	45		1465/2413	0	12	00		
	2071	0	05	65		2048/2577	0	04	45		
	2072	0	05	95		2248/2593	0	04	95		
	2086	0	10	25		2041/2576	0	04	60		
	2091	0	20	00		2157/2588	0	10	80		
	2092/2	0	00	60							
	2093	0	60	80		[संख्या : शार-31015/3/92 ओ. शार. आई]					
	2113	0	02	10			पूलदीप सिंह, अवर सचिव				
	2126	0	12	60							
	2121	0	05	60		New Delhi, the 16th February, 1993					
	2122	0	27	60							
	2125	0	05	00		S.O. 430.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 696 dated the 29th February, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of petroleum;					
	2133	0	03	90							
	2134	0	09	00							
	2151	0	02	10							
	2157	0	19	05							
	2158	0	01	08							
	2159	0	11	92							
	2161	0	00	50							
	2162	0	20	98							
	2164	0	08	78							
	2177	0	00	36							
	2178	0	01	08							
	2181	0	07	20							
	2182	0	02	70							
	2183	0	00	40							
	2184	0	00	50							
	2186	0	04	86							
	2187	0	12	24							
	2198	0	09	00							
	2200	0	08	50							
	2223	0	03	20							
	2224	0	19	90							
	2226	0	00	80							
	2228	0	05	65							
	2239	0	05	30							
	2243	0	00	50							
	2244	0	00	60							
	2245	0	00	70							
	2246	0	04	65							
	2249	0	05	00							
	2251	0	05	00							
	1503/2469	0	01	00							
	1459/2391	0	09	70							

Tehsil : Jaipur	District : Jaipur	State : Rajasthan	SCHEDULE		
Name of Village	Khasra No.	Area	Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5	
Jamdoli	164	0	07	60	
	165	0	39	70	
	166	0	17	60	
	169	0	04	60	
	170	0	06	90	
	171	0	01	45	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	183	0	45	21		2039	0	03	60
	184	0	00	10		2040			
	186	0	01	98		2041	0	06	00
	190	0	14	54		2043	0	10	60
	191	0	28	43		2044	0	09	00
	193	0	02	70		2048	0	01	25
	209	0	21	80		2049	0	01	85
	210	0	01	98		2065	0	05	80
	211	0	22	50		2070	0	16	45
	228	0	09	54		2071	0	05	65
	229	0	20	90		2072	0	05	95
	230	0	14	70		2086	0	10	25
	231	0	11	52		2091	0	20	00
	233	0	04	32		2092/2	0	00	60
	234	0	17	60		2093	0	06	80
	252	0	02	16		2113	0	02	10
	254	0	07	92		2126	0	12	60
	448	0	63	25		2121	0	05	60
	505	0	84	85		2122	0	27	60
						2125	0	05	00
Sumel	22	0	00	30		2133	0	03	90
	24	0	05	75		2134	0	09	00
	25	0	04	95		2151	0	02	10
	37	0	10	30		2157	0	19	05
	39	0	06	10		2158	0	01	08
	40	0	24	61		2159	0	11	92
	41	0	22	68		2161	0	00	50
	42	0	25	20		2162	0	10	98
	43	0	01	26		2164	0	08	78
	68	0	03	30		2177	0	00	36
	69	0	02	50		2178	0	01	08
	84	0	04	30		2181	0	07	20
	85	0	04	30		2182	0	02	70
	86	0	00	70		2183	0	00	40
	89	0	02	10		2184	0	00	50
	91	0	04	25		2186	0	04	86
	717	0	18	18		2187	0	12	24
	23/722	0	04	40		2198	0	09	00
	69/744	0	02	40		2200	0	08	50
						2223	0	03	20
Jaisinghpura Khor	512	0	53	60		2224	0	19	90
	527	0	19	00		2226	0	00	80
	528	0	07	80		2228	0	05	65
	777	0	07	10		2239	0	05	30
	1462	0	16	00		2243	0	00	50
	1463	0	06	60		2244	0	00	60
	1477}	0	69	30		2245	0	00	70
	1478}	0	03	20		2246	0	04	65
	1504	0	00	90		2249	0	05	00
	1506	0	10	10		2251	0	05	00
	1509	0	09	20		1503/2469	0	01	00
	1510	0	09	00		1459/2391	0	08	70
	1518	0	01	95		1459/2392	0	09	65
	1519	0	00	60		1465/2412	0	09	90
	1520	0	25	25		2048/2578	0	01	00
	1542	0	01	25		1465/2413	0	12	00
	1543	0	04	65		2048/2577	0	04	45
	1545	0	12	70		2048/2598	0	04	95
	1770	0	08	60		2041/2576	0	04	60
	1771	0	16	50		2157/2588	0	10	80
	1772	0	00	30					
	1779	0	00	70					
	1780	0	01	25					
	1781	0	01	10					
	2038	0	07	75					

[No.R-31015/3/92-O.R-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

का.आ. 431.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पार्ईप्लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आग्रह की घोषणा की थी;

और गजपतित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 26 मार्च, 1992 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सभी प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दें दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करते की घोषणा करती है;

और यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निश्चित होने के बजाए सभी विलगांमों से मुक्त इडिथन अंगूठ कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

### अनुसूची

तहसील : जमशो रामगढ़ जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐकर	घर्गमीटर
1	2	3	4	5
सायपुरा	1	0	08	35
	3	0	04	25
	7	0	14	55
	15	0	05	45
	18	0	00	25
	19	0	11	60

1	2	3	4	5
नारदपुरा	204	0	27	30
	207	0	24	40
	209	0	07	10
	210	0	08	10
	211	0	21	50
	214	0	20	70
	219	0	12	20
	221	0	31	40
	224	0	23	90
	240	0	14	50
	241	0	05	20
नटाठा	159	0	07	90
	161	0	08	30
	162	0	03	80
	163	0	11	50
	169	0	00	60
	180	0	13	15
	181	0	10	10
	185	0	00	30
	187	0	29	40
	188	0	12	80
	292	0	07	30
	293	0	41	80
	307	0	01	50
	308	0	00	60
	309	0	08	80
	310	0	03	30
	311	0	00	60
	312	0	01	80
	314	0	10	80
	317	0	11	50
	318	0	00	30
	319	0	01	00
	320	0	04	80
	321	0	05	10
	325	0	20	70
	346	0	33	10
	347	0	40	90
	348	0	00	50

1	2	3	4	5
	737	0	00	80
	740	0	00	30
	179/863	0	31	30
भासपुर कला	273	0	24	48
	388	0	18	42
	389	0	04	24
	390	0	00	48
	391	0	07	32
	404	0	07	42
	405	0	18	46
	414	0	00	90
	420	0	02	25
	424	0	39	35
	425	0	00	75
	427	0	17	65
	443	0	22	85
	444	0	02	55
	445	0	16	04
	446	0	14	50
	463/1	0	04	75
	463/2	0	10	30
	464	0	11	40
	469	0	01	30
	470	0	26	80
	481	0	00	54
	482	0	12	60
	483	0	00	90
	487	0	14	60
	489	0	12	50
	491	0	01	45
	492	0	09	60
	493	0	15	45
	527	0	01	08
	274/803	0	02	52
अजयगढ़ उर्फ हाड़ी का बास	14	0	16	80
	17/1	0	85	70
	17/2	0	05	10
	17/3	0	83	10
	18	0	01	44
	22	0	04	68
	24	0	14	76
	85	0	07	25
	86	0	16	35

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 431.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 697, dated the 29th February, 1992 issued under subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Use in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of petroleum;

And whereas copies of the Gazette notification had been made available to public on 26th March, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

## SCHEDULE

Tehsil : Jamua Ramgarh District : Jaipur State : Rajasthan

Name of Village	Khasra No.		Area		
			Hec-tare	Are	Centi-metre
	1	2			
Shaypura					
	1		0	08	35
	3		0	04	25
	7		0	14	55
	15		0	05	45
	18		0	00	25
	19		0	11	60
	20		0	01	00
	22		0	03	45
	26		0	41	45
	27		0	02	70
	32		0	07	30
	33		0	21	30
Naradpura					
	204		0	27	30
	207		0	24	40
	209		0	07	10
	210		0	08	10
	211		0	21	50
	214		0	20	70
	219		0	12	20
	221		0	31	40
	224		0	23	90
	240		0	14	50
	241		0	05	20
Natuta					
	159		0	07	90
	161		0	08	30

[मंदस्या आर-31015/3/92—ओ आर-1]

कुलदीप सिंह, भवर सचिव

1	2	3	4	5
Natala (Contd.)	162	0	03	80
	163	0	11	50
	169	0	00	60
	180	0	13	15
	181	0	10	10
	185	0	00	30
	187	0	29	40
	188	0	12	80
	292	0	07	30
	293	0	41	80
	307	0	01	50
	308	0	00	60
	309	0	08	80
	310	0	03	30
	311	0	00	60
	312	0	01	80
	314	0	10	80
	317	0	11	50
	318	0	00	30
	319	0	01	00
	320	0	04	80
	321	0	05	10
	325	0	20	70
	346	0	33	10
	347	0	40	90
	348	0	00	50
Bhangpur Kalan	737	0	00	80
	740	0	00	30
	179/863	0	31	30
	273	0	24	48
	388	0	18	42
	389	0	04	24
	390	0	00	48
	391	0	07	32
	404	0	07	42
	405	0	18	46
	414	0	00	90
	420	0	02	25
	424	0	39	35
	425	0	00	75
	427	0	17	65
	443	0	22	85
	444	0	02	55
	445	0	16	05
	446	0	14	50
	463/1	0	04	75
	463/2	0	10	30
	464	0	11	40
	469	0	01	30
	470	0	26	80
	481	0	00	54
	482	0	12	60
	483	0	00	90
	487	0	14	60
	489	0	12	50
Ajabgarh Urf Hadi Ka Bas	491	0	01	45
	492	0	09	60
	493	0	15	45
	527	0	01	08
	274/803	0	02	52
	14	0	16	80
	17/1	0	63	70
	17/2	0	05	10
	17/3	0	83	10
	18	0	01	44
	22	0	04	68

1	2	3	4	5
Ajab. gash urf	24	0	14	76
Hodi ka Bas (contd)	85	0	07	25
	86	0	16	35

[No. R-31015/3/92-O.R-II]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई विल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 432.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संस्था का.आ. 698 तारीख 29-2-92 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आगे की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को आरीख 26 मार्च, 1992 को उपलब्ध करा दी गयी थी,

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्तम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दें दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के सभी विलंगमों से मुक्त इडियन ऑफिस कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

### अनुसूची

तहसील : कोटपूराली	जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5
लाडा का बास	692	0	22	10
	697	0	22	10
	700	0	41	94

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
लाला का वास—	724	0	23	40	खेलना—जारी	2257	0	13	32
जारी	725	0	28	16		2262	0	09	00
	759	0	06	06		2263	0	08	28
	851	0	08	37		2317	0	04	48
	853	0	11	80		2318	0	05	60
	855	0	16	56		2319	0	09	00
	856	0	07	20		2320	0	04	62
	857	0	01	50		2321	0	03	52
	858	0	06	84		2323	0	06	00
खेलना	1133	0	09	18		2324	0	12	00
	1134	0	01	26		2327	0	09	40
	1135	0	15	48		1213/2524	0	07	92
	1140	0	10	80		1168/2623	0	05	74
	1141	0	11	52	पावडा	906	0	21	60
	1142	0	05	04		909	0	18	00
	1160	0	11	70		925	0	15	12
	1161	0	15	48		929	0	03	60
	1168	0	08	64		930	0	07	92
	1169	0	05	74		2123	0	01	00
	1179	0	09	82		2125	0	64	80
	1284	0	09	18		2126	0	01	08
	1285	0	07	38		2129	0	30	96
	1218	0	06	84		2130	0	07	92
	1219	0	06	48		2131	0	16	56
	1281	0	10	08		2160	0	20	16
	1309	0	00	80		2173	0	03	60
	1310	0	07	84		2174	0	13	68
	1313	0	07	02		2175	0	12	96
	1322	0	08	28		2178	0	14	18
	1323	0	01	60		2180	0	02	10
	1325	0	05	94		2201	0	24	28
	1326	0	05	76		2205	0	02	06
	1334	0	11	52		2319	0	00	72
	1336	0	12	80		2320	0	12	96
	1404	0	08	28		2328	0	09	16
	1405	0	09	36		2329	0	09	08
	1407	0	12	60		2331	0	07	68
	1409	0	00	72		2335	0	08	96
	1410	0	06	12		2336	0	00	88
	1411	0	06	48		2338	0	01	02
	1413	0	09	90		2339	0	07	92
	2215	0	01	08		2345	0	06	48
	2235	0	20	16		2346	0	07	20
	2243	0	15	48		2129/2386	0	21	60
	2244	0	00	48	प्राणपुरा	1556	0	00	80
	2249	0	07	74		1619	0	03	90
	2250	0	12	24		1620	0	12	24

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1622	0	03	20		367	0	15	12
	1626	0	02	72		368	0	00	90
	1629	0	06	30		381	0	01	90
	1630	0	09	90		382	0	04	96
	1634	0	14	84		385	0	17	28
	1635	0	15	12		386	0	00	86
	1638	0	05	22		387	0	07	92
	1644	0	11	72		388	0	15	84
	1645	0	00	96		389	0	10	90
	1646	0	01	00		446	0	10	90
	1647	0	01	26		447	0	00	80
	1649	0	04	70		448	0	05	96
	1650	0	07	20		496	0	11	82
	1652	0	04	78		497	0	10	08
	1653	0	10	08		519	0	02	08
	1683	0	07	76		522	0	18	36
	1833	0	04	50		523	0	00	88
	1864	0	11	62		524	0	09	92
	1866	0	12	96		525	0	08	28
	1867	0	02	00		526	0	08	94
	1868	0	01	50		528	0	10	08
	1869	0	15	32		529	0	01	00
	1887	0	02	24		557	0	05	04
	1892	0	03	52		558	0	08	94
	1893	0	11	72		559	0	00	96
	1897	0	18	56		567	0	15	12
	1898	0	00	96		568	0	00	96
किञ्चित् रोद	132	0	15	84		569	0	19	80
	150	0	10	80		573	0	01	30
	151	0	06	12		575	0	13	98
	158	0	15	84		576	0	14	80
	179	0	01	94		638	0	01	08
	181	0	17	28		641	0	08	92
	231	0	05	04		642	0	08	92
	232	0	13	98		643	0	02	53
	236	0	06	88		649	0	15	12
	237	0	09	00		651	0	05	90
	240	0	08	94		652	0	16	56
	242	0	05	04		656	0	06	30
	243	0	16	96					
	244	0	09	36	पाथरोडी	51	0	11	12
	303	0	10	08		54	0	04	00
	304	0	10	08		55	0	01	40
	305	0	16	58		56	0	13	32
	308	0	04	35		57	0	00	75
	309	0	15	88		63	0	01	08
	362	0	10	08		64	0	10	44

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	66	0	15	84		443	0	12	96
	68	0	03	08		444	0	13	40
	69	0	10	08		445	0	10	21
	70	0	05	28		453	0	10	70
	108	0	00	70		454	0	05	76
	109	0	16	20		456	0	06	40
	110	0	11	88		457	0	09	54
	111	0	14	96		469	0	00	36
	112	0	03	36					
	116	0	04	32	गोपर्धनपुरा	1013	0	06	50
	124	0	05	40		1014	0	03	00
	127	0	05	76		1015	0	10	08
	128	0	10	80		1030	0	01	76
	129	0	04	32		1031	0	15	12
	130	0	01	08		1032	0	00	24
	131	0	03	42		1034	0	00	48
	206	0	02	00		1051	0	07	20
	208	0	06	48		1052	0	07	20
	210	0	06	84		1053	0	07	92
	211	0	23	40		1057	0	08	28
	212	0	06	48		1060	0	07	92
						1061	0	07	92
रघुनाथपुरा	107	0	01	00		1065	0	16	56
	112	0	03	96		1066	0	16	20
	113	0	05	40		1240	0	19	80
	118	0	03	36		1263	0	01	98
	119	0	00	96		1264	0	05	04
	120	0	00	54		1265	0	05	40
	124	0	14	40		1266	0	02	88
	125	0	04	32		1267	0	12	24
	149	0	01	80		1364	0	01	08
	159	0	00	50		1441	0	04	32
	160	0	04	32		1446	0	09	18
	162	0	03	82		1447	0	03	24
	163	0	05	94		1448	0	04	32
	164	0	01	89		1476	0	18	72
	165	0	00	52		1477	0	14	58
	324	0	01	60		1523	0	14	58
	391	0	05	76		1526	0	10	44
	392	0	07	20		1530	0	09	90
	398	0	06	12		1531	0	01	44
	399	0	02	52		1532	0	08	46
	420	0	04	78		1535	0	08	28
	421	0	03	60		1536	0	02	52
	423	0	05	04		1537	0	04	86
	433	0	15	16		1538	0	03	96
	434	0	14	16		1539	0	02	88

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1560	0	18	90	कल्याणपुरा खुर्द	369	0	04	32
	1561	0	14	40		370	0	09	72
	1563	0	05	04		371	0	10	08
	1565	0	10	80		373	0	09	26
	1566	0	28	08		385	0	15	84
	1567	0	28	80		388	0	00	48
	1568	0	01	20		389	0	15	00
	1569	0	10	56		397	0	04	86
	1570	0	17	28		398	0	15	12
	1571	0	02	70		422	0	01	12
	1651	0	05	76		423	0	05	76
	1259/1746	0	05	94		428	0	12	40
						429	0	00	28
कंवरपुरा	754	0	03	80		430	0	02	88
	755	0	07	86		434	0	04	68
	758	0	03	26		436	0	05	30
	759	0	05	26		438	0	00	32
	763	0	05	06		439	0	06	84
	764	0	15	08		441	0	10	08
	767	0	22	24		442	0	12	40
	770	0	01	28		478	0	01	34
	771	0	07	94		491	0	02	70
	772	0	01	62		503	0	12	14
	780	0	02	88		504	0	05	04
	781	0	03	70		505	0	04	68
	826	0	07	58		715	0	15	84
	830	0	16	95		721	0	07	04
	831	0	01	08		722	0	04	20
	860	0	09	76		723	0	04	50
	861	0	08	84		724	0	04	14
	863	0	15	12		725	0	04	68
	925	0	15	12		729	0	03	08
	928	0	08	84		730	0	08	64
	929	0	06	84		732	0	12	14
	932	0	12	90					
	935	0	12	86	राहेड़ा	209	0	03	84
	956	0	12	24		335	0	01	64
	957	0	09	00		336	0	14	40
	958	0	05	96		337	0	14	40
	967	0	12	96		338	0	12	64
	982	0	01	08		339	0	12	80
	994	0	11	88		340	0	05	04
	997	0	12	24		341	0	05	80
	998	0	11	16		342	5	07	92
	1002	0	11	88		343	0	10	08
	1003	0	01	12		345	0	10	08
	1006	0	00	40		347	0	05	58

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	350	0	10	38		563	0	05	16
	351	0	05	92		564	0	04	12
पुस्तकी	5	0	11	42		565	0	02	88
	12	0	09	00		566	0	03	60
	13	0	00	80		567	0	03	44
	14	0	09	00	सुन्दरपुरा	204	0	11	00
	20	0	09	00		205	0	11	00
	21	0	08	18		217	0	09	02
	28	0	26	98		220	0	10	00
	32	0	21	60		225	0	08	92
	54	0	02	00		226	0	07	90
	58	0	00	80		542	0	00	05
	59	0	16	30		543	0	01	04
	62	0	09	26		544	0	05	06
	75	0	08	18		573	0	01	02
	76	0	06	38	बूचारेश्वर	65	0	08	16
	77	0	04	22		68	0	09	00
	229	0	01	34		70	0	17	14
	230	0	07	92		133	0	01	06
	231	0	01	34		134	0	07	16
	243	0	12	14		135	0	08	08
	244	0	08	28		136	0	09	00
	245	0	20	88		137	0	06	18
	426	0	07	70		138	0	12	10
	427	0	05	32		139	0	12	96
	428	0	05	02		273	0	18	00
	436	0	01	44		274	0	11	06
	437	0	18	36		276	0	01	98
	438	0	15	28		278	0	16	16
	454	0	10	08		279	0	00	96
	456	0	10	80		316	0	00	34
	457	0	09	72		317	0	09	16
	462	0	29	86		318	0	16	06
	509	0	08	18		322	0	03	10
	515	0	09	72		323	0	13	12
	516	0	09	36		328	0	15	84
	526	0	09	72		329	0	00	70
	527	0	10	08		332	0	07	10
	529	0	13	68		535	0	04	12
	541	0	11	32		616	0	23	10
	542	0	01	96		617	0	00	24
	543	0	11	10		625	0	22	12
	551	0	02	24					
	556	0	16	92	बासवी	379	0	05	04
	557	0	01	62		383	0	10	26
	558	0	05	88		400	0	01	44
	560	0	05	76		501	0	04	32

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
		502	0	07	44		25	0	08	04
		506	0	05	04		26	0	01	98
		507	0	04	48		39	0	01	02
		508	0	02	08		41	0	18	02
		513	0	18	72		48	0	10	00
		520	0	09	64		51	0	12	04
		521	0	09	64		98	0	01	80
		531	0	03	52					
		532	0	12	32	खड़खड़ी	304	0	01	10
		535	0	07	92		310	0	07	92
		536	0	00	20		316	0	07	92
		537	0	07	52		320	0	02	24
		546	0	16	56		321	0	13	50
		550	0	01	08		322	0	09	36
		607	0	01	32		323	0	08	94
		608	0	03	32		326	0	08	94
		609	0	04	96		327	0	01	92
		618	0	07	86		330	0	01	28
		619	0	08	28		331	0	12	95
		645	0	00	30		332	0	00	74
		647	0	03	60		333	0	00	10
		648	0	07	92		344	0	06	51
		649	0	07	20		346	0	12	23
		656	0	00	24		347	0	03	20
		657	0	09	24		349	0	11	70
		658	0	00	92		350	0	05	27
		659	0	03	18		361	0	05	20
		660	0	12	60		362	0	00	10
खड़खास		343	0	01	04		394	0	10	99
		349	0	12	14		395	0	03	85
		350	0	10	10		401	0	01	20
		351	0	00	80		402	0	05	76
		352	0	16	08		403	0	10	80
		353	0	04	86		404	0	09	36
		356	0	09	90		405	0	09	00
		357	0	10	08		406	0	01	84
रामसिंह पुरा		913	0	10	98		407	0	02	90
		914	0	01	04		421	0	00	94
		915	0	00	98		422	0	14	04
खड़की बीर भान		7	0	01	06		423	0	14	40
		12	0	12	96		546	0	07	86
		13	0	04	00		547	0	08	28
		14	0	04	98		548	0	07	20
		19	0	05	00		549	0	01	30
		22	0	05	04		550	0	02	80
		23	0	11	06		551	0	07	92
							553	0	07	92

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
		554	0	11	52	630	0	14	40
		556	0	13	32	631	0	00	96
		557	0	02	00	639	0	05	40
		558	0	10	90	640	0	03	96
		568	0	04	14	642	0	05	04
		569	0	00	95	643	0	05	40
					664	0	13	32	
મોલાહેડા	172	0	07	00	665	0	02	16	
	173	0	13	00	904	0	02	90	
	174	0	13	50	911	0	09	00	
	175	0	01	02	912	0	14	86	
	176	0	06	12	948	0	09	36	
	177	0	06	08	949	0	01	08	
	179	0	00	30	951	0	00	90	
	191	0	03	00	952	0	12	80	
	192	0	00	96	953	0	00	80	
	172/968	0	12	80	960	0	12	96	
શેખપુરા	920	0	01	50	961	0	03	60	
	921	0	07	86	962	0	06	48	
	922	0	12	74	963	0	00	66	
	924	0	11	52	968	0	01	20	
					969	0	05	76	
સાગટેડા	150	0	00	66	970	0	06	93	
	151	0	03	80	971	0	11	72	
	152	0	00	82	973	0	00	90	
	153	0	21	24	974	0	02	72	
	177	0	04	78	978	0	07	92	
	178	0	16	76	1129	0	04	00	
	179	0	09	82	1130	0	04	05	
	180	0	09	00	1131	0	01	96	
	181	0	07	92	1141	0	00	72	
	183	0	16	20	1142	0	15	12	
	188	0	04	62	1143	0	15	12	
	189	0	20	88	1146	0	01	90	
	190	0	01	44	1147	0	11	72	
	474	0	01	82	1148	0	01	30	
	501	0	06	30	1149	0	18	36	
	505	0	00	63	1150	0	04	48	
	506	0	02	74	1158	0	04	20	
	507	0	03	80	1159	0	01	20	
	537	0	03	78	1160	0	02	88	
	543	0	14	40	1161	0	01	80	
	544	0	13	50	1162	0	02	88	
	550	0	21	78	1163	0	01	88	
	588	0	07	76	1164	0	00	78	
	589	0	04	96	1170	0	10	08	
	592	0	01	44	1171	0	05	04	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सोंगटेडा	1172	0	12	96	पनियाला	1145	0	14	40
	1176	0	03	08		1192	0	03	08
	1175/1590	0	16	20		1193	0	03	30
खेड़की मुकुट	803	0	05	04		1194	0	00	96
	804	0	01	92		1195	0	08	66
	807	0	04	88		1197	0	05	44
	808	0	10	90		1219	0	00	92
	809	0	02	16		1231	0	13	32
	813	0	01	20		1232	0	05	22
	814	0	34	86		1233	0	04	88
	815	0	02	40		1234	0	05	86
	816	0	29	72		1235	0	05	04
	817	0	00	90		1251	0	12	42
	846	0	13	32		1252	0	08	84
	851	0	02	38		1253	0	17	84
	852	0	00	88		1254	0	08	84
	853	0	09	00		1255	0	08	28
	865	0	11	82		1370	0	01	08
	869	0	11	82		1373	0	17	28
	880	0	14	40		1374	0	08	64
	919	0	09	10		1375	0	15	84
	921	0	01	88		1381	0	15	30
	922	0	02	86		1715	0	01	44
	923	0	05	04		1716	0	08	28
	924	0	00	46		1718	0	12	80
	925	0	06	86		1719	0	26	92
	926	0	11	72		1728	0	23	78
	927	0	10	08		1736	0	09	36
	928	0	10	44		1738	0	14	32
	929	0	07	92		1739	0	10	38
	930	0	02	72		1822	0	09	74
	931	0	08	28		1823	0	11	52
	932	0	04	50		1824	0	01	98
	944	0	00	66		1834	0	01	08
	945	0	13	32		1835	0	06	10
	947	0	02	88		1845	0	08	78
	948	0	09	36		1846	0	07	92
	951	0	04	76		1847	0	07	92
	952	0	08	64		1848	0	02	74
	978	0	16	92		1849	0	04	86
पनियाला	1017	0	16	84		1855	0	00	30
	1136	0	12	80		1856	0	10	80
	1137	0	14	40		1857	0	10	08
	1142	0	02	80		1858	0	10	08
	1143	0	11	82		1862	0	00	42
	1144	0	09	92		1893	0	02	34
						1894	0	06	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
पलियाला	1895	0	07	20	मलपुरा	51	0	08	82
	1896	0	12	78		54	0	13	50
मोरदा	131	0	12	80		55	0	13	14
	132	0	06	86		58	0	16	38
	141	0	12	88		59	0	08	64
	142	0	19	64		60	0	08	28
	145	0	14	04		61	0	08	28
	146	0	02	08		62	0	13	68
	172	0	15	12		63	0	09	90
	174	0	01	60		68	0	18	36
	179	0	18	00		81	0	09	02
	180	0	02	20		83	0	16	08
	182	0	05	04		89	0	12	34
	183	0	10	90		93	0	02	10
	184	0	03	12		94	0	12	74
	192	0	19	90		95	0	12	02
	363	0	09	36		96	0	00	18
	366	0	09	82		97	0	10	94
	385	0	00	66		98	0	00	98
	386	0	05	04		101	0	08	30
	388	0	10	90		102	0	00	08
	389	0	10	08					
	390	0	06	30					
	391	0	06	96					
	392	0	15	12					
	394	0	10	90					
	398	0	10	90					
	425	0	07	20					
	468	0	06	48					
	475	0	14	04					
	516	0	12	24					
	518	0	08	84					
	519	0	04	78					
	520	0	04	20					
	521	0	02	84					
	522	0	12	24					
	524	0	02	84					
	525	0	00	80					
	576	0	07	00					
	577	0	12	96					
	578	0	01	80					
	605	0	15	48					
	606	0	13	84					
	607	0	01	84					
	608	0	05	06					
	609	0	15	00					
	610	0	00	10					

[संख्या-ग्राह-31015/3/92-ओ. ग्राह-I]

कुलदीप सिंह, प्रवर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 432.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 698, dated the 29th February, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of petroleum;

And whereas copies of the Gazette notification had been made available to the public on 26th March, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Competent Authority in pursuance of said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited,

Schedule			1	2	3	4	5			
Tehsil : Kotputli	District : Jaipur	State : Rajasthan	Khelna	2324	0	12	00			
Name of Village	Khasra No.	Area		2327	0	09	40			
		Hec-tare	Acre	Cen-tiare		1213/2524	0	07	92	
						1168/2623	0	05	74	
1	2	3	4	5						
Lada Ka Bas	692	0	22	10		Pacta	906	0	21	60
	697	0	22	10			909	0	18	00
	700	0	41	94			925	0	15	12
	724	0	23	40			929	0	03	60
	725	0	28	16			930	0	07	92
	759	0	06	06			2123	0	01	00
	831	0	08	37			2125	0	64	80
	853	0	11	80			2126	0	01	08
	855	0	16	56			2129	0	30	96
	856	0	07	20			2130	0	07	92
	857	0	01	50			2131	0	16	56
	858	0	06	84			2160	0	20	16
Khelna	1133	0	09	18			2173	0	03	60
	1134	0	01	26			2174	0	13	68
	1135	0	15	48			2175	0	12	96
	1140	0	10	80			2178	0	14	18
	1141	0	11	52			2180	0	02	10
	1142	0	05	04			2201	0	24	28
	1160	0	13	70			2205	0	02	06
	1161	0	15	48			2319	0	00	72
	1168	0	08	64			2320	0	12	96
	1169	0	05	74			2328	0	09	16
	1179	0	09	82			2329	0	09	08
	1284	0	09	18			2331	0	07	68
	1285	0	07	38			2335	0	08	96
	1218	0	06	84			2336	0	00	88
	1219	0	06	48			2338	0	01	02
	1281	0	10	08			2339	0	07	92
	1309	0	00	80			2345	0	06	48
	1310	0	07	84			2346	0	07	20
	1313	0	07	02			2129/2386	0	21	60
	1322	0	08	28		Pragpura	1556	0	00	80
	1323	0	01	60			1619	0	03	90
	1325	0	05	94			1620	0	12	24
	1326	0	03	76			1622	0	03	20
	1334	0	11	52			1626	0	02	72
	1336	0	12	80			1629	0	06	30
	1404	0	08	28			1630	0	09	90
	1405	0	09	36			1634	0	14	84
	1407	0	12	60			1635	0	15	12
	1409	0	00	72			1638	0	05	22
	1410	0	06	12			1644	0	11	72
	1411	0	06	48			1645	0	00	96
	1413	0	09	90			1646	0	01	00
	2215	0	01	08			1647	0	01	26
	2235	0	20	16			1649	0	04	70
	2243	0	15	48			1650	0	06	20
	2244	0	00	48			1652	0	04	78
	2249	0	07	74			1653	0	10	08
	2250	0	12	24			1683	0	07	76
	2257	0	13	32			1833	0	04	50
	2262	0	09	00			1864	0	11	62
	2263	0	08	28			1866	0	12	96
	2317	0	04	48			1867	0	02	00
	2318	0	05	60			1868	0	01	50
	2319	0	09	00			1869	0	15	32
	2320	0	04	62			1887	0	02	24
	2321	0	03	52			1892	0	03	52
	2323	0	06	00			1893	0	11	72
							1897	0	18	56
							1898	0	00	96

1	2	3	4	5	1	2	3	4
Kidarode	132	0	15	84		64	0	10
	150	0	10	80		66	0	15
	151	0	06	12		68	0	03
	158	0	15	84		69	0	10
	179	0	01	94		70	0	05
	181	0	17	28		108	0	00
	231	0	05	04		109	0	16
	232	0	13	98		110	0	11
	236	0	06	88		111	0	14
	237	0	09	00		112	0	03
	240	0	08	94		116	0	04
	242	0	05	04		124	0	05
	243	0	16	96		127	0	05
	244	0	09	36		128	0	10
	303	0	10	08		129	0	04
	304	0	10	08		130	0	01
	305	0	16	58		131	0	03
	308	0	04	35		206	0	02
	309	0	15	88		208	0	06
	362	0	10	08		210	0	06
	367	0	15	12		211	0	23
	368	0	00	90		212	0	06
	381	0	01	90	Raghunathpura	107	0	01
	382	0	04	96		112	0	03
	385	0	17	28		113	0	05
	386	0	00	86		118	0	03
	387	0	07	92		119	0	00
	388	0	15	84		120	0	00
	389	0	10	90		124	0	14
	446	0	10	90		125	0	04
	447	0	00	80		149	0	01
	448	0	05	96		159	0	00
	496	0	11	82		160	0	04
	497	0	10	08		162	0	03
	519	0	02	08		163	0	05
	522	0	18	36		164	0	01
	523	0	00	88		165	0	00
	524	0	09	92		324	0	01
	525	0	08	28		391	0	05
	526	0	08	94		392	0	07
	528	0	10	08		398	0	06
	529	0	01	00		399	0	02
	557	0	03	01		420	0	04
	558	0	08	91		421	0	03
	559	0	00	96		423	0	05
	567	0	15	12		433	0	15
	568	0	00	96		434	0	14
	569	0	19	80		443	0	12
	573	0	01	30		444	0	13
	575	0	13	98		445	0	10
	576	0	14	80		453	0	10
	638	0	01	08		454	0	05
	641	0	08	92		456	0	06
	642	0	08	92		457	0	09
	643	0	02	53		469	0	00
	649	0	15	12		1013	0	06
	651	0	03	90		1014	0	03
	652	0	16	56		1015	0	10
	656	0	06	53		1030	0	01
Pathredi	51	0	11	12		1031	0	13
	54	0	04	00		1032	0	00
	55	0	01	40		1034	0	00
	56	0	13	32		1051	0	07
	57	0	00	75		1052	0	07
	63	0	01	08		1053	0	07

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1057	0	08	28		938	0	05	96
	1060	0	07	92		967	0	12	76
	1061	0	07	92		982	0	01	08
	1063	0	16	56		994	0	11	88
	1066	0	16	20		997	0	12	24
	1240	0	19	80		998	0	11	16
	1263	0	01	98		1002	0	11	88
	1264	0	05	04		1003	0	01	12
	1265	0	05	04		1006	0	00	40
	1266	0	02	88	Kalyanpura Khurd	369	0	04	32
	1267	0	12	24		370	0	09	72
	1364	0	01	08		371	0	10	08
	1441	0	04	32		373	0	09	26
	1446	0	09	18		385	0	15	84
	1447	0	03	24		388	0	00	48
	1448	0	04	33		389	0	15	00
	1476	0	18	72		397	0	04	86
	1477	0	11	58		398	0	15	12
	1523	0	14	58		422	0	01	12
	1526	0	10	44		423	0	05	76
	1530	0	09	90		428	0	12	40
	1531	0	01	44		429	0	00	28
	1532	0	08	46		430	0	02	88
	1535	0	08	28		434	0	04	68
	1536	0	02	52		436	0	05	30
	1537	0	04	86		438	0	0	32
	1538	0	03	96		439	0	06	84
	1539	0	02	88		441	0	10	08
	1560	0	18	96		442	0	12	40
	1561	0	14	40		478	0	01	34
	1563	0	05	04		491	0	02	70
	1565	0	10	80		503	0	12	14
	1566	0	28	08		504	0	05	04
	1567	0	28	80		505	0	04	68
	1568	0	01	20		715	0	15	84
	1569	0	10	56		721	0	07	04
	1570	0	17	28		722	0	04	20
	1571	0	02	70		723	0	04	50
	1651	0	03	76		724	0	04	14
	1259/1746	0	05	94		725	0	04	68
Kanarpura	754	0	03	80		729	0	03	08
	755	0	07	86		730	0	08	64
	758	0	03	26		732	0	12	14
	759	0	05	26	Raheda	209	0	03	84
	763	0	05	06		335	0	01	64
	764	0	15	08		336	0	14	40
	767	0	22	24		337	0	14	40
	770	0	01	28		338	0	12	64
	771	0	07	94		339	0	12	80
	772	0	01	62		340	0	05	04
	780	0	02	88		341	0	05	80
	781	0	03	70		342	0	07	92
	826	0	07	58		343	0	10	08
	830	0	16	95		345	0	10	98
	831	0	01	08		347	0	05	58
	860	0	09	76		350	0	10	38
	861	0	08	84		351	0	05	92
	863	0	15	12	Putli	5	0	11	42
	925	0	15	12		12	0	09	00
	928	0	08	84		13	0	00	80
	929	0	06	84		14	0	09	00
	932	0	12	90		20	0	09	00
	935	0	12	86		21	0	03	18
	956	0	12	24		28	0	26	38
	957	0	09	00		32	0	21	60

1	2	3	4	1	2	3	4	5
		54	0 02 00		276	0 01	98	
		58	0 00 80		278	0 16	16	
		59	0 16 30		279	0 00	96	
		62	0 09 26		316	0 00	34	
		75	0 08 18		317	0 09	16	
		76	0 06 38		318	0 16	06	
		77	0 04 22		322	0 03	10	
		229	0 01 34		323	0 13	12	
		230	0 07 92		328	0 15	84	
		231	0 01 34		329	0 00	70	
		243	0 12 14		332	0 07	10	
		244	0 08 28		535	0 04	12	
		245	0 20 88		616	0 23	10	
		426	0 07 72		617	0 00	24	
		427	0 05 32		625	0 22	12	
		428	0 05 02	Basadi	379	0 05	04	
		436	0 01 44		383	0 10	26	
		437	0 18 36		400	0 01	44	
		438	0 15 28		501	0 04	32	
		454	0 10 08		502	0 07	44	
		456	0 10 80		506	0 05	04	
		457	0 09 72		507	0 04	48	
		462	0 29 86		508	0 02	08	
		509	0 08 18		513	0 18	72	
		515	0 09 72		520	0 09	64	
		516	0 09 36		521	0 09	64	
		526	0 09 72		531	0 03	52	
		527	0 10 08		532	0 12	32	
		529	0 13 68		535	0 07	92	
		541	0 11 32		536	0 00	20	
		542	0 01 96		537	0 07	52	
		543	0 11 10		546	0 16	56	
		551	0 02 24		550	0 01	08	
		556	0 16 92		607	0 01	32	
		557	0 01 62		608	0 03	32	
		558	0 05 88		609	0 04	96	
		560	0 05 76		618	0 07	86	
		563	0 05 16		619	0 08	28	
		564	0 04 12		645	0 00	30	
		565	0 02 88		647	0 03	60	
		566	0 03 60		648	0 07	92	
		567	0 03 44		649	0 07	20	
Sundarpura	204	0 11 00			656	0 00	24	
	205	0 11 00			657	0 09	24	
	217	0 09 02			658	0 00	92	
	220	0 10 00			659	0 03	18	
	225	0 08 92			660	0 12	60	
	226	0 07 90	Badabas		343	0 01	04	
	542	0 00 05			349	0 12	14	
	543	0 01 04			350	0 10	10	
	544	0 05 06			351	0 00	80	
	573	0 01 02			352	0 16	08	
					353	0 04	86	
					356	0 09	90	
Boochaheda	65	0 08 16			357	0 10	08	
	68	0 09 00						
	70	0 17 14						
	133	0 01 06	Ramsinghpura		913	0 10	98	
	134	0 07 16			914	0 01	04	
	135	0 08 08			915	0 00	98	
	136	0 09 00						
	137	0 06 18	Khedki Beer Bhan		7	0 01	06	
	138	0 12 10			12	0 12	96	
	139	0 12 96			13	0 04	00	
	273	0 18 00			14	0 04	98	
	274	0 11 06			19	0 05	00	

१	२	३	४	५	१	२	३	४	५
	22	0	05	04	Shekhpurn	920	0	01	50
	23	0	11	06		921	0	07	86
	25	0	08	04		922	0	12	74
	26	0	01	98		924	0	11	52
	39	0	01	02	Sangteda	150	0	00	66
	41	0	18	02		151	0	03	80
	48	0	10	00		152	0	00	82
	51	0	12	04		153	0	21	24
	98	0	01	80		177	0	04	78
Khadkhadi	304	0	01	10		178	0	16	76
	310	0	07	92		179	0	09	82
	316	0	07	92		180	0	09	00
	320	0	02	24		181	0	07	92
	321	0	13	50		183	0	16	20
	322	0	09	36		188	0	04	62
	323	0	08	94		189	0	20	88
	326	0	08	94		190	0	01	44
	327	0	01	92		474	0	01	82
	330	0	01	28		501	0	06	30
	331	0	12	95		505	0	00	68
	332	0	00	74		506	0	02	74
	333	0	00	10		507	0	03	80
	344	0	06	51		537	0	03	78
	346	0	12	23		543	0	14	40
	347	0	03	20		544	0	13	50
	349	0	11	70		550	0	21	78
	350	0	05	27		588	0	07	76
	361	0	05	20		589	0	04	96
	362	0	00	10		592	0	01	44
	394	0	10	99		630	0	14	40
	395	0	03	85		631	0	00	96
	401	0	01	20		639	0	05	40
	402	0	05	76		640	0	03	96
	403	0	10	80		642	0	05	04
	404	0	09	36		643	0	05	40
	405	0	09	00		664	0	13	32
	406	0	01	84		665	0	02	16
	407	0	02	90		904	0	02	90
	421	0	00	94		911	0	09	00
	422	0	14	04		912	0	14	86
	423	0	14	40		948	0	09	36
	546	0	07	86		949	0	01	08
	547	0	08	28		951	0	00	90
	548	0	07	20		952	0	12	80
	549	0	01	30		953	0	00	80
	550	0	02	80		960	0	12	96
	551	0	07	92		961	0	03	60
	553	0	07	92		962	0	06	48
	554	0	11	52		963	0	00	66
	556	0	13	32		968	0	01	20
	557	0	02	00		969	0	05	76
	558	0	10	90		970	0	06	93
	568	0	04	14		971	0	11	72
	569	0	00	95		973	0	00	90
Molaheda	172	0	07	00		974	0	02	72
	173	0	13	00		978	0	07	92
	174	0	13	50		1129	0	04	00
	175	0	01	02		1130	0	04	05
	176	0	06	12		1131	0	01	96
	177	0	06	08		1141	0	00	72
	179	0	00	30		1142	0	15	12
	191	0	03	00		1143	0	15	12
	192	0	00	96		1146	0	01	90
	172/968	0	12	80		1147	0	11	72
						1148	0	01	20

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1149	0	18	36		1231	0	13	32
	1150	0	04	48		1232	0	05	22
	1158	0	04	20		1233	0	04	88
	1159	0	01	20		1234	0	05	86
	1160	0	02	88		1235	0	05	04
	1161	0	01	80		1251	0	12	42
	1162	0	02	88		1252	0	08	84
	1163	0	01	88		1253	0	17	84
	1164	0	00	78		1254	0	08	84
	1170	0	10	08		1255	0	08	28
	1171	0	05	04		1370	0	01	08
	1172	0	12	96		1373	0	17	28
	1176	0	03	08		1374	0	08	64
	1175/1590	0	16	20		1375	0	15	84
Khedki Mukut	803	0	05	04		1381	0	15	30
	804	0	01	92		1715	0	01	44
	807	0	04	88		1716	0	08	28
	808	0	10	90		1718	0	12	80
	809	0	02	16		1719	0	26	92
	813	0	01	20		1728	0	23	78
	814	0	34	86		1736	0	09	36
	815	0	02	40		1738	0	14	32
	816	0	29	72		1739	0	10	38
	817	0	00	90		1822	0	09	74
	846	0	13	32		1823	0	11	52
	851	0	02	38		1824	0	01	98
	852	0	00	88		1834	0	01	08
	853	0	09	00		1835	0	06	10
	865	0	11	82		1845	0	08	78
	869	0	11	82		1846	0	07	92
	880	0	14	40		1847	0	07	92
	919	0	09	10		1848	0	02	74
	921	0	01	88		1849	0	04	86
	922	0	02	86		1855	0	00	80
	923	0	05	04		1856	0	10	80
	924	0	00	46		1857	0	10	08
	925	0	06	86		1858	0	10	08
	926	0	11	72		1862	0	00	42
	927	0	10	08		1893	0	02	34
	928	0	10	44		1894	0	06	48
	929	0	07	92		1895	0	07	20
	930	0	02	72		1896	0	12	78
	931	0	08	28					
	932	0	04	50	Morda	131	0	12	80
	944	0	00	66		132	0	06	86
	945	0	13	32		141	0	12	88
	947	0	02	88		142	0	19	64
	948	0	09	36		145	0	14	04
	951	0	04	76		146	0	02	08
	952	0	08	64		172	0	15	12
	978	0	16	92		174	0	01	60
PANYALA	1017	0	16	84		179	0	18	00
	1136	0	12	80		180	0	02	20
	1137	0	14	40		182	0	05	04
	1142	0	02	80		183	0	10	90
	1143	0	11	82		184	0	03	12
	1144	0	09	92		192	0	19	90
	1145	0	14	40		363	0	09	36
	1192	0	03	08		366	0	09	82
	1193	0	03	30		385	0	00	66
	1194	0	00	96		386	0	05	04
	1195	0	08	66		388	0	10	90
	1197	0	05	44		389	0	10	08
	1219	0	00	92		390	0	06	30

1	2	3	4	5
391	0	06	9	
392	0	15	12	
394	0	10	99	
398	0	10	00	
425	0	07	20	
468	0	06	48	
475	0	14	04	
516	0	12	2	
518	0	08	84	
519	0	04	78	
520	0	04	20	
521	0	02	84	
522	0	12	24	
524	0	02	84	
525	0	00	80	
576	0	12	96	
578	0	01	80	
605	0	15	48	
606	0	13	84	
607	0	01	84	
608	0	05	06	
609	0	15	00	
610	0	00	10	
Malpura	51	0	08	82
	54	0	13	50
	55	0	13	14
	58	0	16	38
	59	0	08	64
	60	0	08	28
	61	0	08	28
	62	0	13	68
	63	0	09	90
	68	0	18	36
	81	0	09	02
	83	0	16	08
	89	0	12	34
	93	0	02	10
	94	0	12	74
	95	0	12	02
	96	0	00	18
	97	9	10	94
	98	0	00	98
	101	0	08	30
	102	0	00	08

[No. R-31015/3/92-O.R.I]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 493.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 699 तारीख 29-2-1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन बिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आण्य की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना भी उसीला तरह की तरीफ़ 26 मार्च, 1992 को उपलब्ध कर दी गयी थी,

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्तम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट देदी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर किनार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने से हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करनी है;

और यह कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देनी है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विलगिमों से मूल हिंडियन अर्गिल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

### अनुमति

तहसील : विराट नगर जिला : जथपुर, राज्य : राजस्थान

गांव का नाम ख्रमरा नगर श्वेतफल

हेट्टेयर गेयर शर्गमीटर

1	2	3	4	5
सूरपुरा	552	0	03	06
	553	0	13	50
	554	0	13	32
	555	0	14	04
	583	0	10	44
	584	0	05	04
	585	0	05	76
	596	0	26	63
	597	0	02	34
	598	0	19	62
	682	0	07	02
	683	0	06	38
	684	0	00	10
	687	0	26	46
	693	0	09	78
	697	0	04	32
	698	0	02	88

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सूर्यपुरा— (क्रमांकः) :	699	0	03	60	वामपुरा— (क्रमांकः) :	1234	0	07	02
	700	0	09	36		1235	0	06	84
	774	0	00	30		1236	0	06	84
	776	0	09	36		1237	0	06	84
	783	0	01	80		1238	0	07	56
	784	0	11	88		1240	0	15	48
	785	0	04	32		1241	0	17	82
	788	0	04	32		1253	0	01	30
	674/987	0	01	44		1052/2190	0	01	44
	601/995	0	29	34		1056/2192	0	03	96
जवानपुरा	929	0	12	96	भाष्टक	116	0	11	64
	942	0	14	80		117	0	01	90
	945	0	05	22		119	0	05	60
	946	0	06	12		120	0	05	96
	947	0	04	96		123	0	02	88
	968	0	02	92		124	0	11	88
	969	0	18	72		126	0	02	98
	970	0	07	56		128	0	00	82
	1011	0	11	52		144	0	09	12
	1014	0	08	28		146	0	03	90
	1015	0	13	32		151	0	08	58
	1019	0	02	88		152	0	03	40
	1020	0	01	08		153	0	00	82
	1052	0	15	12		154	0	00	86
	1089	0	02	70		155	0	07	04
	1090	0	09	90		156	0	02	98
	1091	0	06	48		157	0	00	92
	1093	0	09	36		159	0	00	94
	1102	0	18	90		160	0	08	10
	1104	0	06	84		162	0	03	15
	1105	0	09	36		163	0	17	92
	1131	0	25	92		164	0	00	94
	1134	0	33	84		166	0	02	34
	1146	0	18	36		169	0	01	44
	1148	0	14	04		170	0	02	98
	1149	0	14	22		171	0	01	20
	1151	0	10	44		173	0	00	32
	1170	0	06	48		174	0	01	28
	1171	0	16	20		175	0	01	92
	1172	0	07	56		177	0	05	40
	1173	0	11	16		184	0	09	42
	1182	0	03	60		185	0	07	20
	1184	0	08	64		503	0	00	36
	1185	0	27	36		510	0	00	36
	1233	0	06	48		511	0	05	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भावह—	512	0	05	94	भावह—	1021	0	02	86
(क्रमसं.)	513	0	05	04	(क्रमसं.)	1022	0	11	16
	515	0	04	02		1023	0	01	98
	516	0	11	50		1024	0	10	84
	519	0	00	50		1025	0	08	28
	520	0	01	26		1026	0	02	16
	537	0	01	62		1027	0	05	04
	594	0	02	00		1030	0	01	30
	595	0	10	82		1031	0	09	90
	596	0	03	80		1032	0	00	74
	597	0	03	90		1034	0	09	84
	600	0	09	84		2091	0	05	40
	601	0	12	24		2092	0	02	38
	649	0	01	94		2096	0	09	94
	679	0	00	66		2097	0	02	82
	680	0	12	72		2098	0	02	90
	682	0	10	90		2099	0	00	84
	690	0	00	90		2110	0	00	94
	691	0	12	18		2111	0	08	94
	692	0	03	80		2113	0	05	96
	693	0	20	72		2122	0	01	90
	698	0	01	70		2126	0	08	45
	699	0	10	74		2127	0	02	24
	725	0	01	90		2128	0	19	10
	848	0	05	40		2129	0	00	10
	851	0	00	90		2131	0	04	20
	852	0	06	80		2132	0	03	00
	853	0	13	32		2133	0	13	96
	865	0	01	28		2137	0	11	32
	866	0	17	88		2138	0	00	80
	867	0	02	80		2139	00	02	96
	873	0	01	08		2140	0	04	40
	874	0	11	16		2141	0	02	96
	875	0	09	00		2142	0	06	24
	876	0	03	80		2178	0	02	88
	877	0	10	98		2180	0	06	30
	926	0	01	92		2181	0	06	30
	932	0	08	10		2183	0	08	64
	933	0	07	20		2184	0	05	58
	935	0	08	86		2195	0	09	36
	938	0	06	12		2203	0	07	56
	939	0	01	26		2204	0	00	88
	941	0	05	04		2205	0	11	16
	942	0	01	92		2225	0	07	92
	1005	0	02	16		2226	0	00	90
	1020	0	01	92					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
মালদ—কল্পা:	2228	0	10	40	শাবক—কল্পা:	2782	0	04	88
	2230	0	13	88		2783	0	04	86
	2231	0	08	94		2785	0	10	08
	2232	0	00	91		2786	0	03	36
	2260	0	05	22		2787	0	03	90
	2261	0	03	90		2845	0	02	16
	2262	0	05	04		2846	0	04	32
	2263	0	00	80		2848	0	02	16
	2264	0	10	98		2850	0	06	88
	2270	0	01	92		2883	0	00	86
	2271	0	04	86		2884	0	16	92
	2272	0	10	84		2786	0	12	24
	2275	0	08	76		2787	0	01	80
	2315	0	02	90		2916	0	06	48
	2316	0	06	94		2917	0	06	30
	2321	0	04	06		2918	0	08	46
	2322	0	04	94		2924	0	08	28
	2323	0	05	90		2925	0	10	89
	2324	0	00	88		2927	0	00	27
	2327	0	09	92		2929	0	00	72
	2328	0	02	98		2945	0	02	52
	2329	0	03	90		2963	0	00	88
	2330	0	05	04		2964	0	12	06
	2335	0	09	92		2968	0	08	82
	2380	0	01	44		2972	0	18	90
	2385	0	09	00		2973	0	00	58
	2386	0	13	32		2978	0	09	36
	2392	0	16	02		2980	0	03	40
	2396	0	23	96		2981	0	03	62
	2403	0	04	96		2983	0	05	96
	2431	0	11	16		2984	0	03	90
	2432	0	07	96		2985	0	03	24
	2433	0	01	98		2995	0	03	60
	2434	0	07	94		2996	0	03	60
	2438	0	07	20		2999	0	05	04
	2439	0	00	90		3002	0	00	86
	2744	0	05	94		3003	0	09	36
	2745	0	03	98		3006	0	15	48
	2747	0	00	88		3007	0	11	16
	2748	0	03	94		3012	0	23	62
	2749	0	00	88		3415	0	34	38
	2750	0	05	28		2228/4344	0	04	00
	2757	0	01	90		2786/4606	0	10	00
	2767	0	08	86	বঙ্গীদা	349	0	46	80
	2770	0	05	04		350	0	22	32
	2778	0	17	94		355	0	09	36
	2779	0	03	90		356	0	32	20
	2780	0	05	04		359	0	01	74

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बड़ोदा—क्रमशः	365	0	21	24	आंटेला—क्रमशः	3778	0	10	80
	376	0	01	08		3779	0	11	88
	400	0	12	06		3721/3861	0	00	86
	403	0	04	86		3536/3874	0	30	06
	404	0	03	80	वागावास अहीरान	823	0	05	76
	405	0	04	32		225	0	36	36
	408	0	04	32		28	0	12	96
	411	0	03	24		29	0	01	10
	417	0	07	38		30	0	10	98
	418	0	06	68		35	0	01	24
	421	0	03	87		38	0	00	10
	422	0	03	78		39	0	02	90
	426	0	04	82		340	0	06	10
	428	0	03	84		342	0	00	56
	429	0	00	82		343	0	06	22
	430	0	00	64		363	0	01	04
	356/566	0	09	83		364	0	04	08
ग्रातेला	3262	0	25	56		365	0	00	32
	3269	0	05	86		366	0	04	08
	3270	0	01	44		367	0	02	49
	3271	0	08	84		905	0	09	00
	3272	0	07	20		934	0	06	14
	3273	0	05	94		935	0	09	24
	3452	0	15	12		936	0	01	16
	3454	0	15	48		937	0	07	92
	3455	0	16	02		943	0	02	92
	3456	0	15	94		944	0	00	14
	3478	0	03	78		946	0	00	98
	3479	0	12	12		947	0	00	16
	3483	0	06	16		948	0	06	10
	3485	0	14	69		958	0	06	10
	3519	0	06	48		960	0	08	25
	3522	0	04	70		964	0	11	22
	3523	0	10	22		965	0	00	48
	3524	0	12	26		966	0	02	18
	3529	0	01	44		1032	0	04	20
	3537	0	04	40		1033	0	04	40
	3553	0	43	20		1034	0	05	52
	3554	0	15	60		1059	0	00	50
	3721	0	20	34		1060	0	00	40
	3722	0	10	80		1066	0	01	08
	3723	0	15	66		1067	0	04	80
	3726	0	06	48		1068	0	09	22
	3727	0	12	60		1069	0	04	16
	3752	0	01	08		1091	0	01	44
	3774	0	21	90		1092	0	00	20
	3777	0	17	28		1093	0	02	00



## Schedule

Tehsil : Virat Nagar District : Jaipur State : Rajasthan

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bhabarū—	682	0	10	90	Bhabarū—	2181	0	06	30
(Contd.)	690	0	00	90	Contd.	2183	0	08	64
691	0	12	18		2184	0	05	58	
692	0	03	80		2195	0	09	36	
693	0	20	72		2203	0	07	56	
698	0	01	70		2204	0	00	88	
699	0	10	74		2205	0	11	16	
725	0	11	90		2225	0	07	92	
848	0	05	40		2226	0	00	90	
851	0	00	90		2228	0	10	40	
852	0	06	80		2230	0	13	88	
853	0	13	32		2231	0	08	94	
865	0	01	28		2232	0	00	91	
866	0	17	88		2260	0	05	22	
867	0	02	80		2261	0	03	90	
873	0	01	08		2262	0	05	04	
874	0	11	16		2263	0	00	80	
875	0	09	00		2264	0	10	98	
876	0	03	80		2270	0	01	92	
877	0	90	98		2271	0	04	86	
926	0	01	92		2272	0	10	84	
932	0	08	10		2275	0	08	76	
933	0	07	20		2315	0	02	90	
935	0	08	86		2316	0	06	94	
938	0	06	12		2321	0	04	06	
939	0	01	26		2322	0	04	94	
941	0	05	04		2323	0	05	90	
942	0	01	92		2324	0	00	88	
1005	0	02	16		2327	0	09	92	
1020	0	01	92		2328	0	02	98	
1021	0	02	86		2329	0	03	90	
1022	0	11	16		2330	0	05	04	
1023	0	01	98		2335	0	09	92	
1024	0	10	84		2380	0	01	44	
1025	0	08	28		2385	0	09	00	
1026	0	02	16		2386	0	13	32	
1027	0	05	04		2392	0	16	02	
1030	0	01	30		2396	0	23	96	
1031	0	09	90		2403	0	04	96	
1032	0	00	74		2431	0	11	16	
1034	0	09	84		2432	0	07	96	
2091	0	05	40		2433	0	01	98	
2092	0	02	38		2434	0	07	94	
2096	0	09	94		2438	0	07	20	
2097	0	02	82		2439	0	00	90	
2098	0	02	90		2744	0	05	94	
2099	0	00	84		2745	0	03	98	
2110	0	00	94		2747	0	00	88	
2111	0	08	94		2748	0	03	4	
2113	0	05	96		2749	0	00	88	
2122	0	01	90		2750	0	05	28	
2126	0	08	45		2757	0	01	90	
2127	0	02	24		2767	0	08	86	
2128	0	19	10		2770	0	05	04	
2129	0	00	10		2778	0	17	94	
2131	0	04	20		2779	0	03	90	
2132	0	03	00		2780	0	05	04	
2133	0	13	96		2782	0	04	88	
2137	0	11	32		2783	0	04	86	
2138	0	00	80		2785	0	10	08	
2139	0	02	96		2786	0	03	36	
2140	0	04	40		2787	0	03	90	
2141	0	02	96		2845	0	02	16	
2142	0	06	24		2846	0	04	32	
2178	0	02	88		2848	0	02	16	
2180	0	06	30						

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bhabaru--(Contd.)	2850	0	06	88	Aantela--(Contd.)	3454	0	15	43
	2883	0	00	86		3455	0	16	02
	2884	0	16	92		3456	0	15	94
	2886	0	12	24		3478	0	03	78
	2887	0	01	80		3479	0	12	12
	2916	0	06	48		3483	0	06	16
	2917	0	06	30		3485	0	14	69
	2918	0	08	46		3519	0	06	48
	2924	0	08	28		3522	0	04	70
	2925	0	10	89		3523	0	10	22
	2927	0	00	27		3524	0	12	26
	2929	0	00	72		3529	0	01	44
	2945	0	02	52		3537	0	04	40
	2963	0	00	88		3553	0	43	20
	2964	0	12	06		3554	0	15	60
	2968	0	08	82		3721	0	20	34
	2972	0	18	90		3722	0	10	80
	2973	0	00	58		3723	0	15	66
	2978	0	09	36		3726	0	06	48
	2980	0	03	40		3727	0	12	60
	2981	0	03	62		3752	0	01	08
	2983	0	05	96		3774	0	21	90
	2984	0	03	90		3777	0	17	28
	2985	0	03	24		3778	0	10	80
	2995	0	03	60		3779	0	11	88
	2996	0	03	60		3721/3861	0	00	86
	2999	0	05	04		3536/3874	0	30	06
	3002	0	00	36	Bagawas Abiran	823	0	05	76
	3003	0	09	48		825	0	36	36
	3006	0	15	16		828	0	12	95
	3007	0	11	62		829	0	01	10
	3012	0	23	38		830	0	10	98
	3415	0	34	00		835	0	01	24
	2228/4344	0	04	00		838	0	00	10
	2786/4606	0	10	00		839	0	02	90
Badaoda	349	0	46	80		840	0	06	10
	350	0	22	32		842	0	00	56
	355	0	09	36		843	0	06	22
	356	0	32	20		863	0	01	04
	359	0	01	74		864	0	04	08
	365	0	21	24		865	0	00	32
	376	0	01	08		866	0	04	08
	400	0	12	06		867	0	02	49
	403	0	04	86		905	0	09	00
	404	0	03	80		934	0	06	14
	405	0	04	32		935	0	09	24
	408	0	04	32		936	0	01	16
	411	0	03	24		937	0	07	92
	417	0	07	38		943	0	02	92
	418	0	06	68		944	0	00	14
	421	0	03	87		946	0	00	98
	422	0	03	78		947	0	00	16
	426	0	04	82		948	0	06	10
	428	0	03	84		958	0	06	10
	429	0	00	82		960	0	08	25
	430	0	00	64		964	0	11	22
	356/566	0	09	83		965	0	00	48
						966	0	02	18
Aantela	3262	0	25	56		1032	0	04	20
	3269	0	05	86		1033	0	04	40
	3270	0	01	44		1034	0	05	52
	3271	0	08	84		1059	0	00	50
	3274	0	07	20		1060	0	00	40
	3273	0	05	94		1066	0	01	00
	3452	0	15	12		1067	0	04	80
						1068	0	09	22

1	2	3	4	5
	1069	0	04	16
	1091	0	01	44
	1092	0	00	20
	1093	0	02	00
	1094	0	01	50
	1095	0	05	01
	1100	0	00	50
	1101	0	11	74
	1102	0	01	44
	1108	0	00	40
	1109	0	00	30
	1111	0	04	28
	1112	0	01	00
	1113	0	04	24
	1114	0	01	24
	1115	0	01	48
	1116	0	00	24
	1118	0	00	64
	1119	0	03	06
	1120	0	01	00
	1121	0	00	64
	1122	0	08	60
	1156	0	09	00
	1157	0	09	54
	1159	0	00	90
	1160	0	52	56
	1163	0	01	50
	1168	0	10	08
	1169	0	10	80
	1170	0	06	72
	1171	0	01	92
	1198	0	10	80
	1199	0	00	72
	1201	0	00	50
	1204	0	08	64
	1265	0	13	12
	1266	0	07	16
	1279	0	00	40
	1280	0	02	10
	1281	0	02	70
	1282	0	15	84
	1283	0	07	10
	1284	0	12	78
	1285	0	07	20
	1288	0	06	66
	1289	0	04	32
	1290	0	04	50
	1291	0	08	10
	1313	0	03	40
	1409	0	05	20
	1412	0	26	64
	1915	0	17	28
	1916	0	05	94
	1917	0	05	10
	1974	0	02	10
	1990	0	11	08
	1994	0	04	20
	1995	0	01	10
	1996	0	07	20
	2015	0	13	14
	2018	0	09	18
	2017	0	09	40
	2039	0	03	20
	2040	0	11	88
	2014	0	00	56
	2042	0	04	10
	838/2202	0	09	60

1	2	3	4	5
	864/2203	0	01	17
	866/2206	0	00	20
	866/2207	0	00	10
	904/2210	0	00	06
	905/2213	0	00	20
	1096/2233	0	05	34

[No. R-31015/3/92-O.R.-I]

KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 434.—केन्द्रीय सरकार, ने पैटोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (यिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैटोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 700 तारीख 29-2-1992 द्वारा पैटोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आण्य की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 26 मार्च 1992 को उपलब्ध करा दी गयी थीं ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत सक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विनियंत्रण में सुन्तु इंडीप्रेन आर्गोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

और यह और यह केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विनियंत्रण में सुन्तु इंडीप्रेन आर्गोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

प्रनुसूची			1	2	3	4	5	
लहसील	शाहपुरा	जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान	मनोहरपुर—(जारी)				
गाँव का नाम	खसरा नम्बर	देवकल	हैफटर	ऐयर वर्गमीटर				
1	2	3	4	5				
मनोहरपुर	3278	0	03	25	4261	0	07	90
	3279	0	10	26	4262	0	00	64
	3280	0	05	92	4263	0	00	60
	3283	0	23	20	4267	0	00	72
	3284	0	09	18	4266	0	00	15
	3287	0	07	16	4268	0	00	96
	3288	0	00	96	4269	0	03	96
	3337	0	01	74	4270	0	03	84
	3340	0	33	84	4274	0	05	12
	3343	0	16	38	4275	0	06	12
	3361	0	16	20	4276	0	06	88
	3362	0	33	12	4278	0	19	84
	3368	0	07	88	4297	0	01	26
	3369	0	10	96	4304	0	34	92
	3394	0	33	90	4345	0	13	20
	3395	0	09	92	4346	0	00	92
	3396	0	09	00	4347	0	08	84
	3397	0	11	96	4348	0	07	94
	3400	0	01	96	4349	0	01	96
	3436	0	01	74	4354	0	03	90
	3553	0	09	00	4355	9	06	90
	3554	0	18	00	4357	0	15	12
	3559	0	05	92	4361	0	03	12
	3560	0	23	34	4362	0	11	80
	3567	0	32	04	4363	0	00	72
	3569	0	15	88	4364	0	06	94
	3570	0	07	92	4366	0	06	08
	3571	0	07	92	5194	0	13	70
	3634	0	16	02	5196	0	09	86
	3635	0	02	90	5198	0	13	96
	3636	0	02	88	5199	0	10	92
	4209	0	14	76	5209	0	12	24
	4210	0	11	16	5213	0	13	14
	4219	0	03	96	5215	0	03	00
	4220	0	03	66	5216	0	07	00
	4221	0	04	88	5218	0	08	92
	4222	0	01	70	5219	0	08	28
	4231	0	15	30	5221	0	02	08
	4259	0	00	82	5222	0	04	90
					5223	0	06	30
					5293	0	01	94
					5310	0	13	16
					5311	0	00	86
					5312	0	10	90
					5313	0	00	94
					5318	0	00	90
					5319	0	13	32

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
मनोहरपुर—(जारी) 5321		0	02	20	मनोहरपुर—(जारी) 7877		0	01	44	
5322		0	02	38	7881		0	03	96	
5323		0	06	78	7882		0	03	42	
5324		0	10	44	7883		0	03	96	
5329		0	06	00	7884		0	06	94	
5328		0	00	04	7923		0	11	00	
5393		0	00	94	7927		0	05	24	
5395		0	06	86	7930		0	05	35	
5396		0	00	88	7931		0	04	14	
5397		0	05	94	8120		0	53	76	
5398		0	11	42	8126		0	09	90	
5417		0	19	26	8129		0	15	06	
5421		0	01	44	8130		0	03	24	
5459		0	11	52	8131		0	25	88	
5460		0	02	16	8141		0	02	70	
5463		0	03	24	8146		0	02	16	
5464		0	04	20	8149		0	10	98	
5469		0	03	96	5312/8316		0	02	68	
5471		0	05	04	7389/8359		0	01	74	
5472		0	04	20	5319/8378		0	13	06	
5485		0	17	40	8150/8390		0	02	82	
5486		0	00	94	7897/8592		0	04	32	
5487		0	02	40	5195/8625		0	14	04	
5488		0	14	82	5194/8231		0	05	00	
5489		0	04	04	4210/8636		0	03	80	
7387		0	06	94	7832/8642		0	01	80	
7388		0	05	42	8129/8688		0	09	36	
7389		0	09	94	निधारा		356	0	01	24
7390		0	03	04		364		0	15	84
7392		0	01	64		371		0	03	60
7393		0	07	94		417		0	12	14
7394		0	10	90		419		0	03	12
7395		0	06	78		420		0	17	08
7396		0	06	00		589		0	06	18
7799		0	07	92		590		0	05	04
7800		0	13	02		591		0	06	18
7803		0	08	28		595		0	11	88
7805		0	07	20		599		0	00	70
7817		0	01	54		600		0	01	18
7830		0	01	94		602		0	03	14
7831		0	18	00		603		0	03	14
7834		0	14	88		611		0	06	38
7847		0	30	92		612		0	07	92
7848		0	03	88		619		0	01	12
7849		0	02	00		620		0	05	76
7874		0	05	04		621		0	06	38
7876		0	03	24		622		0	12	14

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
निधान—(जारी)	623	0	00	06	लेट का बात्त (जारी)	547	0	02	25
	604	0	00	12		569	0	01	98
	651	0	00	96		655	0	28	12
	652	0	01	34		665	0	14	94
	660	0	02	88		666	0	14	58
	723	0	10	34		668	0	06	42
	724	0	00	36		669	0	05	58
	725	0	00	30		671	0	09	36
	726	0	10	80		547/1444	0	00	40
	727	0	06	94		655/1446	0	06	40
	728	0	00	48	आखनी	102	0	05	88
	730	0	03	30		103	0	02	90
	731	0	06	28		107	0	07	82
	783	0	07	10		108	0	05	04
	784	0	09	09		109	0	02	88
	787	0	07	92		123	0	03	04
	788	0	07	16		171	0	02	03
	790	0	01	18		178	0	08	00
	791	0	07	92		181	0	01	02
	793	0	10	80		188	0	05	15
	795	0	03	60		189	0	08	00
	984	0	29	88		190	0	03	12
	1044	0	00	90					
	1045	0	00	30	लोट	1	0	16	90
	1048	0	19	56		9	0	09	08
	1050	0	23	20		10	0	14	02
	1051	0	01	16		34	0	12	14
लेट का बात्त	388	0	22	86		35	0	12	03
	398	0	07	41		41	0	02	27
	399	0	07	22		42	0	04	26
	400	0	07	92		43	0	00	50
	431	0	02	28		44	0	00	20
	432	0	02	20		45	0	02	10
	434	0	04	29		46	0	11	18
	436	0	07	56		73	0	00	64
	440	0	08	10		74	0	05	24
	441	0	03	48		89	0	04	08
	443	0	11	21		91	0	01	24
	445	0	00	68		101	0	00	84
	447	0	00	12		102	0	06	26
	448	0	06	75		132	0	04	24
	531	0	01	14		136	0	00	72
	534	0	11	34		166	0	05	89
	535	0	11	70		168	0	03	12
	536	0	09	00		169	0	04	05
	540	0	12	96		173	0	00	24
	541	0	03	84		172	0	02	04

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
काट—(जारी)	173	0	09	12	जोर्ज खुर्द उर्फ बिशनपुरा—जारी	1032	0	03	97
	256	0	10	04		1033	0	00	90
	257	0	03	06		1035	0	00	94
	258	0	02	04		1036	0	00	70
	259	0	04	08		1037	0	08	16
	280	0	00	90		1038	0	13	30
	286	0	04	04		1152	0	00	90
	287	0	03	96		1154	0	03	08
	288	0	08	06		1155	0	01	97
	350	0	00	32		1156	0	10	08
	370	0	00	34		1159	0	13	30
	371	0	06	10		1172	0	10	84
	372	0	06	14		1178	0	02	88
	373	0	04	07		1179	0	05	76
	378	0	01	92		1180	0	06	84
	379	0	04	94		1195	0	04	14
	380	0	02	13		1198	0	04	14
	403	0	02	28		1217	0	30	24
	447	0	09	02		1219	0	07	80
	448	0	14	11		1220	0	09	90
	470	0	08	16		1229	0	03	96
	471	0	08	08		1230	0	03	96
	472	0	08	10		1231	0	03	96
	473	0	05	07		1232	0	04	50
	474	0	04	00		1233	0	04	86
	475	0	01	07		1397	0	00	92
	168/2096	0	02	38		1485	0	01	90
						1486	0	03	99
शाहपुरा	5074	0	12	00		1487	0	12	15
	5078	0	00	94		1490	0	05	96
	5080	0	09	94		1491	0	00	66
	5083	0	00	96		1492	0	01	88
	5089	0	04	98		1493	0	01	92
	5155	0	01	10		1494	0	06	38
	5157	0	13	91		1495	0	01	64
	5084/5676	0	11	94		1502	0	07	86
	5084/5677	0	07	04		1503	0	07	40
जोर्ज खुर्द उर्फ विशनपुरा	1008	0	14	04		1504	0	04	14
	1009	0	08	76	देवन	75	0	22	68
	1024	0	08	76		109	0	02	88
	1025	0	01	98		111	0	00	54
	1026	0	01	98		112	0	11	18
	1027	0	02	28		114	0	01	62
	1028	0	02	04		121	0	07	20
	1029	0	01	12		122	0	10	22
	1030	0	01	20		123	0	04	36
	1031	0	03	81		153	0	19	44

1	2	3	4	5
देवन (जारी)	154	0	00	90
	222	0	02	34
	223	0	06	84
	225	0	00	36
	231	0	13	68
	232	0	04	32
	236	0	19	44
	237	0	08	64
	238	0	08	64
	242	0	02	52
	243	0	02	34
	490	0	00	36
	491	0	06	84
	492	0	08	28
	494	0	16	02
	496	0	01	80
	499	0	00	72
	500	0	07	38
	501	0	10	62
	502	0	01	54
	503	0	04	22
	504	0	05	04
	505	0	03	24
	506	0	00	54
	514	0	06	48
	505/2898	0	04	86

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited,

## SCHEDULE

Tehsil : Shahpura	District: Jaipur	State : Rajasthan		
Name of Village	Khasra No.	Area		
	Hect.	Acre	Cent.	
1	2	3	4	5
Manoharpur	3278	0	03	25
	3279	0	10	26
	3280	0	05	92
	3283	0	23	20
	3284	0	09	18
	3287	0	07	16
	3288	0	00	90
	3337	0	01	74
	3340	0	33	84
	3343	0	16	38
	3361	0	16	20
	3362	0	33	12
	3368	0	07	88
	3369	0	10	96
	3394	0	33	90
	3395	0	09	92
	3396	0	09	00
	3397	0	11	96
	3400	0	01	95
	3436	0	01	74
	3553	0	09	00
	3554	0	18	00
	3559	0	05	92
	3560	0	23	34
	3567	0	32	04
	3569	0	15	88
	3570	0	07	92
	3571	0	07	92
	3634	0	16	02
	3635	0	02	90
	3636	0	02	88
	4209	0	14	76
	4210	0	11	16
	4219	0	03	96
	4220	0	03	66
	4221	0	04	88
	4222	0	01	70
	4231	0	15	30
	4259	0	00	82
	4261	0	07	90
	4262	0	00	64
	4263	0	00	60
	4267	0	00	72
	4266	0	00	15
	4268	0	00	96
	4269	0	03	96
	4270	0	03	84
	4274	0	05	12
	4275	0	06	12
	4276	0	06	88
	4278	0	19	84
	4297	0	01	26
	4303	0	34	92

[संख्या-ग्राम-31015/3/92-ओआर-I]

कुलदीप सिंह, प्रबर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 434.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 700, dated the 29th February, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for the transport of petroleum;

And whereas copies of the Gazette notification had been made available to the public on 26th March, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Mehoharpur -Contd.	4345	0	13	20		7396	0	06	00
	4346	0	00	92		7799	0	07	92
	4347	0	08	84		7800	0	13	02
	4348	0	07	94		7803	0	08	28
	4349	0	01	96		7805	0	07	20
	4354	0	03	90		7817	0	01	54
	4355	0	06	90		7830	0	01	94
	4357	0	15	12		7831	0	18	00
	4361	0	03	12		7834	0	14	88
	4362	0	11	80		7847	0	39	92
	4363	0	00	72		7848	0	03	88
	4364	0	06	94		7849	0	02	00
	4366	0	06	08		7874	0	05	04
	5194	0	13	70		7876	0	03	24
	5196	0	09	86		7877	0	01	44
	5198	0	13	96		7881	0	03	96
	5199	0	10	92		7882	0	03	12
	5209	0	12	24		7883	0	03	96
	5213	0	13	14		7884	0	06	94
	5215	0	03	00		7925	0	11	00
	5216	0	07	00		7927	0	05	24
	5218	0	08	92		7930	0	05	35
	5219	0	08	28		7931	0	04	14
	5221	0	02	08		8120	0	53	76
	5222	0	04	90		8126	0	09	90
	5223	0	06	30		8129	0	15	06
	5293	0	01	94		8130	0	03	24
	5310	0	13	16		8131	0	25	88
	5311	0	00	86		8141	0	02	70
	5312	0	10	90		8146	0	02	16
	5313	0	00	94		8149	0	10	98
	5318	0	00	90		5312/8316	0	02	68
	5319	0	13	32		7389/8359	0	01	74
	5321	0	02	20		5319/8378	0	13	06
	5322	0	02	38		8150/8390	0	02	82
	5323	0	06	78		7897/8592	0	04	32
	5324	0	10	44		5195/8625	0	14	04
	5329	0	06	00		5194/8231	0	05	00
	5328	0	00	04		4210/8636	0	03	80
	5393	0	00	94		7832/8642	0	01	80
	5395	0	06	86		8129/8688	0	09	36
	5396	0	00	88					
	5397	0	05	94	Neethara	356	0	01	24
	5398	0	11	42		364	0	15	84
	5417	0	19	26		371	0	03	60
	5421	0	01	44		417	0	12	14
	5459	0	11	52		419	0	03	12
	5470	0	02	16		420	0	17	08
	5463	0	03	24		589	0	06	18
	5464	0	04	20		590	0	05	04
	5469	0	03	96		591	0	06	18
	5471	0	05	04		595	0	11	88
	5472	0	04	20		599	0	00	70
	5485	0	17	40		600	0	01	18
	5486	0	00	94		602	0	03	14
	5487	0	02	40		603	0	03	14
	5488	0	14	82		611	0	06	38
	5489	0	04	04		612	0	07	92
	7387	0	06	94		619	0	01	12
	7388	0	05	42		620	0	05	76
	7389	0	09	94		621	0	06	38
	7390	0	03	04		622	0	12	14
	7392	0	01	06		623	0	00	06
	7393	0	07	94		604	0	00	12
	7394	0	10	90		651	0	96	96
	7395	0	06	78		652	0	01	34

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Neethara—(Contd.)	669	0	02	88	Kant	1	0	16	90
	723	0	10	34		9	0	09	08
	724	0	00	36		10	0	14	02
	725	0	00	30		34	0	12	14
	726	0	10	80		35	0	12	03
	727	0	06	84		41	0	02	27
	728	0	00	48		42	0	04	26
	730	0	03	30		43	0	00	50
	731	0	06	28		44	0	00	20
	783	0	07	10		45	0	02	10
	784	0	09	00		56	0	11	18
	787	0	07	92		73	0	00	64
	788	0	07	16		74	0	05	14
	790	0	01	18		89	0	04	08
	791	0	07	92		91	0	01	24
	793	0	10	80		01	0	00	84
	795	0	03	60		02	0	06	26
	984	0	29	88		132	0	04	24
	1044	0	00	90		136	0	00	72
	1045	0	00	30		166	0	05	89
	1048	0	19	56		168	0	03	12
	1050	0	23	20		169	0	04	04
	1054	0	01	16		171	0	60	24
Let ka Bas	388	0	22	86		172	0	62	04
	398	0	07	41		173	0	09	12
	399	0	07	22		256	0	10	04
	400	0	07	92		257	0	03	06
	431	0	02	28		258	0	04	04
	432	0	02	20		259	0	04	68
	434	0	04	20		280	0	00	90
	436	0	07	56		286	0	04	04
	440	0	08	10		287	0	63	96
	441	0	08	48		288	0	68	06
	443	0	11	21		350	0	02	32
	445	0	00	68		370	0	00	34
	447	0	00	12		371	0	06	10
	448	0	06	75		372	0	06	14
	531	0	01	14		373	0	01	07
	534	0	11	34		378	0	01	92
	535	0	11	70		379	0	04	91
	536	0	09	00		380	0	02	13
	540	0	12	96		403	0	02	28
	541	0	03	84		447	0	00	01
	547	0	02	25		448	0	14	11
	569	0	01	98		470	0	08	16
	655	0	28	12		471	0	08	18
	665	0	14	94		472	0	08	10
	666	0	14	58		473	0	05	07
	668	0	06	42		474	0	04	06
	669	0	05	58		475	0	01	07
	671	0	09	36		168/2096	0	02	38
	547/1444	0	00	40	Shalipura	5074	0	12	00
	655/1446	0	06	40		5078	0	00	94
Lakhnec	102	0	05	88		5080	0	02	94
	103	0	02	90		5083	0	00	96
	107	0	07	82		5089	0	04	98
	108	0	05	04		5153	0	01	10
	109	0	02	88		5157	0	13	91
	123	0	03	04		5084/5676	0	11	94
	171	0	02	03		5084/5677	0	07	04
	178	0	08	00	Jaoje Khurd urf Vishambora	1008	0	11	04
	181	0	01	02		1009	0	08	76
	188	0	05	15		1024	0	08	76
	189	0	08	00		1025	0	01	98
	190	0	08	12					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jaoja Khurd Urf Vishanpura —(Contd.)	1026	0	01	93		492	0	08	28
	1027	0	02	28		494	0	16	02
	1028	0	02	04		496	0	01	80
	1029	0	01	12		499	0	00	72
	1030	0	01	20		500	0	C7	38
	1031	0	03	81		501	0	10	62
	1032	0	03	97		502	0	01	54
	1033	0	00	90		503	0	04	22
	1035	0	00	94		504	0	05	04
	1036	0	00	70		505	0	03	24
	1037	0	08	16		506	0	06	54
	1038	0	13	30		514	0	06	48
	1152	0	00	90		505/2898	0	04	86
	1154	0	03	08					
	1155	0	01	97					
	1156	0	10	08					
	1159	0	13	30					
	1172	0	10	84					
	1178	0	02	88					
	1179	0	05	76					
	1180	0	06	84					
	1195	0	04	14					
	1198	0	04	14					
	1217	0	30	24					
	1219	6	07	80					
	1220	0	09	90					
	1229	0	03	96					
	1230	0	03	96					
	1231	0	03	96					
	1232	0	04	50					
	1233	0	04	86					
	1397	0	06	92					
	1483	0	01	90					
	1486	0	03	99					
	1487	0	12	15					
	1490	0	05	96					
	1491	0	00	66					
	1492	0	01	88					
	1493	0	01	92					
	1494	0	06	38					
	1495	0	01	64					
	1502	0	07	86					
	1503	0	07	40					
	1504	0	04	14					
Devan	75	0	22	68					
	109	0	02	88					
	111	0	60	54					
	112	0	11	16					
	114	0	01	62					
	121	0	07	20					
	122	0	10	22					
	123	0	04	36					
	153	0	19	44					
	154	0	00	9.					
	222	0	02	34					
	223	0	66	84					
	225	0	00	36					
	231	0	13	68					
	232	0	04	32					
	236	0	19	44					
	237	0	08	64					
	238	0	08	64					
	242	0	02	52					
	243	0	02	34					
	490	0	00	36					
	491	0	06	84					

[No. R-35015/3/92- O.R.I]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 435—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रंथन) अधिनियम, 1962 (1962 का 509) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिमूचना संस्था का.आ. 701 तारीख 29-2-1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन बिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिमूचना से संबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के ग्रंथन के अपने आप की घोषणा की थी।

और राजपत्रित अधिमूचन की प्रतियां जनता को तारीख 26-3-92 को उपलब्ध करा दी गयी थीं;

और उक्त अधिनियम की धारा की उपधारा (1) के अनुमति में संक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट देदी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह सामाधान हो गया है कि इस अधिमूचन में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करनी है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिमूचन से संबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करनी है;

और यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा [4] द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग बरते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बावजूद सभी विलंगमों से मुक्त दिल्ली आयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची					1	2	3	4	5
तदृसील ; आमेर	जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान	आमेर		4904	0	07	40	
गांव का नाम	आमेर नम्बर	क्षेत्रफल			4906	0	05	90	
		हेक्टर	ऐयर	वर्ग मोटर	4908	0	02	30	
( 1 )	( 2 )	( 3 )	( 4 )	( 5 )	4909	0	11	80	
आमेर	4111	0	13	75	4910	0	00	30	
	4113	0	03	00	4911	0	06	15	
	4114	0	03	70	4914	0	03	10	
	4175	0	62	30	4915	0	03	00	
	4181	0	08	85	4962	0	43	20	
	4189	0	12	40	4963	0	02	16	
	4191	0	00	25	5057	0	00	20	
	4192	0	10	55	5058	0	22	32	
	4193	0	02	20	5059	0	10	50	
	4195	0	16	70	5060	0	05	25	
	4197	0	28	55	5067	0	01	44	
	4800	0	00	40	5077	0	00	50	
	4765	0	03	30	5078	0	04	10	
	4766	0	09	65	5079	0	01	80	
	4768	0	02	00	5080	0	06	80	
	4769	0	06	35	5081	0	26	28	
	4771	0	04	50	5082	0	07	56	
	4783	0	15	70	5083	0	20	70	
	4784	0	02	45	5188	0	03	60	
	4785	0	07	15	5276	0	01	80	
	4787	0	03	80	5277	0	21	96	
	4811	0	11	40	5278	0	13	25	
	4812	0	13	05	5282	0	10	60	
	4813	0	11	40	5283	0	02	75	
	4818	0	09	20	5284	0	03	35	
	4820	0	04	14	5285	0	04	30	
	4821	0	01	40	5286	0	05.	30	
	4822	0	01	00	5443	0	01	45	
	4823	0	03	30	5549	0	06	55	
	4824	0	06	75	5550	0	05	15	
	4835	0	06	75	5551	0	07	80	
	4836	0	03	60	5552	0	01	50	
	4837	0	02	45	5559	0	06	90	
	4838	0	03	15	5560	0	07	10	
	4839	0	07	00	5577	0	19	60	
	4840	0	01	50	5578	0	04	05	
	4856	0	15	50	5579	0	09	70	
	4857	0	08	30	5580	0	08	85	
					5581	0	07	70	
					5584	0	03	05	
					5585	0	07	75	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	1	2	3	4	5
नंगल सुसाधाम	473	0	01	10	कुक्स	885	0	01	60
	474	0	11	15		886	0	07	20
	491	0	07	90		887	0	08	25
	493	0	12	60		888	0	17	45
	495	0	02	78		889	0	14	60
	494/4	0	08	65		890	0	11	50
	494/5/1	0	18	00		944	0	00	30
	494/5/2	0	01	45		945	0	15	65
	615	0	09	00		946	0	32	75
	615/1	0	00	30		999	0	00	50
	615/2	0	11	35		1000	0	15	35
	615/3	0	24	85		1001	0	08	90
	616	0	20	70		1002	0	02	90
	615/646	0	14	40		1004	0	16	90
कुक्स	370	0	01	45		880/1471	0	00	40
	371	0	04	25		1004/1481	0	01	10
	372	0	03	40		388/1493	0	00	95
	376	0	05	40	खोरा मीना	1	0	26	35
	377	0	01	80		6	0	16	85
	378	0	06	70		7	0	24	85
	380	0	06	90		14	0	10	00
	381	0	00	30		15	0	04	25
	382	0	09	95		16	0	05	85
	387	0	04	05		24	0	02	45
	389	0	00	25		26	0	06	00
	392	0	00	40		27	0	01	40
	472	0	02	05		29	0	01	75
	473	0	05	30		30	0	02	55
	477	0	04	30		31	0	10	20
	478	0	05	05		37	0	01	00
	603	0	09	15		291	0	05	50
	604	0	05	60		294	0	05	70
	648	0	03	10		299	0	03	65
	652	0	14	45		308	0	09	00
	653	0	00	15		328	0	06	60
	654	0	01	40		329	0	04	65
	655	0	05	90		330	0	01	20
	656	0	10	30		339	0	05	70
	755	0	11	50		340	0	13	55
	756	0	10	80		352	0	02	05
	757	0	02	35		353	0	01	20
	758	0	00	30		355	0	03	15
	759	0	05	45		356	0	04	85
	869	0	17	10		357	0	10	20
	870	0	04	70		399	0	01	50
	871	0	04	80		426	0	07	15

१	२	३	४	५	१	२	३	४	५
	427	0	10	10		1290	0	03	40
	429	0	07	17		1423	0	04	35
	430	0	00	40		1424	0	08	00
	469	0	01	45		1617	0	00	40
	934	0	01	35		1618	0	05	10
	935	0	03	95		1619	0	00	08
	937	0	06	60		1620	0	07	55
	938	0	04	25		1621	0	00	40
	940	0	04	25		1629	0	11	20
	941	0	08	30		1638	0	09	30
	942	0	03	65		1639	0	02	30
	943	0	06	60		1640	0	00	60
	944	0	04	30		1620/1791	0	02	75
	948	0	06	40					
	952	0	05	80	लवाना	359	0	23	75
	1005	0	04	05		361	0	09	05
	1007	0	04	15		363	0	25	55
	1106	0	01	25		365	0	02	50
	1125	0	03	55		367/2	0	00	40
	1126	0	02	45		479	0	05	70
	1127	0	01	00		481	0	13	50
	1128	0	07	70		485	0	00	45
	1129	0	00	55		486	0	12	10
	1130	0	00	60		490	0	01	60
	1162	0	13	05		492	0	06	40
	1171	0	10	90		528	0	01	90
	1199	0	00	50		529	0	00	08
	1204	0	00	70		531	0	09	30
	1205	0	03	95		532	0	07	70
	1206	0	04	70		542	0	07	10
	1207	0	04	10		544	0	09	35
	1210	0	01	45		545	0	01	30
	1219	0	08	95		546	0	08	45
	1222	0	05	60		558	0	11	25
	1223	0	03	30		560	0	09	80
	1224	0	00	80		561	0	02	60
	1272	0	04	40		562/1	0	17	54
	1273	0	03	05		562/3	0	07	56
	1274	0	00	60		571	0	20	88
	1275	0	00	20		573	0	12	96
	1276	0	07	60		578	0	29	70
	1280	0	01	15		579	0	03	90
	1281	0	00	50		588	0	02	35
	1282	0	01	00		590	0	01	45
	1283	0	06	20		591	0	22	50
	1286	0	08	90		596	0	06	80
	1288	0	08	60		599	0	04	80
	1289	0	02	20					

	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	600	0	01	80		918	0	02	25
	602/1	0	04	20		919	0	03	80
	602/2	0	00	05		939	0	03	80
	603	0	05	70		941	0	10	40
	604/1	0	09	00		942	0	02	70
	605	0	05	70		943	0	05	25
	608	0	10	30		944	0	04	05
	609	0	01	25		947	0	07	00
	019	0	12	80		949	0	01	25
	620	0	07	20		950	0	24	60
	624	0	09	80		951	0	09	20
	626	0	07	56		1027	0	00	60
	794	0	00	54		1028	0	14	58
	795	0	31	14		1030	0	33	16
	799	0	06	48		1034	0	08	60
	800	0	05	58		1056	0	37	75
	801	0	01	98		1058	0	02	45
	802	0	34	74		1063	0	01	10
	804	0	01	62		1175	0	03	85
	806	0	12	96		1176	0	01	25
						1180	0	00	45
झीगपुर	3	0	49	50		1181	0	01	80
	6	0	01	60		1182	0	21	00
	25	0	34	45		1198	0	09	45
	26	0	05	75		1199	0	01	90
						1200	0	16	90
अनी	41	0	01	45		1201	0	01	15
	64	0	27	00		1204	0	07	25
	73	0	13	30		1206	0	06	90
	74	0	08	45		1214	0	01	10
	76	0	11	90		1238	0	01	45
	82	0	02	50		1242	0	05	20
	83	0	05	95		1243	0	11	40
	85	0	09	90		1244	0	12	30
	91	0	01	10		1257	0	05	25
	93	0	23	60		1258	0	06	65
	159	0	38	50		1259	0	12	85
	160	0	05	95		1264	0	01	10
	163	0	00	90		1268	0	01	10
	166	0	06	30		1276	0	01	30
	167	0	00	35		1281	0	14	95
						1283	0	00	90
अच्छरोल	802	0	76	44		1284	0	22	50
	851	0	11	10		1292	0	02	40
	867	0	40	15		1293	0	06	60
	875	0	36	65		1294	0	07	90

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
					2/11	0	20	16	
	1295	0	14	95	2/12	0	00	05	
	1302	0	10	20	2/13	0	36	42	
					2/15	0	32	84	
स्वारी	26	0	07	80	2/16	0	18	00	
	29	0	05	15	जुगलपुरा	3	0	57	15
	31	0	20	05		4	0	04	32
	32	0	02	20		7	0	28	90
	33	0	05	95		8	0	00	40
	36	0	23	95		50	0	24	30
	56/1	0	20	50		52	0	04	68
	63	0	00	50		55	0	09	18
	68	0	09	36		57	0	04	86
	69	0	10	08		58	0	10	94
	74	0	10	80		60	0	01	88
	76	0	33	12		61	0	02	60
	136	0	01	45		68	0	05	76
	139	0	05	76		69	0	00	32
	141	0	04	32		70	0	04	72
	156	0	26	30		72	0	06	30
	163	0	03	00		73	0	08	46
	164	0	11	50		96	0	10	18
	165	0	29	50		97	0	05	04
	166	0	05	05		103	0	13	50
	169	0	01	15		104	0	00	16
	173	0	30	95		106	0	14	12
						108	0	17	76
कालवाड़ कली						141	0	35	52
एवं खुदं	177	0	01	10		144	0	00	24
	178	0	62	64		147	0	09	08
	211	0	30	50		148	0	08	64
	213	0	01	80		152	0	24	64
	178/290	0	00	09		154	0	16	50
	178/292	0	03	96		155	0	14	38
	178/293	0	07	92		158	0	09	02
	178/294	0	09	54		160	0	13	90
	178/295	0	08	64		165	0	20	50
	178/296	0	09	18		150/206	0	17	00
	178/297	0	08	28		150/207	0	30	76
	188/298	0	05	04					
	178/299	0	10	08	जयर्सिंह नगर	2	0	04	90
	178/300	0	02	88		3	0	22	25
	178/301	0	05	58		16	0	08	85
	178/302	0	04	86		17	0	08	85
	178/303	0	00	09		39	0	01	10
						41	0	30	95
चक जयर्सिंह नगर	2	0	26	68		43	0	11	90
	2/10	0	01	98		44	0	07	75

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	45	0	26	65	लखरे	85	0	12	45
	50	0	15	80		86	0	01	10
	55	0	34	95		87	0	11	50
	56	0	26	50		96	0.	30	60
	57	0	07	30		97	0	02	15
चम्पाजी	14	0	10	79		100	0	51	85
	16	0	18	50		104	0	59	25
	17	0	00	48		111	0	28	35
	20	0	08	00		112	0	03	60
						114	0	04	50
चिताण कानो एवं खुर्द	557	0	23	76		115	0	22	75
						117	0	00	25
						118	0	02	40
बीलपुर उक्त सून्दर पुरा	433	0	30	60		119	0	14	15
	415	0	30	80		122	0	08	00
	416	0	01	25		124	0	04	70
						236	0	08	80
						238	0	26	65
सालरवास	1	0	08	40		240	0	37	25
	41	0	01	26		242	0	08	80
	42	0	33	12		245	0	09	70
	43	0	01	62		242/306	0	27	100
	51	0	26	45		300	0	08	65
	52	0	14	20					[संस्था-आर-31015/3/92-ओ.आर I]
	53	0	38	05					कुलदीप सिंह, अवर सचिव,
	54	0	02	80					New Delhi, the 16th February, 1993
	55	0	07	56					
	64	0	02	10	S.O. 435.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 701, dated the 29th February, 1992 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for the transport of petroleum;				
	73	0	16	22					
	74	0	16	24					
	77	0	07	68					
	79	0	06	10					
	80	0	09	45					
	81	0	18	00					
	84	0	19	10					
	86	0	03	15					
	89	0	23	30					
	90	0	10	62					
	94	0	16	45					
	95	0	05	15					
	96	0	06	48					
	97	0	18	36					
	99	0	24	28					
	107	0	10	80					
	109	0	12	60					
	111	0	00	54					

S.O. 435.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 701, dated the 29th February, 1992 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for the transport of petroleum;

And whereas copies of the Gazette notification had been made available to public on 26th March, 1992;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited,

Schedule		1	2	3	4	5
Taluk : Amber	District : Jaipur	Area				
Name of Village	Khasra No.	Hec-tare	Arc	Cen-tiare		
		1	2	3	4	5
Amber	4111	0	13	75	5081	0 26 28
	4113	0	03	00	5082	0 07 56
	4114	0	03	70	5083	0 20 70
	4175	0	62	30	5188	0 03 60
	4181	0	08	85	5276	0 01 80
	4189	0	12	40	5277	0 21 96
	4191	0	00	25	5278	0 13 25
	4192	0	10	55	5282	0 10 60
	4193	0	02	20	5283	0 02 75
	4195	0	16	70	5284	0 04 35
	4197	0	28	55	5285	0 04 30
	4600	0	04	40	5286	0 05 30
	4765	0	03	30	5443	0 01 45
	4766	0	09	65	5549	0 06 55
	4768	0	02	00	5550	0 05 15
	4769	0	06	35	5551	0 07 80
	4771	0	04	50	5552	0 01 50
	4783	0	15	70	5559	0 06 90
	4784	0	02	45	5560	0 07 10
	4785	0	07	15	5571	0 19 60
	4787	0	03	80	5578	0 04 05
	4811	0	11	40	5579	0 09 70
	4812	0	13	05	5580	0 08 85
	4813	0	11	40	5581	0 07 70
	4818	0	09	20	5584	0 03 05
	4820	0	04	15	5585	0 07 75
	4821	0	01	40	Nangal Susawatan	473 0 10 10
	4822	0	01	00	474	0 11 15
	4823	0	03	30	491	0 07 90
	4824	0	06	75	493	0 12 60
	4835	0	06	75	495	0 02 70
	4836	0	03	60	494/4	0 08 65
	4837	0	02	45	494/5/1	0 18 00
	4838	0	03	15	494/5/2	0 01 45
	4839	0	07	00	615	0 09 00
	4840	0	01	50	615/1	0 00 30
	4856	0	15	50	615/2	0 11 35
	4857	0	08	30	615/3	0 24 85
	4904	0	07	40	616	0 20 70
	4906	0	05	90	615/646	0 14 40
	4908	0	02	30	Kukas	370 0 01 45
	4909	0	11	80	371	0 04 25
	4910	0	00	30	372	0 03 40
	4911	0	06	15	376	0 05 40
	4914	0	03	10	377	0 01 80
	4915	0	03	00	378	0 06 70
	4962	0	43	20	380	0 06 90
	4963	0	02	16	381	0 00 30
	5057	0	00	20	382	0 09 95
	5058	0	22	32	387	0 04 05
	5059	0	10	50	389	0 00 25
	5060	0	05	25	392	0 00 40
	5067	0	01	44	472	0 02 05
	5077	0	00	50	473	0 05 30
	5078	0	04	10	477	0 04 30
	5079	0	01	80	478	0 05 05
	5080	0	06	80	603	0 09 15
					604	0 05 60
					648	0 03 10
					652	0 14 45
					653	0 00 15
					654	0 01 40
					655	0 05 90
					656	0 10 30
					755	0 11 50
					756	0 10 80

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	7.7	0	02	35		952	0	05	80
	758	0	00	30		1005	0	04	05
	7.9	0	05	45		1007	0	04	15
	869	0	17	10		1106	0	01	25
	870	0	04	70		1125	0	03	55
	871	0	04	80		1126	0	02	45
	885	0	01	60		1127	0	01	00
	886	0	07	20		1128	0	07	70
	887	0	08	25		1129	0	00	55
	888	0	17	45		1130	0	00	60
	889	0	14	60		1162	0	13	05
	890	0	11	50		1171	0	10	90
	944	0	00	30		1199	0	00	50
	945	0	15	65		1204	0	00	70
	946	0	32	75		1205	0	03	95
	999	0	00	50		1206	0	04	70
	1000	0	15	35		1207	0	07	10
	1001	0	08	90		1210	0	01	45
	1002	0	02	90		1219	0	08	95
	1004	0	16	90		1222	0	05	60
	880/1471	0	00	40		1223	0	03	30
	1004/1481	0	01	10		1224	0	00	80
	388/1493	0	00	95		1272	0	04	40
						1273	0	03	05
Khora Meena	1	0	26	35		1274	0	00	60
	6	0	16	85		1275	0	00	20
	7	0	24	85		1276	0	07	60
	14	0	10	00		1280	0	01	15
	15	0	04	25		1281	0	00	50
	16	0	05	85		1282	0	01	00
	24	0	02	45		1283	0	06	20
	26	0	06	00		1286	0	08	90
	27	0	01	40		1288	0	08	60
	29	0	01	75		1289	0	02	20
	30	0	02	55		1290	0	03	40
	31	0	10	20		4123	0	04	35
	37	0	01	00		1424	0	08	00
	291	0	05	50		1617	0	00	40
	294	0	05	70		1618	0	05	10
	299	0	03	65		1619	0	00	08
	308	0	09	00		1620	0	07	55
	328	0	06	60		1621	0	00	40
	329	0	04	65		1629	0	11	20
	330	0	01	20		1638	0	09	30
	339	0	05	70		1639	0	02	30
	340	0	13	55		1640	0	00	60
	352	0	02	05		1620/1791	0	02	75
	353	0	01	20	Labana	359	0	23	75
	355	0	03	15		361	0	09	05
	356	0	04	85		363	0	25	55
	357	0	10	20		365	0	02	50
	399	0	01	50		367/2	0	00	40
	426	0	07	15		479	0	05	70
	427	0	10	10		481	0	13	50
	429	0	07	15		485	0	00	45
	430	0	00	40		486	0	12	10
	469	0	01	45		490	0	01	60
	934	0	01	35		492	0	06	40
	935	0	03	95		528	0	01	90
	937	0	06	60		529	0	00	08
	938	0	04	25		531	0	09	30
	940	0	04	25		532	0	07	70
	941	0	08	30		542	0	07	10
	942	0	03	65		544	0	09	35
	943	0	06	60		545	0	01	30
	944	0	04	30		546	0	08	45
	948	0	06	40		558	0	11	25

१	२	३	४	५		२	३	४	५
	५६०	०	०९	८०		९४९	०	०१	२५
	५६१	०	०२	६०		९५०	०	२४	६०
	५६२/१	०	१७	५४		९५१	०	०९	२०
	५६२/३	०	०७	५६		१०२७	०	००	६०
	५७१	०	२०	८८		१०२८	०	१४	५८
	५७३	०	१२	९६		१०३०	०	३३	१६
	५७८	०	२९	७०		१०३४	०	०८	६०
	५७९	०	०३	९०		१०३६	०	३७	७५
	५८८	०	०२	३५		१०५८	०	०२	४५
	५९०	०	०१	४५		१०६३	०	०१	१०
	५९१	०	२२	५०		११७५	०	०३	८५
	५९६	०	०६	८०		११७६	०	०१	२५
	५९९	०	०४	८०		११८०	०	००	४५
	६००	०	०१	८०		११८१	०	०१	८०
	६०२/१	०	०४	२०		११८२	०	२१	००
	६०२/२	०	००	०५		११९८	०	०९	४५
	६०३	०	०५	७०		११९९	०	०१	९०
	६०४/१	०	०९	००		१२००	०	०१	१५
	६०५	०	०५	७०		१२०१	०	०७	२५
	६०८	०	१०	३०		१२०४	०	०६	९०
	६०९	०	०१	२५		१२०६	०	०१	१०
	६१९	०	१२	८०		१२१४	०	०१	४५
	६२०	०	०७	२०		१२३८	०	०५	२०
	६२४	०	०९	८०		१२४२	०	११	४०
	६२६	०	०७	५६		१२४३	०	१२	३०
	७९४	०	००	५४		१२४४	०	०५	२५
	७९५	०	३१	१४		१२५७	०	०६	६५
	७९९	०	०६	४८		१२५८	०	१२	८५
	८००	०	०५	५८		१२५९	०	०१	१०
	८०१	०	०१	९८		१२६४	०	०१	१०
	८०२	०	३४	७४		१२६८	०	०१	३०
	८०४	०	०१	६२		१२७६	०	१४	९५
	८०६	०	१२	९६		१२८१	०	००	९०
Dhingpur	३	०	४९	५०		१२८३	०	२२	५०
	६	०	०१	६०		१२८४	०	०२	४०
	२३	०	३४	४५		१२९२	०	०६	६०
	२६	०	०५	७५		१२९३	०	०७	९०
	१४	०	०१	४५		१२९४	०	१४	९५
Anil	६४	०	२७	००		१२९५	०	१०	२०
	७३	०	१३	३०	Syari	१३०२	०	०७	८०
	७४	०	०८	४५		२६	०	०५	१५
	७६	०	११	९०		२९	०	२०	०५
	८२	०	०२	५०		३१	०	०२	२०
	८३	०	०५	९५		३२	०	०५	९५
	८५	०	०९	९०		३३	०	२३	९५
	९१	०	०१	१०		३६	०	२०	५०
	९३	०	२३	६०		५६/१	०	००	५०
	१५९	०	३८	५०		६३	०	०९	३६
	१६०	०	०५	९५		६८	०	१०	०८
	१६३	०	००	९०		६९/१	०	१०	८०
	१६६	०	०६	३०		७४	०	३३	१२
	१६७	०	००	३५		७६	०	०१	४५
Achrol	८०२	०	७६	४४		१३६	०	०३	७६
	८५१	०	११	१०		१३९	०	०४	३२
	८६७	०	४०	१५		१४१	०	२६	३०
	८७५	०	३६	६५		१५६	०	०३	००
	९१८	०	०२	२५		१६३	०	११	५०
	९१९	०	०३	८०		१६४	०	२९	५०
	९३९	०	०३	८०		१६५	०	०५	०५
	९४१	०	१०	४०		१६६	०	०१	१५
	९४२	०	०२	७०		१६९	०	३०	९५
	९४३	०	०५	२५	Kalwar Kalan &	१७७	०	०१	१०
	९४४	०	०४	०५	Khurd	१७८	०	६२	६४
	९४७	०	०७	००		२११	०	३०	५०

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	213	0	01	80		45	0	26	65
	178/290	0	00	09		50	0	15	80
	178/292	0	3	96		55	0	34	95
	178/293	0	07	92		56	0	26	50
	178/294	0	09	54		57	0	07	30
	178/295	0	08	64	Chandwaji	14	0	10	76
	178/296	0	09	18		16	0	18	50
	178/297	0	08	28		17	0	00	48
	178/298	0	05	04		20	0	08	00
	178/299	0	10	08					
	178/300	0	02	88	Chitanu Kalan & Khurd				
	178/301	0	05	58		557	0	23	76
	178/302	0	04	86					
	178/303	0	00	09	Beelpur Urf Sunderpura	413	0	30	60
Chak Jaisingh Nagar	2	0	26	68		415	0	30	80
	2/10	0	01	98		416	0	01	25
	2/11	0	20	16					
	2/12	0	00	05		1	0	08	40
	2/13	0	36	42		41	0	01	26
	2/15	0	32	84		42	0	33	12
	2/16	0	18	00		43	0	01	62
Jugalpura	3	0	57	15		51	0	26	45
	4	0	04	32		52	0	14	20
	7	0	28	50		53	0	38	05
	8	0	00	40		54	0	02	80
	50	0	24	20		55	0	09	56
	52	0	04	68		64	0	02	10
	55	0	09	18		73	0	16	22
	57	0	04	86		74	0	16	24
	58	0	10	94		77	0	07	68
	60	0	01	88		79	0	06	10
	61	0	02	60		80	0	01	45
	68	0	05	76		81	0	18	00
	69	0	00	32		84	0	19	10
	70	0	04	72		86	0	03	15
	72	0	05	30		89	0	23	30
	73	0	08	46		90	0	10	62
	96	0	10	18		94	0	16	45
	97	0	05	04		95	0	05	15
	103	0	13	50		96	0	06	48
	104	0	00	16		97	0	18	36
	106	0	14	12		99	0	24	28
	108	0	17	76		107	0	10	80
	141	0	35	52		109	0	12	60
	144	0	00	24		111	0	00	54
	147	0	09	08	Lakher	85	0	12	45
	148	0	08	64		86	0	01	10
	152	0	24	64		87	0	11	50
	154	0	16	50		96	0	30	60
	155	0	14	38		97	0	02	15
	158	0	09	02		100	0	51	85
	160	0	13	90		104	0	59	25
	165	0	20	50		111	0	28	35
	150/206	0	17	00		112	0	03	60
	150/207	0	30	76		114	0	04	50
						115	0	22	75
						117	0	00	25
						118	0	02	40
Jai Singh Nagar	2	0	04	90		119	0	14	15
	3	0	22	25		122	0	08	00
	16	0	08	85		124	0	04	70
	17	0	08	85		236	0	03	80
	39	0	01	10		238	0	26	65
	41	0	30	95		240	0	37	25
	43	0	11	90					
	44	0	07	75					

1	2	3	4	5
242	0	08	80	
245	0	09	70	
242/306	0	27	00	
300	0	08	65	

[No. R-31015-3/92-O.R.-I]  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 436.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और अनिंज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 702 तारीख 29-2-1992 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाइन बिल्डर्स के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आप की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 26 मर्च 1992 को उपलब्ध करा दी गयी थीं;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सभी प्राकृतिक गैस के केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समझान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करते हैं।

और यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देता है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए होने सभी बिलगमों से मुक्त हैं इडियन अयल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

#### अनुसूची

तहसील : बहुखेड़ा जिला : अजमेर राज्य : राजस्थान

गांव का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल	हे.	ए.	वर्ग मी.	1	2	3	4	5
गंती	2061	0	00	18		2064	0	10	80	
	2063	0	08	46		2065	0	14	30	

1	2	3	4	5
2064	0	10	80	
2065	0	14	30	
2066	0	00	10	
2079	0	00	08	
2081	0	12	88	
2082	0	04	32	
2084	0	03	90	
2085	0	03	66	
2103	0	12	96	
2104	0	19	88	
2105	0	02	80	
2106	0	19	26	
2107	0	00	18	
2132	0	02	70	
2135	0	14	58	
2136	0	18	72	
2139	0	07	86	
2140	0	20	94	
जैनपुरवास	96	0	08	70
	97	0	02	60
	08	0	12	78
	99	0	00	32
	105	0	01	08
	106	0	14	22
	107	0	00	08
	108	0	12	06
	115	0	01	44
	695	0	00	08
	696	0	02	52
	697	0	06	30
	698	0	10	22
	699	0	00	18
	700	0	14	04
	701	0	00	18
	704	0	12	60
	705	0	17	38
	706	0	00	08
	708	0	00	18
	724	0	01	08
	725	0	09	00
	815	0	04	32
	816	0	04	32
	817	0	07	48
	823	0	32	32
	827	0	01	76
	828	0	07	20
	829	0	00	72

1	2	3	4	5	1	2	3	4	6
जैनपुरवास (जारी)	830	0	09	00	गोकलपुर	161	0	12	60
	831	0	02	52		178	0	00	20
	833	0	00	16		182	0	07	20
	844	0	01	08		183	0	07	20
	881	0	07	92		185	0	00	10
	883	0	05	76		192	0	04	32
	814/2320	0	05	76		193	0	05	04
	823/2462	0	01	08		194	0	00	60
स्थानपुर	132	0	01	98		196	0	04	68
	133	0	07	92		197	0	06	84
	134	0	14	14		594	0	02	00
	135	0	02	42		621	0	03	96
	142	0	00	60		622	0	07	82
	143	0	01	08		623	0	02	52
	152	0	00	72		624	0	15	02
	154	0	00	08		625	0	00	64
	155	0	05	14		626	0	14	44
	156	0	07	66		627	0	15	12
	159	0	13	36		641	0	06	12
	160	0	01	44		644	0	10	98
	161	0	15	66		645	0	08	16
	164	0	03	26		646	0	09	00
	241	0	00	32		647	0	03	96
	242	0	12	03		653	0	05	40
	243	0	02	88		654	0	00	24
	244	0	10	80		655	0	01	44
	252	0	08	64		657	0	09	00
	253	0	01	10		661	0	02	10
	254	0	15	90		662	0	05	40
	262	0	02	14		663	0	0	15
	263	0	05	40		658/739	0	05	76
	264	0	03	94		183/757	0	03	24
	283	0	07	76		644/761	0	00	64
	284	0	05	50	कल्पणपुरा	492	0	07	92
	285	0	02	20		494	0	07	92
	392	0	05	90		500	0	17	64
	393	0	12	02		501	0	07	92
	394	0	08	10		503	0	02	20
	400	0	09	48		504	0	05	04
	401	0	07	20		505	0	01	12
	403	0	14	28		506	0	05	98
	408	0	01	20		508	0	08	10
	131/453	0	00	32		509	0	04	16
	132/454	0	05	54		523	0	00	96
	133/455	0	00	08		524	0	05	04
						525	0	15	84

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	533	0	07	20		105	0	00	16
	536	0	05	04		107	0	23	04
	537	0	09	72		125	0	01	08
	539	0	12	06		148	0	11	88
	541	0	03	12		149	0	18	18
	545	0	00	60		150	0	04	86
	546	0	01	02		151	0	15	12
	570	0	01	12		208	0	06	48
	571	0	10	08		209	0	06	12
	584	0	03	16		210	0	06	12
	586	0	07	92		211	0	14	04
	587	0	12	06		212	0	12	60
	588	0	07	92		313	0	03	24
	589	0	00	20					
	591	0	02	04	महाराष्ट्र	42	0	42	12
	599	0	06	84		43	0	03	96
	600	0	09	00		44	0	10	98
	602	0	01	08		46	0	39	96
	603	0	10	80		47	0	42	84
	604	0	00	32		48	0	07	92
	616	0	01	08		52	0	05	04
	617	0	01	08		61	0	03	06
	618	0	12	07		62	0	33	12
	627	0	00	60		71	0	06	12
जागृतास	61	0	07	20		74	0	46	98
	63	0	01	26		76	0	04	14
	64	0	06	12		77	0	36	00
	65	0	06	12		78	0	12	96
	66	0	05	76		115	0	34	02
	67	0	11	16		222	0	03	12
	68	0	03	08		223	0	04	00
	69	0	06	72		224	0	09	18
	70	0	00	60		228	0	01	16
	74	0	07	20		230	0	07	02
	77	0	01	08		231	0	04	08
	78	0	21	60		232	0	10	08
	81	0	01	26		236	0	05	04
	82	0	02	20		237	0	05	04
	83	0	06	12		238	0	12	90
	84	0	05	04		245	0	04	20
	88	0	12	60		277	0	02	80
	89	0	07	20		278	0	00	84
	90	0	04	14		279	0	04	00
	93	0	11	16		280	0	00	06
	98	0	11	16		283	0	09	00
	99	0	02	88					
	104	0	06	84					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
नंगला रंव (जारो)	286	0	00	56	कोलिला राबड़	86	0	07	92
	287	0	10	08		87	0	10	08
	288	0	05	76		88	0	03	96
	315	0	45	18		89	0	06	18
	317	0	10	80		95	0	08	08
	319	0	71	10		96	0	05	94
	320	0	12	96		97	0	03	04
	322	0	37	98		115	0	10	80
	323	0	07	92		116	0	06	84
हमजापुर	1310	0	02	04		124	0	03	02
	1311	0	07	80		128	0	07	12
	1312	0	00	84		129	0	00	72
	1313	0	00	30		137	0	18	22
	1314	0	09	00		138	0	12	96
	1323	0	00	76		146	0	11	88
	1324	0	01	50		147	0	08	08
	1326	0	09	54		149	0	06	28
	1329	0	03	64		150	0	02	20
	1330	0	00	58		151	0	07	02
बाटदानी	36	0	10	80		152	0	06	08
	37	0	09	54		153	0	00	40
	50	0	12	24		179	0	03	60
	51	0	14	40	फोलिला जोग	3	0	14	76
	52	0	00	36		4	0	15	12
	62	0	04	14		10	0	10	08
	63	0	08	46		11	0	00	72
	64	0	03	06		12	0	11	88
	133	0	12	24		15	0	02	88
	138	0	14	40		16	0	11	70
	140	0	15	12		18	0	15	30
	154	0	05	94		19	0	12	24
	156	0	00	60		20	0	09	00
	163	0	09	36		21	0	00	90
	164	0	01	50					
	165	0	09	72	माजरा काठ	207	0	33	12
	186	0	12	96		208	0	01	04
	187	0	13	50		211	0	01	02
	188	0	00	16		222	0	01	02
	192	0	12	24		224	0	26	82
	205	0	07	20		236	0	15	12
	206	0	06	48		237	0	03	78
	208	0	12	60		238	0	10	08
	223	0	00	24		239	0	01	02
	225	0	13	68		241	0	08	16
	226	0	00	68		339	0	16	02
	227	0	19	80		340	0	01	04
	234	0	01	92		344	0	12	96

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राजका वाट (जारी)	345	0	01	08		79	0	04	98
	351	0	25	02		80	0	06	00
	352	0	09	00		84	0	07	78
	355	0	11	16		85	0	02	16
	357	0	15	12		91	0	12	96
	359	0	03	96		92	0	09	36
	360	0	13	14		93	0	22	32
	369	0	12	19		64/308	0	01	44
	371	0	08	10					
	372	0	07	02	जनकसिंह पुरा	152	0	07	74
	373	0	09	90		153	0	08	82
	378	0	16	02		165	0	18	00
	380	0	08	10		166	0	01	62
	383	0	08	10		171	0	21	24
	384	0	07	92		175	0	01	08
	391	0	01	98		178	0	18	90
	392	0	15	12		181	0	21	06
	393	0	04	00		183	0	15	16
	407	0	09	00		184	0	00	82
	410	0	01	74		188	0	07	92
	411	0	11	70		198	0	11	88
	412	0	10	04		199	0	16	92
	413	0	09	00		226	0	01	62
	421	0	04	86		227	0	07	38
	383/772	0	03	96		228	0	03	24
	351/785	0	01	80		229	0	08	10
काली पहाड़ी	22	0	08	28		230	0	00	52
	23	0	04	50		235	0	14	98
	24	0	04	86		236	0	04	32
	29	0	04	32		237	0	07	20
	30	0	03	24		238	0	06	84
	31	0	06	48		240	0	01	74
	32	0	05	40		256	0	01	12
	33	0	05	22		258	0	25	20
	34	0	10	80		260	0	28	98
	49	0	03	96		261	0	14	08
	51	0	36	24		282	0	03	06
	52	0	10	44		283	0	03	42
	56	0	10	98		297	0	36	18
	57	0	01	20		298	0	03	84
	58	0	23	94		299	0	01	68
	63	0	06	12		307	0	03	78
	64	0	06	48		308	0	04	32
	69	0	10	08		188/339	0	07	20
	70	0	02	70		234/341	0	00	72
	76	0	05	22		283/347	0	04	32
	77	0	05	22					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
शाहजहांपुर	14	0	00	36	सासेडी—कमण्ठः	406	0	02	16
	15	0	02	34		432	0	01	08
	16	0	01	44		494	0	08	12
	17	0	01	26		495	0	09	36
	18	0	04	86		498	0	00	20
	19	0	18	00		501	0	00	72
	25	0	09	00		502	0	06	84
	26	0	09	00		504	0	05	04
	31	0	07	20		505	0	05	76
	32	0	14	62		507	0	05	22
	63	0	07	20		645	0	01	60
	68	0	08	82		646	0	04	16
	69	0	10	98		648	0	01	10
	70	0	14	16		649	0	04	12
	77	0	08	82		654	0	05	04
	78	0	14	40		655	0	00	24
	79	0	02	16		658	0	00	16
	80	0	02	30		659	0	06	12
	81	0	18	00		669	0	01	02
	98	0	00	90		670	0	07	02
	99	0	10	08		680	0	07	92
	100	0	11	88		685	0	08	10
	101	0	16	20		694	0	00	20
	102	0	07	02		695	0	08	10
	103	0	08	28		709	0	07	02
	111	0	01	62		710	0	05	02
	121	0	04	00		711	0	02	00
	122	0	33	12		719	0	00	24
	123	0	30	96		734	0	01	08
	572	0	10	08		736	0	05	04
	573	0	01	98		737	0	08	10
	580	0	09	00		747	0	07	92
सासेडी	216	0	02	14		748	0	06	12
	217	0	09	00		753	0	01	08
	220	0	11	16		841	0	02	02
	221	0	01	08		843	0	00	72
	389	0	10	08		844	0	05	04
	390	0	05	04		846	0	07	92
	391	0	05	04		847	0	07	92
	392	0	06	84		848	0	04	76
	397	0	03	06		849	0	09	18
	398	0	01	08		854	0	01	12
	399	0	01	80		876	0	06	12
	402	0	00	24		877	0	05	36
	403	0	04	14		878	0	00	80
	404	0	03	96		888	0	00	84
	405	0	03	06		889	0	01	76

1	2	3	4	5	1	2	3	4	
सासेफी-क्रमशः	933	0	03	06	जोनायचा खुर्द-क्रमशः	1301	0	10	08
	934	0	00	36		1302	0	12	24
	935	0	09	18		1303	0	03	08
	938	0	05	04		168/1895	0	02	88
	967	0	09	36	सिरयाळी	640	0	00	36
	969	0	00	36		641	0	02	16
	1032	0	02	52		642	0	05	22
	1033	0	06	12		650	0	07	92
	1034	0	10	44		652	0	00	60
	1035	0	06	30		653	0	08	28
	1036	0	00	90		654	0	01	04
	1040	0	01	80		656	0	04	14
	1042	0	07	92		657	0	02	10
	1043	0	00	90		660	0	06	12
	1044	0	08	64		661	0	02	00
	1074	0	06	66		662	0	07	06
	1075	0	00	90					
	1088	0	01	80	गृणल कोटा	2	0	16	08
						8	0	18	00
जोनायचा खुर्द	21	0	10	43		9	0	10	80
	23	0	05	56		15	0	12	78
	25	0	14	23		16	0	09	18
	26	0	02	00		23	0	01	16
	30	0	00	30					
	47	0	01	72	कांकर	352	0	08	28
	111	0	05	28		353	0	15	84
	112	0	00	84		523	0	13	68
	118	0	11	00		530	0	11	52
	119	0	16	74		531	0	10	08
	120	0	02	28		544	0	11	88
	128	0	04	32		549	0	09	36
	154	0	00	94		552	0	01	80
	155	0	06	84		570	0	15	30
	156	0	07	92		571	0	02	16
	161	0	12	24		572	0	14	04
	162	0	05	76		577	0	13	68
	163	0	05	76		578	0	00	90
	165	0	09	36		580	0	02	46
	169	0	15	32		584	0	00	04
	170	0	09	00		585	0	08	96
	173	0	00	16		588	0	07	56
	1239	0	03	00		592	0	08	64
	1240	0	23	76		593	0	08	64
	1242	0	05	04		594	0	13	68
	1296	0	13	32		835	0	06	48
	1297	0	01	98		836	0	07	20
	1298	0	07	20		842	0	01	08

1	2	3	4	5
कांहर-कृष्णा:	858	0	04	28
	859	0	13	00
	861	0	09	36
	862	0	08	64
	863	0	10	08
	872	0	00	72
	874	0	22	76
	885	0	00	26
	876	0	09	16
	877	0	06	84
	880	0	01	44
	881	0	10	08
	926	0	01	00
	928	0	09	00
	930	0	02	88
	931	0	01	80
	1097	0	14	04
	1098	0	06	30
	1099	0	00	96
	1102	0	10	80
	1103	0	08	60
	1104	0	07	92
	1112	0	21	24
	1113	0	08	28
	1115	0	33	04

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

#### SCHEDULE

Tehsil : Bahrur		District : Alwar	State -Rajasthan	
Name of Village	Khasra No.	Area		
		Hectare Are	Centi -are	
1	2	3	4	5
Gunti	2061	0	00	18
	2063	0	08	46
	2064	0	10	80
	2065	0	14	30
	2066	0	00	10
	2079	0	00	08
	2081	0	12	88
	2082	0	04	32
	2084	0	03	90
	2085	0	03	66
	2103	0	12	96
	2104	0	19	88
	2105	0	02	80
	2106	0	19	26
	2107	0	00	18
	2132	0	02	70
	2135	0	14	58
	2136	0	18	72
	2139	0	07	86
	2140	0	20	94
Jainpurwas	96	0	08	70
	97	02	02	60
	98	0	12	78
	99	0	00	32
	105	0	01	08
	106	0	14	22
	107	0	00	08
	108	0	12	06
	115	0	01	44
	695	0	00	08
	696	0	02	52
	697	0	06	30
	698	0	10	22
	699	0	00	18
	700	0	14	04
	701	0	00	18
	704	0	12	60
	705	0	17	38
	706	0	00	08
	708	0	00	18
	724	0	01	08
	725	0	09	00
	815	0	04	32
	816	0	04	32
	817	0	07	48
	823	0	32	32
	827	0	01	76
	828	0	07	20
	829	0	00	72

[संख्या आर०-31015/3/92-ओ.आर. I]

कुलदीप सिंह, अधिकारी सचिव

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 436.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 702, dated the 29th February, 1992, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of petroleum;

And, whereas, copies of the Gazette notification had been made available to public on 26th March, 1992;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jainpurwas (Concl.)	830	0	09	00	Gokalpur (Contd)	641	0	06	12
	831	0	02	52		644	0	10	98
	833	0	00	16		645	0	08	16
	844	0	01	08		646	0	09	00
	881	0	07	92		647	0	03	96
	883	0	05	76		653	0	05	40
	814/2320	0	05	76		654	0	00	24
	823/2462	0	01	08		655	0	01	44
			1			657	0	09	00
Shyampur	132	0	01	98		661	0	02	10
	133	0	07	92		662	0	05	40
	134	0	14	14		663	0	00	15
	135	0	02	42		658/739	0	05	76
	142	0	00	60		183/757	0	03	24
	143	0	01	08		644/761	0	00	64
	152	0	00	72	Kalyanpura	492	;	07	92
	154	0	00	08		494	0	07	92
	155	0	05	14		500	0	17	64
	156	0	07	66		501	0	07	92
	159	0	13	36		503	0	02	20
	160	0	01	44		504	0	05	04
	161	0	15	66		505	0	01	12
	164	0	03	26		506	0	05	98—
	241	0	00	32		508	0	08	10
	242	0	12	02		509	0	04	16
	243	0	02	88		523	0	00	96
	244	0	10	80		524	0	05	04
	252	0	08	64		525	0	15	84
	253	0	01	10		533	0	07	20
	254	0	15	90		536	0	05	04
	262	0	02	14		537	0	09	72
	263	0	05	40		539	12	12	06
	264	0	03	94		541	0	03	12
	283	0	07	76		545	0	00	60
	284	0	05	50		546	0	01	02
	285	0	02	20		570	0	01	12
	392	0	05	90		571	0	10	08
	393	0	12	02		584	0	03	16
	394	0	08	10		586	0	07	92
	400	0	09	48		587	0	12	06
	401	0	07	20		588	0	07	92
	403	0	14	28		589	0	00	20
	408	0	01	20		591	0	02	04
	131/453	0	00	32		599	0	06	84
	132/454	0	05	54		600	0	09	00
	133/455	0	00	08		602	0	01	08
Gokalpur	161	0	12	60		603	0	10	80
	178	0	00	20		604	0	00	32
	182	0	07	20		616	0	01	08
	183	0	07	20		617	0	01	08
	185	0	00	10		518	0	12	07
	192	0	04	32		527	0	00	60
	193	0	05	04	Jaguwas	61	0	07	6
	194	0	00	60		63	0	01	22
	196	0	04	68		64	0	06	12
	197	0	06	84		65	0	06	12
	594	0	02	00		66	0	05	76
	621	0	03	96		67	0	11	16
	622	0	07	82		68	0	03	08
	623	0	02	52		69	0	06	72
	624	0	15	02		70	0	00	60
	625	0	30	64		74	0	07	20
	626	0	14	44		77	0	01	08
	627	0	15	12		78	0	21	60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jaguwas (Contd.)	81	0	01	26	Hanjepur	1310	0	02	04
	82	0	02	20		1311	0	07	80
	83	0	06	12		1312	0	00	84
	84	0	05	04		1313	0	00	30
	88	0	12	60		1314	0	09	00
	89	0	07	20		1323	0	00	76
	90	0	04	14		1324	0	01	50
	93	0	11	16		1326	0	09	54
	98	0	11	16		1329	0	03	64
	99	0	02	88		1330	0	00	58
	104	0	06	84	Batkhanı	36	0	10	80
	105	0	00	16		37	0	09	54
	107	0	23	04		50	0	12	24
	123	0	01	08		51	0	14	40
	148	0	11	88		52	0	00	36
	149	0	18	18		62	0	04	14
	150	0	04	86		63	0	08	46
	151	0	15	12		64	0	03	06
	208	0	06	48		133	0	12	24
	209	0	06	12		138	0	14	40
	210	0	06	12		140	0	15	12
	211	0	14	04		154	0	05	94
	212	0	12	60		156	0	00	60
	313	0	03	24		163	0	09	36
						164	0	01	50
Nagla Rundh	42	0	42	12		165	0	09	72
	43	0	03	96		186	0	12	96
	44	0	10	98		187	0	13	50
	46	0	39	96		188	0	00	16
	47	0	42	84		192	0	12	24
	48	0	07	92		205	0	07	20
	52	0	05	04		206	0	06	48
	61	0	03	06		208	0	12	60
	62	0	33	12		223	0	00	24
	71	0	06	12		225	0	13	68
	74	0	46	98		226	0	00	68
	76	0	04	14		227	0	19	80
	77	0	36	00		234	0	01	92
	78	0	12	96	Kolila Rabad	86	0	07	92
	115	0	34	02		87	0	10	08
	222	0	03	12		88	0	03	96
	223	0	04	00		89	0	06	18
	224	0	09	18		95	0	08	08
	228	0	01	16		96	0	05	94
	230	0	07	02		97	0	03	04
	231	0	04	08		115	0	10	80
	232	0	10	08		116	0	06	84
	236	0	05	04		124	0	03	02
	237	0	05	04		128	0	07	12
	238	0	12	90		129	0	00	72
	245	0	04	20		137	0	18	22
	277	0	02	80		138	0	12	96
	278	0	00	84		146	0	11	88
	279	0	04	00		147	0	08	08
	280	0	00	06		149	0	06	28
	283	0	09	00		150	0	02	20
	286	0	00	56		151	0	07	02
	287	0	10	08		152	0	06	08
	288	0	05	76		153	0	00	40
	315	0	45	18		179	0	03	60
	317	0	10	80	Kolila Joga	3	0	14	76
	319	0	71	10		4	0	15	12
	320	0	12	96		10	0	10	08
	322	0	37	98					
	323	0	97	92					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	
	11	0	00	72		64	0	06	48
	12	0	11	88		69	0	10	08
	15	0	02	88		70	0	02	70
	16	0	11	70		76	0	05	22
	18	0	15	30		77	0	05	22
	19	0	12	24		79	0	04	98
	20	0	09	00		80	0	06	00
	21	0	00	90		84	0	07	78
						85	0	02	16
Majra Kath	207	0	33	12		91	0	12	96
	208	0	01	04		92	0	09	36
	211	0	01	02		93	0	22	32
	222	0	01	02		64/308	0	01	44
	224	0	26	82					
	236	0	15	12	Janaksinghpura	152	0	07	74
	237	0	03	78		153	0	08	82
	238	0	10	08		165	0	18	00
	239	0	01	02		166	0	01	62
	241	0	08	16		171	0	21	24
	339	0	16	02		175	0	01	08
	340	0	01	04		178	0	18	90
	344	0	12	96		181	0	21	06
	345	0	01	08		183	0	15	16
	351	0	25	02		184	0	00	82
	352	0	09	00		188	0	07	92
	355	0	11	16		198	0	11	88
	357	0	15	12		199	0	16	92
	359	0	03	96		226	0	01	62
	360	0	13	14		227	0	07	38
	369	0	12	19		228	0	03	24
	371	0	08	10		229	0	08	10
	372	0	07	02		230	0	00	52
	373	0	09	90		235	0	14	98
	378	0	16	02		236	0	04	32
	380	0	08	10		237	0	07	20
	383	0	08	10		238	0	06	84
	384	0	07	92		240	0	01	74
	391	0	01	98		256	0	01	12
	392	0	15	12		258	0	25	20
	393	0	04	00		260	0	28	98
	407	0	09	00		261	0	14	08
	410	0	01	74		282	0	03	06
	411	0	11	70		283	0	03	42
	412	0	10	04		297	0	36	18
	413	0	09	00		298	0	03	84
	421	0	04	86		299	0	01	68
	383/772	0	03	96		307	0	03	78
	351/785	0	01	80		308	0	04	32
						188/339	0	07	20
Kali Pahadi	22	0	08	28		234/341	0	00	72
	23	0	04	50		283/347	0	04	32
	24	0	04	86					
	29	0	04	32	Shahajahanpur	14	0	00	36
	30	0	03	24		15	0	02	34
	31	0	06	48		16	0	01	44
	32	0	05	40		17	0	01	26
	33	0	05	22		18	0	04	86
	34	0	10	80		19	0	18	00
	49	0	03	96		25	0	09	00
	51	0	36	24		26	0	09	00
	52	0	10	44		31	0	07	20
	56	0	10	98		32	0	14	62
	57	0	01	20		63	0	07	20
	58	0	23	94		68	0	08	82
	63	0	06	12		69	0	10	98

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	70	0	14	16		747	0	07	92
	77	0	08	82		748	0	06	12
	78	0	14	40		753	0	01	08
	79	0	02	16		841	0	02	02
	80	0	02	30		843	0	00	72
	81	0	18	00		844	0	05	04
	98	0	00	90		846	0	07	92
	99	0	10	08		847	0	07	92
	100	0	11	88		848	0	04	76
	101	0	16	20		849	0	09	18
	102	0	07	02		854	0	01	12
	103	0	08	28		876	0	06	12
	111	0	01	62		877	0	05	36
	121	0	04	00		878	0	00	80
	122	0	33	12		888	0	00	84
	123	0	30	96		889	0	01	76
	572	0	10	08		933	0	03	06
	573	0	01	98		934	0	00	36
	580	0	09	00		935	0	09	18
						938	0	05	04
Sasedi	216	0	02	14		967	0	09	36
	217	0	09	00		969	0	00	36
	220	0	11	16		1032	0	02	52
	221	0	01	08		1033	0	06	12
	389	0	10	08		1034	0	10	44
	390	0	05	04		1035	0	06	30
	391	0	03	04		1036	0	00	90
	392	0	06	84		1040	0	01	80
	397	0	03	06		1042	0	07	92
	398	0	01	08		1043	0	00	90
	399	0	01	30		1044	0	08	64
	402	0	00	24		1074	0	06	66
	403	0	04	11		1075	0	00	90
	404	0	03	96		1088	0	01	80
	405	0	03	06	Jomaycha Khurd	21	0	10	43
	406	0	02	16		23	0	05	56
	432	0	01	08		25	0	14	23
	494	0	06	12		26	0	02	00
	495	0	09	36		30	0	00	30
	498	0	00	20		47	0	01	72
	501	0	00	72		111	0	05	23
	502	0	06	84		112	0	00	84
	504	0	05	04		118	0	11	00
	505	0	05	76		119	0	16	74
	507	0	05	22		120	0	02	28
	645	0	01	60		128	0	04	32
	646	0	04	16		134	0	00	94
	648	0	01	10		155	0	06	84
	649	0	04	12		156	0	07	92
	654	0	05	04		161	0	12	24
	655	0	00	24		162	0	05	76
	685	0	00	16		163	0	05	76
	659	0	06	12		165	0	09	36
	669	0	01	02		169	0	15	32
	670	0	07	02		170	0	09	00
	680	0	07	92		173	0	00	16
	658	0	08	10		1239	0	03	00
	694	0	00	20		1240	0	23	76
	695	0	08	10		1242	0	05	04
	709	0	07	02		1296	0	13	32
	710	0	05	02		1297	0	01	98
	711	0	02	00		1298	0	07	20
	719	0	00	24		1301	0	10	08
	734	0	01	08		1302	0	12	24
	736	0	05	04		1303	0	03	08
	737	0	08	10		166/1895	0	02	88

1	2	3	4	5
Suryani				
	640	0	00	36
	641	0	02	16
	642	0	05	22
	650	0	07	92
	652	0	00	60
	653	0	28	28
	654	0	01	14
	656	0	04	14
	657	0	02	10
	660	0	06	12
	661	0	02	00
	662	0	07	06
Googal Kota	2	0	16	08
	8	0	18	00
	9	0	10	80
	15	0	12	78
	16	0	09	18
	23	0	01	16
Kankar	352	0	08	28
	353	0	15	84
	523	0	13	68
	530	0	11	52
	531	0	10	08
	544	0	11	88
	549	0	09	36
	552	0	01	80
	570	0	15	30
	571	0	02	16
	572	0	14	04
	577	0	13	68
	578	0	00	90
	580	0	02	46
	584	0	00	04
	585	0	08	96
	588	0	07	56
	592	0	08	64
	593	0	08	64
	594	0	13	68
	835	0	06	48
	836	0	07	20
	842	0	01	08
	858	0	04	28
	859	0	13	00
	861	0	09	36
	862	0	08	64
	863	0	10	08
	872	0	00	72
	874	0	22	76
	875	0	00	26
	876	0	09	16
	877	0	06	84
	880	0	01	44
	881	0	10	08
	926	0	01	00
	928	0	09	00
	930	0	02	88
	931	0	01	80
	1097	0	14	04
	1098	0	06	30
	1099	0	00	96
	1102	0	10	80
	1103	0	08	60
	1104	0	07	92
	1112	0	21	24
	1113	0	08	28
	1115	0	33	04

No. R-31015/3/92-D.R.I  
KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1993

का.आ. 437—श्रीदूषिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल.सी.सी.एल. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध मियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीदूषिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीदूषिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-220 12/235/91-श्राई आर (सी II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th February, 1993

S.O. 437.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3rd February, 1993.

[No. L-22012/235/91-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL I AT HYDERABAD

##### PRESENT:

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.

Dated the Fifth day of January, Nineteen Hundred Ninety Three

I.D. No. 64 of 1992

#### BETWEEN

The Dy. General Secretary,  
S.C.W. Union (AITUC),  
P.O. Godavarikhani,  
District Karimnagar (AP)

...Petitioner/  
workman.

#### AND

The General Manager,  
M/s. S.C.C. Ltd., R.G. II,  
P.O. Godavarikhani,  
District Karimnagar (AP)

...Respondent/  
Management

#### APPARANCES :

None--for the petitioner.

M/s. K. Srinivasamurthy, G. Sudha & others, Counsel--  
for the Respondent.

#### AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L. 22012/235/91-IR(C-II) dated 8th September, 1992 for adjudication of the dispute between the management of M/s. S.C.C. Ltd., RG-II, Godavarikhani and their workmen with the following Annexure :

"Whether the action of the management of M/s. S.C.C. Ltd., RG-II Area, Godavarikhani, in demoting Sri P. Ankaiah and 2 others coal fillers as Badli fillers is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. The said reference is registered in this office as I.D. No. 64 of 1992 and notices were issued to both the parties. The representative of the workman received the Registered

notice as well as the respondent. On behalf of the Respondent Sri K. Srinivasarthy filed the Vakalat and on behalf of the workmen one Telegram was received on 16th October, 1992 stating that one month time will be given to produce the records and the matter was posted to 19th November, 1992. Although sufficient opportunity is given to the workmen they did not file any Claim statement. They did not appear before this Court and when the matter is posted to 28th November, 1992 even on that day nobody appeared and when the matter is posted to some other days the petitioner is called absent and there is no representation on their side and petitioner was set ex parte and the arguments of the Respondent are heard.

3. As seen from the material available on record having received the notice simply the workmen sent a Telegram without filing any Vakalat. Although sufficient opportunity was given to the workmen the workmen did not turn up and they did not engage any advocate and their representative did not appear before this Court. They did not file any petition seeking time for filing Claim Statement. Therefore there is no material on record to give finding on merits. In view of the facts and circumstances I consider that there is no point in keeping this matter pending further. As such I consider that this is a fit case where the nil Award should be passed.

4. In the result nil Award is passed.

(Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and seal of this Tribunal on this the 5th day of January, 1993.)

Y. VENKATACHALAM, Chairman

Appendix of Evidence  
NIL

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1993

का.आ. 438—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेकोला कोलयरी आफ मैमर्स एसी लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/17/89-ग्राह आर (सी-II)]

राजा लाल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th February, 1993

S.O. 438.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 31st February, 1993.

[No. L-22012/17/89-JR(C.II)]  
RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 19/92

#### PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bankola Colliery of M/s. E.C. Ltd.

#### AND

Their Workman.

#### APPEARANCES :

For the Employers—Sri F. K. Das, Advocate.

For the Workman—Sri C. D. Dwevedi, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 22nd January, 1993

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(17)/89-JR (C.II) dated the 13th April, 1992.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bankola Colliery of E.C. Ltd., in dismissing their workman Sri Ram Khelawan Paswan, U.G. Dresser, from Company's service was legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Today (22nd January, 1993) Sri C. D. Dwevedi, Advocate for the workman submits that he has no instruction from his client to proceed with the case. The concerned workman is also not present.

3. In the circumstances I have no other alternative but to pass a no-dispute award and accordingly a no-dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1993

का.आ. 439 —श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/490/91-ग्राह आर (सी-II)]

राजा लाल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th February, 1993

S.O. 439.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 31st February, 1993.

[No. L-22012/490/91-JR(C.II)]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

#### PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.

Dated, the 5th day of January, 1993

ID. No. 69 of 1992

## BETWEEN

The Vice President,  
S.M.E.W. Union (HMS),  
P.O. Srirampur Colony,  
Dist. Adilabad (AP) ..Petitioner/  
Workmen.

AND

The General Manager,  
M/s. S.C.C. Ltd.,  
PO Srirampur,  
Dist. Adilabad (AP)  
-504001 ..Respondent/  
Management.

## APPEARANCES :

None—for the petitioner.

M/s. K. Srinivasamurthy &amp; Others—for the Respondent.

## AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-22012/490/91-IR(C-II) dated 1st October, 1992 for adjudication of the dispute between the management of M/s. S.C.C. Ltd., Srirampur, Adilabad and their workmen with the following Annexure :

"Whether the action of the management in not promoting S/Shri Rajesham, N. Rajaiah and K. Narasiah, General Mazdoors to their officiating posts of Carpenters, Blacksmith and Hammerman respectively from year 1982 is legal and justified ? If not, to what relief the workman are entitled to ?"

2. The said reference is registered in this Office as I.D. No. 69 of 1992 and notices were issued to both the parties. On behalf of the Respondent Sri K. Srinivasamurthy & Others filed Vakalat. Whereas on behalf of the workmen either the workmen of the Union representative did not file any Memo or Vakalat for appearance. It is another significant aspect to note that the workmen or any representative on behalf of them did not file a/w Claim Statement. As seen from the material available on record it is absolutely clear that having given sufficient opportunity to the workmen, the workmen did not avail the opportunity and they did not file their claim statement. They did not even seek time for extension for filing the claim Statement.

3. Therefore, in view of the above facts and circumstances it is an admitted fact that there is no oral or documentary material available on record to give a finding on merits and as such it is a fit case where nil Award is to be passed.

4. In the result nil Award is passed.

(Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and Seal of this Tribunal on this the 5th day of January, 1993).

Y. VENKATACHALAM, Chairman  
Appendix of Evidence  
NIL

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

फा.प्रा. 440 —श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्ज एस सी सी एल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, हैवरावाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/9/91-ग्राइ आर (सी-II)]

राजा लाल, ऐस्ट क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 440.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3rd February, 1993.

[No. L-22012/9/91-IR(C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

## BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

## PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman

Dated the 7th day of January, 1993

I.D. No. 35 of 1991

## BETWEEN

President,

S.C.M.K. Sangh (BMS),  
PO Ramakrishnapur,  
Dist. Adilabad (A.P)-504301

..Petitioner

## AND

General Manager,

S.C. Co. Ltd.,  
Ramakrishnapur,  
Adilabad (AP)-504301

..Respondent

## APPFARANCES :

M/s. R. N. Reddy and V. Usha Rani, Counsel—for the Petitioner/Workman.

M/s. K. Srinivasamurthy, G. Sudha, M. Ananthasen Rao and S. Suresh, Counsel—for the Respondent/Management.

## AWARD

This is a reference referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-22012/9/91-IR(C-II) dated 29th July, 1991 for the adjudication of the dispute between the management of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur and their workman, with the following Annexure :

"Whether the action of the management of S.C. Co. Ltd., Ramakrishnapur in denying to place Sri D. Satyanarayana Murthy, General Mazdoor, Muccadam, Building Department in Cat. IV is justified ? If not to what relief the workman is entitled to ?"

2. After receiving the reference notices were sent to both sides. The workman/petitioner filed the claim statement. The brief averments of the Claim Statement are as follows :

The workman stated that he was appointed as Muccadam, Cat-III in Civil Engineering Department of the Respondent company on 9th January, 1964. And that the Wage Board for Coal Mines came into effect in 1967 and the Category of Sri Murthy was fixed as Cat. II although he was holding Cat. III at that time. And that one Sri Narasiah who was working as Muccadam in Civil Engineering Department was placed in Cat. IV. And that on oral and also written representations by Sri Murthy, the management replied in 1986 stating that he was placed rightly in Cat. II and they were examining the issue of Sri Byri Narasiah. And that Sri Murthy did not receive any further reply till this day and that it is reliably learnt that they collected the information about Sri Byri Narasiah who was placed in Cat. IV with effect from 15th August, 1967 and he did not possess any academic qualifications. It is submitted that Sri Murthy studied upto 5th class and he was working as Muccadam efficiently since 28 years but the Management failed to redress his grievance.

The job of Muccadam in the Civil Engineering Department is of the Supervisory nature and equal to the job of mastry in the said department who is being paid D-grade wages. And that the Muccadam has to get work done from more than 20 workmen either in the Clay pill shed or any where else on assignment of work by the officers of the Civil Engineering Department. And that Sri Murthy is able to perform his job for the last 28 years without giving any room for the complaint. It is further stated that by the workman that while fixing the categories the Wage Board of 1967 Sri Murthy was denied equal category of Cat. III which he was drawing prior to the Wage Board. It is therefore prayed that the Honourable Tribunal may be pleased to pass an Award directing the Respondent to place the workman in Cat. IV w.e.f. 15th August, 1967.

3. The Respondent having received the notice filed the Counter. The brief averments of the Counter are as follows:

The Respondent denied the material averments of the contents of the Claim's Statement filed by the Workman. The workman was not appointed as Cat. III Muccadam as alleged in the Claim Statement by the workman. Prior to the Central Coal Wage Board i.e. before 15th August, 1967, there were 10 categories in the Respondent-Company. These categories were cushioned into six categories as per the recommendations of Sri Lal and Sri Kanti Mehta Committee. It is further stated that the workman was in category I in 1964 later he was promoted to Cat. III wages. In view of implementing the Central Wage Board recommendations the old Categories were fixed in new Cat. II. Therefore the workman was rightly fixed in new Cat. II. The appointing of the workman is fixed in Category II is not correct, and could not be accepted. In fact Sri Byri Narsaiah was appointed in the Company on 4th September, 1949 in Category-III wages as Muccadam and he was promoted to Category-VII which was pre-Central Wage Board which is effected from 15th August, 1967. After Central Wage Board for Coal Industry came into existence the new categories were implemented with effect from 15th August, 1967. It is not out of place to mention the workman in dispute is working as General Mazdoor Muccadam under the Supervision of Mastry. Whereas Sri B. Narsaiah was independently working and supervising the water-supply, maintenance and repair, clay pill works independently. Sri D. Satyanarayana Murthy on his requests and because of compassionate grounds was brought to clay pill shed and he is working under the supervision of the Mastry. The nature of the job performed by him is totally different.

With reference to para 3 of the Claim Statement this respondent has no knowledge whether Sri D. Satyanarayana Murthy studied upto 5th class, or any other qualification and the Educational Qualification is not the criteria for appointing of unskilled and semi-skilled jobs in the company. In fact the workman ought not to have been any grievance or dispute to the petitioner Union.

With reference to Para-4 of the Claim Statement, the allegation that Sri D. Satyanarayana Murthy is discharging the duties of supervisory nature and working independently over 20 workmen is not correct. The only technical person working in the clay pill shed is the Machine Operator who operates the machine producing the clay pill. And with regard to the other allegations levelled against the respondent by the workmen are untenable and the workman is not entitled to get any relief and the award may be passed dismissing the petition.

4. Thereafter on 13th November, 1992 the President of the Union of S.C.M.K. Sangh on behalf of the workman addressed a letter to his advocate withdrawing the case and the advocate in turn filed a Memo in this Court not pressing the matter in question and the award may be passed accordingly.

5. The arguments of the both sides are heard. The point for consideration is whether there is any valid ground to give finding in favour of the workman or against the workman?

6. At the very outset I would like to mention that there is no need to discuss the salient features of the content of the Claim Statement and the contents of the Counter filed by the Respondent as the workman himself came forward with a representation stating that he is not questioning the dispute. The advocate appearing on behalf of the workman after receiving a letter from the workman filed a Memo in this Court to that effect no pressing the dispute. Therefore in view of the above facts and circumstances the dispute is closed as the workman gave in writing that he is withdrawing the dispute.

### 7. The award is passed accordingly.

(Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the Seal of this Tribunal on this 7th day of January, 1993.)

Y. VENKATACHALAM, Chairman

Appendix of Evidence  
NIL

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.पा. 441—श्रीदेविगिक विवाद मधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंगरानी कोलयरी कं. डि. के प्रबन्धबाल के संबद्ध नियोजकों और उनके कमिकारों के बीच, भनवेश में निविष्ट श्रीदेविगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीदेविगिक अधिकारण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/246/91-आई आर (सी-II)]  
राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 441.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S. C. C. I. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/246/91-IR(C.II)]  
RAJA LAL, Desk Officer

### ANNEXURE

### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

### PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.  
Dated the Nineteenth January, Nineteen Hundren and Ninety Three

I.D. No. 36 of 1991

### BETWEEN

The General Secretary,  
Singareni Collieries Clerical Association (Ind.),  
H. No. D-16, Kalyankhani, PO,  
Distt. Adilabad (AP)-504231. .Petitioner.

### AND

The General Manager,  
M/s. Singareni Collieries Co. Ltd.,  
Kothagudem Khammam Distt.,  
(AP)-507101. .Respondent.

### APPEARANCES :

M/s. G. Bikshapathy, G. Vidyasagar, V. Vishwanatham,  
P. Girikrishna and G. Ravi Mohan, Counsel for the petitioner.

M/s. K. Srinivasamurthy, G. Sudha, Counsel for the Respondent.

### AWARD

This is a reference received from Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-22012/246/91-IR(C.II) dated 21-8-1991 for adjudication of the dispute between the

Management of M/s. S.C.C. Ltd., Kothagudem and their workman with the following Annexure :

"Whether the action of the management of M/s. S.C.C. Ltd., Kothagudem, is justified in dismissing Shri M. Venkay, Venkay, Clerk Gr. I, from services w.e.f. 23-12-86 ? If not, to what relief the workman concerned is entitled to ?"

2. The said reference is registered as I.D. No. 36 of 1991 in this Office. Notices were sent to both the Parties. The workman filed the Claim Statement and the Respondent filed the Counter. The brief averments of the Claim Statement of workman are as follows :

The workman is the member of the Union and the dispute relating to his dismissal has been taken up by the Petitioner Union. He was appointed as Clerk in the Respondent Company in 1963. Ever since then he was discharging his duties to the entire satisfaction of his superiors. In the year 1982-83, the workman was working in Kothagudem main stores. He was directed to work at Rudrampur Petrol Bunk for the purpose of issuing petrol, Diesel etc., to vehicles of the Company. He performed his duties subsequently. There was no report about the shortage of Petrol during his tenure of office in that branch. Thereafter a representation was sent against him stating that he never handed over the Physical balance of petrol as on 21-11-1982. On this basis charge sheet was issued on the workman on 29-5-1984.

The Chief Personnel Officer, without any authority issued order dated 22-7-1984 ordering de novo enquiry. The workman was present on the date of the enquiry. He was not supplied with any documents as to his request by the Respondent. The Deputy Controller of Stores conducted the enquiry on various dates. But ultimately by order dated 22-12-86 dismissal notice was served on him. The finding of the authority in dismissing the workman is arbitrary, illegal and unfair labour practice. Therefore the same may be set aside.

3. On the other hand the Counter was filed by the Respondent. The brief contents of the same are as follows :

The Respondent denied all the material averments of the Claim Statement filed by the Workman. In fact there was shortage of Petrol during the tenure of office when the workman worked in that branch. When one was transferred from the branch to supply the petrol it is his duty to hand over the stock on the day on his handing over charge. But the workman failed to do so. Subsequently shortage of petrol was found. As per the by-laws of the management after following procedure the enquiry was conducted. Charge sheet was served on him. Regular domestic enquiry was ordered. During the course of the enquiry all the copies related documents were supplied to the workman. Fullest opportunity was given to the workman during the course of the procedure of the enquiry. There is no question of any bias or there is no question of any unfair labour practice toward the workman by the Management. On the basis of the enquiry report misconduct of the workman mis-using the petrol of the Respondent company was made out and he was rightly dismissed and there is no valid ground in interfering with the finding of the dismissal order and the Award may be passed accordingly.

4. On 19-1-93 both sides appeared before this Tribunal for advancement of this I.D. from March to this day i.e. on 19-1-93 and requested this Tribunal to pass Award as per the terms and conditions of the settlement under Section 18(1) filed before this Tribunal. On the settlement both the parties appeared before this Tribunal stating that they are agreeable for passing an Award in terms of settlement deed the conditions are acceptable for both of them.

5. In view of the terms and conditions of the compromise the settlement is recorded. The Award is passed in terms of settlement and a copy of the settlement is herewith enclosed.

Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and Seal of this Tribunal on this the 19th day of January, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman  
Appendix of Evidence  
NIL

BEFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CEN)  
AT HYDERABAD

I.D. No. 36 of 1991

BETWEEN

The General Secretary,  
Singareni Collieries Clerical Association (SICCA),  
P.O. Mandamarri,  
Distt. Adilabad. ....Petitioner.

AND

The General Manager (Personnel),  
Singareni Collieries Company Limited,  
P.O. Kothagudem-507101,  
Distt. Khammam (A.P.). ....Respondent.

COMPROMISE MEMO FILED BY BOTH THE PARTIES

1. It is respectfully submitted that the workman in dispute and petitioner's Union, and also the Respondent Company herein entered into a Memorandum of Settlement under Sec. 18(1) of I.D. Act, 1947, out of Court regarding the subject matter of I.D. No. 36 of 1991. It is submitted that the General Secretary, Singareni Collieries Clerical Association (SICCA), on behalf of the petitioner made a representation for reinstatement of the petitioner. Further, the petitioner has also submitted a mercy petition dated 26-06-1992 for his reinstatement on humanitarian grounds. As a result, the Respondent Company and Singareni Collieries Clerical Association (SICCA) discussed the issue mutually and reached an amicable Settlement.

2. The Respondent Company agreed to reinstate the petitioner as CLERK GRADE-II in the scale of Rs. 1158-48-1542-58-2006, on a commencing basic pay of Rs. 1158 per month, subject to being found medically fit.

3. The petitioner herein expressly agreed that he will not have any claim whatsoever with regard to back wages and attendant benefits, which relates to the subject matter of I.D. No. 36 of 1991. Neither the petitioner Union (SICCA), nor the petitioner will raise any dispute with regard to back wages and attendant benefits. As such, the petitioner has been appointed, subject to his medical fitness as Clerk Grade-II.

4. In view of the above, this Hon'ble Court may be pleased to pass an Award in terms of Memo of Settlement dated 21-12-1992 arrived at between the Respondent Management and petitioner's Union (SICCA) under Section 18(1) of I.D. Act, 1947.

FOR MANAGEMENT (SCCL) :  
(P.A.V.S. SARMA),  
Sr. P.O. (IR),  
Corp. Personnel Department,  
SCCL, Kothagudem.

FOR WORKMAN (SICCA) :

(T. RAYAPPA),  
President.  
(B. JANAK PRASAD),  
General Secretary.

(M. VENKATY),  
Concerned workman to  
the dispute.

Sd./- Illegible,

COUNSEL FOR RESPONDENT :

Sd./- Illegible,  
COUNSEL FOR PETITIONER :

MEMORANDUM OF SETTLEMENT ARRIVED AT UNDER SECTION 18(1) OF I.D. ACT, 1947, BETWEEN THE MANAGEMENT OF M/S. SINGARENI COLLIERIES COMPANY LIMITED AND SHRI M. VENKATY, EX. CLERK GRADE-I, MAIN STORES, KOTHAGUDEM, REPRESENTED BY SINGARENI COLLIERIES CLERICAL ASSOCIATION (SICCA) IN I.D. NO. 36/91 PENDING BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CEN)/HYDERABAD WITH REGARD TO TERMINATION OF SERVICES, ON 21-12-1992 AT KOTHAGUDEM

#### PARTIES PRESENT

##### REPRESENTING MANAGEMENT :

###### SCCL

1. Shri P. T. Thomas,  
G.M. (Personnel)/  
Director (P, A&W),
2. Shri Balbir Singh,  
Addl. CPM(IR),
3. Shri J. Paul Thomas,  
P.M. (IR),
4. Shri A. Potha Raju,  
Sr. P.O. (IR).

##### REPRESENTING WORKMAN :

SICCA  
Shri T. Rayappa,  
President.  
Shri B. Janak Prasad,  
General Secretary.  
Shri M. Venkaty,  
Ex. Clerk Gr. I—  
Concerned workman.

#### SHORT RECITAL OF THE CASE

Shri M. Venkaty, Ex. Clerk Grade-I, Main Stores, Kothagudem was chargedsheeted for misappropriation of company's amount and showing negligence towards duties, under Company's Standing Order No. 16(2) and 16(9) and was dismissed from Company's services w.e.f. 23-12-1986, as the charges were proved in the enquiry. A dispute was raised on his behalf by the Singareni Collieries Clerical Association (SICCA). Thereupon conciliation proceedings were held, which ended in failure. Ultimately the dispute was referred to Industrial Tribunal (Cen)/Hyderabad by the Government of India with the following schedule of reference and it was registered as I.D. No. 36/91.

#### SCHEDULE

"Whether the decision of Management of M/s. SCCL, Kothagudem is justified in dismissing Shri M. Venkaty, Clerk Grade-I from service with effect from 23-12-1986? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

The case is pending before the Tribunal for enquiry. Meanwhile both the management of SCCL and SICCA discussed this issue mutually to reach an amicable Settlement. After holding discussions, both the parties have agreed to settle this issue as follows:

#### TERMS OF SETTLEMENT

1. The Management agrees to consider the case of Shri M. Venkaty for reappointment as CLERK GRADE-II in the grade of Rs. 1158-48-1542-R-2006, on a basic of Rs. 1158 per month, subject to being found medically fit.
2. He will be on probation for a period of three months and will be confirmed in that grade on receipt of satisfactory reports about his work, attendance and conduct during the probation period.
3. In view of this Settlement, he is not entitled to payment of any back wages or any other attendant benefits for the period he was out of employment.

4. As the issue is fully and finally settled by this Settlement, the Union agrees not to raise any further dispute in this regard.

5. Both parties agreed to file the Settlement before the Industrial Tribunal (Cen) with a prayer to pass an Award in terms of said Settlement.

#### SIGNATURE OF THE PARTIES

##### REPRESENTING MANAGEMENT :

###### SCCL Sd./-

1. (P. T. THOMAS)  
Sd./-
2. (BALBIR SINGH)  
Sd./-
3. (J. PAUL THOMAS)  
Sd./-
4. (A. POTHA RAJU)

##### REPRESENTING WORKMAN :

###### Sd./-

1. (T. RAYAPPA)  
Sd./-
2. (B. JANAK PRASAD)  
Sd./-
3. (M. VENKATY)  
Sd./-

Witnesses :  
Sd./-

1. (T. PULLA RAO),  
Steno (IR).
2. (N. C. RANGANAYAKI)  
Steno, O/o. G. M. (Personnel).

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 442—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भृपुराय कोलयरी आफ ई.सी.लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय भरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-22012/199/89-प्राई आर (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 442.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Madhaipur Colliery of E.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/199/89-IR C.II]  
RAJA LAL, Desk Officer

**ANNEXURE**  
**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL, ASANSOL**  
Reference No. 15/99

**PRESENT :**

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

**PARTIES :**

Employers in relation to the Management of Madhaipur Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their Workman.

**APPEARANCES :**

For the Employers—Sri P. Banerjee, Advocate.

For the Workman—Sri Bijoy Kumar, Joint Secretary of the Union.

**INDUSTRY :** Coal.

**STATE :** West Bengal.

Dated, the 20th January, 1993

**AWARD**

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(199)/89-IR(C.II) dated 18-5-90.

**SCHEDULE**

"Whether the action of the Management of Madhaipur Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., in striking off the name of Shri Khudi Lal Pasi, Wagon Loader from the rolls of the company vide letter dated 16-4-79 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Khudi Lal Pasi was a permanent employee of Madhaipur Colliery under M/s. Eastern Coalfields Ltd. He became a victim of T.B. He was referred to Central Hospital, Kalla by the management in the year 1978. After discharge from the hospital he was advised to take rest and to continue medicines as prescribed by the Doctors. He had none to look after him in the colliery. So he went to his native place. On 6-9-79 he went to the colliery after return from his native place to join his duty and requested the management to refer him to T.B. Hospital, Searsol for his treatment. But he was not allowed to join his duty and he was not referred to any hospital. The act of the management is highly illegal and against the principles of natural justice.

3. Dispute was raised through the union. But the attempts of conciliation failed. Ultimately the matter was referred to the Ministry of Labour, Government of India and the Ministry of Labour has sent the dispute to this Tribunal for adjudication.

4. The management has contended the case contending alia that the union had no locus standi to spouse the dispute. It is submitted that the dispute is hopelessly stale as the alleged cause of action arose in 1979 but the union raised the dispute in 1988 without any explanation for such inordinate delay.

The concerned workman Khudi Lal Pasi was not a permanent employee of the colliery. He was an ex-casual wagon loader (not on roll). He started absenting himself from 7-5-78 without any intimation to the authority. So his name was struck off from the list of casual wagon loaders. He was never referred to any hospital by the authority. It is not known to the authority whether this workman had suffered from T.B. As he was not a permanent employee of the colliery his name was rightly struck off from the list of casual wagon loaders. So this workman is not entitled to get any relief in this case.

5. At the very outset Sri P. Banerjee the learned Advocate for the management has urged before me that the union

had no locus-standi to spouse the dispute. The management has taken a specific plea on this point in para 2(b) of the written statement filed by the management. In addition to that the management called for certain documents from the union by a petition dated 8-4-91. But the union has failed to produce the same. By placing those materials before me Sri Banerjee with all force has urged before me that the present dispute at the instance of the union is not maintainable. Considering the materials on record and the facts and circumstances I find that the union has failed to produce the documents and to show that it had locus-standi to raise the dispute on behalf of the workman.

Be that as it may, I find practically it is a case of dismissal from service as even according to the management the name of the present workman was struck off from the list of casual wagon loaders (para 3 of the written statement of the management). I find that it is case which is covered by Section 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947 which reads as follows :

"2A—Dismissal, etc. of an individual workman to be deemed to be an industrial dispute—Where any employer discharges, dismisses, retrenches or otherwise terminates the services of an individual workman, any dispute or difference between that workman and his employer connected with, or arising out of, such discharge, dismissal, retrenchment or termination shall be deemed to be an industrial dispute notwithstanding that no other workman nor any union of workman is a party to the dispute."

So it is to be presumed that it is a dispute raised by the workman himself and as such I find that the present Reference is maintainable in the eye of law.

Secondly Sri Banerjee has urged before me that the alleged cause of action arose in 1978. But the present dispute was raised by the union in 1988. He has urged before me that there was inordinate delay for about 10 years. There is no explanation from the side of the union or from the concerned workman to show why there was such inordinate delay. But the delay cannot defeat the equity. The law of limitation is a unknown in the arena of the industrial disputes. So I find that though there was inordinate delay in raising the dispute, it cannot be said that the present dispute is not maintainable as there is no limitation for raising such a dispute either by the union or by the workman.

6. The workman has come with the story that he was a permanent employee of the colliery. There is no documentary evidence from the side of the workman to prove that he was a permanent employee of the colliery. On the other hand the management has come with the story that the workman was a casual wagon loader of the colliery and his name was struck off when he absented from duty w.e.f. 7-5-78 without any intimation to the authority. The management has produced the 'B' Form Register but the name of the present workman is not in that register. The management has produced the Bonus Register which shows that the name of the present workman Khudi Lal Pasi is in the register and he was paid bonus (Ext. W-1). The management has produced sick and fit register which shows that the name of the concerned workman is in the register (Ext. M-2). On the basis of those documents Sri P. Banerjee, the learned Advocate for the management has urged before me that he was not a permanent employee of the colliery, so he cannot get any relief in the instant case. With due respect to the contention of both the parties I find that the Ministry of Labour has sent this dispute to determine whether the action of the management of the colliery in striking off the name of Khudi Lal Pasi, Wagon Loader from the rolls of the Company is justified. So, I am to see—

- (a) as to whether the name of Khudi Lal Pasi was in the roll of the company, and
- (b) whether the striking off the name of Khudi Lal Pasi from the roll is justified.

The above points are answered accordingly :

- (a) Sri P. Banerjee has urged before me that the name of Khudi Lal Pasi was not in the roll of the company and he was a casual wagon loader. The meaning of the word 'roll' according to Webster's Dic-

tionary (Encyclopedic Edition) is "an official list of names or catalog of items". So from the dictionary meaning of the word 'roll'. I shall have to consider whether the name of Khudi Lal Pasi was in any register of the management or in the list of employees maintained by the management, be it permanent or temporary in nature. In para 3 of the written statement the management has clearly stated that the name of the present workman was struck off from the list of the casual wagon loaders. Sri Sheo Kumar Choubey the Dy. Personnel Manager of the Colliery has been examined as MW-1 in this case. He has stated that no notice was sent to Khudi Lal Pasi by post, but notice was displayed on the Notice Board. So considering the evidence on record and the facts and circumstances I find that the name of Khudi Lal Pasi was in the roll of the management.

(b) Now we have to see whether striking off the name of Khudi Lal Pasi from the roll of the management is justified. It is true that Khudi Lal Pasi had absented himself from duty w.e.f. 7-5-78 without any intimation to the authority. It has been contended from the side of the workman that he became a victim of T.B. and was referred to hospital by the management. But there is no iota of evidence from the side of the workman to show that he was actually became a victim of T.B. The management is also not aware whether this workman became a victim of T.B. I find that Khudi Lal Pasi is an illiterate person. So it will not be prudent to expect any documentary evidence from a person like him. I have found that the name of Khudi Lal Pasi was in the roll of the management. So it was the duty of the management to give him an opportunity of being heard before striking off his name from the roll of the company. We find from the statement of MW-1 that the address of Khudi Lal Pasi was known to the management, but the management did not send any notice to Khudi Lal Pasi by post (page 6 of the deposition of MW-1). So considering all the materials on record and the facts and circumstances I find that the action of the management in striking off the name of Khudi Lal Pasi from the roll of the company is not justified.

7. In the result the management shall include the name of Khudi Lal Pasi in the roll of the management and shall give him employment as before within three months from the date of publication of the award provided he is otherwise eligible.

N. K. SAHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 443.—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुभरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय भरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/165/91-श्राई आर (सी-II)]

राजा लाल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 443.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to

the management of SCC Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/165/91-IR CII]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

#### PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L. Chairman  
Dated the Fifth January, Nineteen Hundred and Ninety Three

I.D. No. 32 of 1991

#### BETWEEN

The Vice-President, S.C. Workers Union (AITUC), P.O. Coal Chemical Complex, Dist. Adilabad (A.P.)  
...Petitioner.

#### AND

The Project Manager, Coal Chemical Complex, M/s. S.C. Co. Ltd., P.O. Coal Chemical Complex, Naspur, Dist. Adilabad (A.P.) ...Respondent

#### APPEARANCES :

None—for the Petitioner.

Sri K. Sreenivasa Murthy, Counsel—for the Respondent.

#### AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-22012/165/91-IR(CII) dated 22-7-1991 for the adjudication of the dispute between the Management of M/s. S.C. Co. Ltd., Coal Chemical Complex, Naspur and their workmen with the following Annexure:

"Whether the action of the management of M/s. S.C. Co. Ltd., Coal Chemical Complex, Naspur in dismissing Sri P. Pitchiah, Watchman, CCC, w.e.f. 6-7-90 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. After receiving the reference it is registered in this Office as I.D. No. 32 of 1991 and notices were sent to the workman and the Management. After several notices on behalf of the workman Smt. N. K. Annapurna Devi filed Vakalat and the Claim Statement was filed. After giving several adjournments the advocate for the workman stated that she has no instruction from the party and as such she was withdrawing the Vakalat in this matter. Thereafter the workman did not appear before this Court and did not seek for time to engage an advocate and no advocate or no Union representative represented his case. On 25-7-1992 as there is no representation on behalf of the workman the petitioner was set ex parte. Even after 5 months the workman did not appear before this Court and did not file any Petition to set aside the ex parte order passed against him the arguments of the advocate for the Respondent are heard.

3. In view of the facts and circumstances it is absolutely clear that the workman did not file the Claim Statement. He did not engage any other advocate when once his advocate reported no instructions or the workman did not appear before this Court. He did not file any petition seeking for time for engaging advocate or furnish his case before this Tribunal I am of the clear opinion that there is no alternative for this Tribunal to pass an award against the workman.

4. In the result the action of the Management of M/s. S.C. Co. Ltd., Coal Chemical Complex, Naspur in dismissing Sri P. Pitchiah, Watchman, CCC, w.e.f. 6-7-90 is justified.

5. The award is passed accordingly.  
the 5th day of January, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman  
Appendix of Evidence  
NIL

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 444 —श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस सी सी एल के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/137/92—आर आई (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 444.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. S.C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/137/92-IR-CII]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL I AT HYDERABAD

##### PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman

Dated the Fifth January, Nineteen Hundred and Ninety Three

I.D. No. 70 of 1992

##### BETWEEN

The President, A.P.C.M.S. (INTUC), PO: Bellampalli, Dist. Adilabad (AP) ...Petitioner/Workman.

##### AND

The General Manager, M/s. S.C.C. Ltd., PO: Ramkrishnapur, Dist. Adilabad (AP) 504001. ...Respondent/Management.

##### APPEARANCES :

None—for the Petitioner.

None—for the Respondent.

##### AWARD

This reference is referred by the Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-22012/137/92-IR(C.II) dated 1-10-1992 for adjudication the dispute between the management of M/s. S.C.C. Ltd., Ramakrishnapur and their workmen with the following Annexure :

"Whether the action of the management of M/s. S.C.C. Ltd., Ramakrishnapur, in not providing light job of Conveyor Operator to Sri P. Rajam, Cat. IV by ignoring the Medical Opinion is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The said reference is registered in this Office as I.D. No. 70 of 1992. Notices were issued to the both sides. On behalf of the Respondent Sri K. Srinivasamurthy filed the Vakalat. Although the Registered notice was served on the workman the workman did not appear before this Tribunal either personally or through his advocate. He did not seek for any

extension of time in engaging an advocate. Although sufficient opportunity was given to him he did not file any claim statement.

3. In view of the above facts and circumstances it is absolutely clear that there is no oral or documentary material on record on behalf of the workman or on behalf of the Respondent to decide the matter on merits. In view of the above facts and circumstances I am of the clear opinion that it is a fit case where nil Award have to be passed.

4. In the result nil Award is passed.

Y. VENKATACHALAM, Chairman

Appendix of Evidence  
NIL

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 445.—श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार घनश्याम कोलयरी एफ मैर्सेस इ सी लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक अधिकरण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/157/90—आई भार (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 445.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ghanshyam Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/157/90-IR C.II]

RAJA LAL, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 53/90

##### PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

##### PARTIES :

Employers in relation to the Management of Ghanshyam Colliery of M/s. E.C. Ltd.

##### AND

Their Workmen.

##### APPEARANCES :

For the Employers—None.

For the Workmen—None.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 14th January, 1993

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1), and sub-section (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012/151/90-IR(C.II) dated 14-11-1990.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ghanshyam Colliery of M/s. ECL, P.O. Baktinagar, Dist. Burdwan, in changing the designation of Smt. Haj-kalla Kurmi, Smt. Pyari Harijan, Smt. Subhadra Bouri and Smt. Asha Bouri, Clay Cartige Makers to Wagon Loaders and transferring them to Lachhipur Colliery on and from 17-10-86, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. Both the parties are absent today (14-1-93). No step is taken by any of the parties. It appears from the record that the case is pending for settlement since June, 1992. It appears to me that the parties are not interested to proceed with the case. As such both the parties are absent today.

3. In the circumstances I have no other alternative but to pass a no dispute award. Accordingly a no dispute award is passed.

N. K. SAHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

का.आ. 446 :—ग्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार महावीर कोलयरी आप; मैलर्स इंसी. वि. के प्रबन्ध संघ के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसंध में निर्दिष्ट ग्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ग्रौद्योगिक अधिकरण, आवासनमोत्त के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-22012/151/91-ग्राइ आर (सी-II)]  
राजा लाल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 9th February, 1993

S.O. 446.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Mahabir Colliery of M/s. E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 3-2-93.

[No. L-22012/151/91-IR-CII]

RAJA LAL, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : ASANSOL

Reference No. 38/92

## PRESENT :

Shri N. K. Saha, Presiding Officer.

## PARTIES :

Employers in relation to the Management of Mahabir Colliery of M/s. E.C. Ltd.

## AND

Their Workmen.

## APPEARANCES :

For the Employers—Shri P. K. Das, Advocate.  
For the Workman—Shri C. D. Dwevedi, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Asansol, the 22nd January, 1993

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following disputes to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012/151/91-IR(C.II) dated 8-9-92.

## SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mahabir Colliery of E.C. Ltd., in changing the service conditions of 22 workmen (as per list attached) is legal and justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. Today (22-1-93) Sri C. D. Dwevedi, the learned Advocate for the workmen submitted that he has no instruction from his clients to proceed with the case. The concerned workmen are also not present.

3. In the circumstances I have no other alternative but to pass a no dispute award and accordingly a no dispute award is passed in this case.

N. K. SAHA, Presiding Officer  
Enc. :—List of workmen.

## PART OF THE AWARD

Names of the workers	Designation
1. Sri R.K. Mishra	—C.L. Fitter, working as Asstt. C.L. Incharge.
2. .. Ashim Kr. Palit	—C.L. Incharge.
3. .. Nripen Maulik	—Mech. Foreman
4. .. Parmeswar Pandey	—Mech. Fitt .
5. .. Bahanan Singh	—Security Sub-Inspector.
6. .. Girja Singh	—Gomasta.
7. .. Baidya Nath Chakravorty	—Asstt. C.L. Incharge
8. .. Dewan Muchi	—Tyndal Zamadar.
9. .. Ramchari Mondal	—Tyādal
10. .. Yusuf Mahijar	— do —
11. .. Nageswar Turi	— do —
12. .. Lakhon Busad	— do —
13. .. Baiju Dusad	— do —
14. .. Ramchandra Dusad	— do —
15. .. Bhailal Harijan	— do —
16. .. Jhekri Bhar	— do —
17. .. Ramprabesh Garari	— Hammerman
18. .. Chalitar Jadav	— do —
19. .. Dew Prasad Paswan	— do —
20. .. Bachan Mahato	—C.L. Fitter
21. .. Saroj Kumar Mondal	— do —
22. .. Balchand Turi	— do —

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का. आ. 447 :—श्रीदीयगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, वैक आफ बड़ौदा के प्रबन्धसंचालन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चिट श्रीदीयगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीदीयगिक अधिकरण, बैंगलूर, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-2-1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या ए.ल.-12011/54/89-डी-2-ए]  
वी. के. वेणुगोपालन, इस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 447.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 4-2-1993.

[No. L-12011/54/89-D2A]  
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Bangalore, this 25th day of January, 1993

#### PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc.B.L., Presiding Officer.  
CENTRAL REFERENCE NO. 88/89

#### I Party

1. General Secretary,  
BOB Employees Trade  
Union Congress,  
C/o Bank of Baroda,  
Malleshwaram,  
Bangalore-560 003.

#### II Party

The Regional Manager,  
Bank of Baroda,  
Regional Office,  
30/1, Cunningham Road,  
Bangalore-560 052.

Vs.

2. Bank of Baroda Staff  
Union (Karnataka)  
C/o Bank of Baroda,  
72, M. C. Road,  
Bangalore-1.

#### AWARD

To the original reference dt. 28-11-89 made by the Hon'ble Central Government by its Order No. L-12011/54/89-D. II(A) under Section 10(1)(d) of I. D. Act, a corrigendum has been issued by the Ministry of Labour by its order dt. 1-9-92. After incorporating the corrigendum, the point for adjudication as per schedule to reference is :

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in treating Panambur Branch as Category 'A' and thus depriving Shri Vijay Kumar of the post of Head Cashier 'C' is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. As per reference there was only one member of the I party. This Tribunal by its order dt. 7-3-91 has allowed the proposed additional I party viz.. Bank of Baroda Staff Union to come on record. Bank of Baroda Staff union is the 2nd member of the I party.

3. As per the claim statement the case of the I party is :—

The Regional office of the II party bank called for applications for the post of Head Cashier Category 'C' at their Panambur branch ('B' category branch). Vijay Kumar who is a permanent employee of the II party bank and who has not in 12 years of service as cashier-cum-clerk applied for the said post.

Vijay Kumar has been working in the Panambur branch from 7-10-83 till date. Panambur branch is a 'B' category branch and does not come under Mangalore City Corporation limits in terms of Clause 7.6(a) of the Memorandum of Settlement. However the II party management has unilaterally treated the Panambur branch as an urban branch considering it as one of the three branches of the Mangalore City and therefore it is a 'A' category branch. According to the management the employees of a 'B' category branch cannot apply for the vacancy of Head Cashier at 'A' category branch. This is an after thought of the management to deny Vijay Kumar the post of Head Cashier 'C'. Panambur is a branch by itself and is a 'B' Category branch. Even in the circular No. 78/279/86 Dt. 10-7-76 issued by Bank of Baroda Head Office Panambur branch is treated as independent branch. Panambur cannot be treated as an 'A' category. Hence the workman Vijay Kumar has to be appointed as head cashier 'C' at Panambur branch with retrospective effect.

#### 4. In the counter statement it has been contended :—

To fill up head cashier 'C' in any bank of the II party, the branches are grouped into 'A' and 'B' categories. At places where II party has only one branch it is treated as 'B' category. At places where the II party has more than two branch or the II party opens the II branch, the said area is treated as 'A' category. Panambur branch is treated as category 'A' on the basis of 1981 census. Panambur was amalgamated with Mangalore city as an outgrowth of Mangalore. The staff members of the three branches in Mangalore are now paid H.R.A. which was not paid earlier at these branches as applicable to Mangalore. The post of head cashier 'C' was filled up at Panambur branch considering Panambur as part of Mangalore, by selecting eligible senior most from the three branches situated in Mangalore viz.. Mangalore Main branch, Lady Hill branch and Panambur branch. Panambur is treated as part of Mangalore City for all purposes.

5. The II party has the system of effecting transfers within the city branches (called job rotation) and in fact the Unions never objected for the transfer of award staff members effected on job rotation basis among the three branches i.e. Mangalore main branch, Lady Hill branch and Panambur branch. The Unions did not object to these transfers considering the fact that Panambur branch as one of the branches of Mangalore city. As Panambur branch falls under category 'A', H.R.A paid to the staff in this branch is more when compared to staff working in category 'B' branches. The I party cannot enjoy the benefit of higher H.R.A as applicable to staff coming under category 'A' branches and at the same time claim that Panambur branch comes under category 'B'. If, as claimed by I party, Panambur branch comes under category 'B', then H.R.A would be less than what is being paid. Panambur branch cannot be treated as category 'B'. It is false that the II party has treated Panambur branch as one of the three branches of Mangalore city with a view to favour somebody else. The circular dt. 10-7-76 treating Panambur as a 'B' category branch was a mistake committed by inadvertence. It was rectified by issuance of another circular dt. 25-R-RR. The contention of the I party that Panambur branch is 'B' category branch is untenable. Panambur is an 'A' category branch. Panambur has been considered as category 'A' and the members of the staff have been enjoying benefits applicable to category 'A'. The I party who was not the senior most and that cashier-cum-clerk cashier in the three branches of Mangalore was not entitled to be appointed as head cashier 'C'. It was Ravinder Kini who was the senior most among the three branches in Mangalore and so he was appointed as head cashier 'C'. I party is not entitled for any relief.

6. On the basis of the above pleadings the following issues have been framed on 17-8-90 :—

1. Whether the II party proves that the reference made by the Central Govt. is not maintainable ?
2. Whether the II party proves that Panambur branch falls under category 'A'? If so, what effect ?
3. What Award ?

7. As could be seen from the order sheet dt. 9-11-92 the learned counsel for the II party has submitted that he does not press issue No. 1. Now, therefore, the crucial issue is issue No. 2.

8. On behalf of the II party M.W. I B. K. Sidda Rao Appa, Manager (Personnel) has been examined. On behalf of the I party, the workman Vijay Kumar got himself examined.

9. The point for consideration is whether Panambur branch of the II party comes under category 'A' or category 'B'. As per :

Ex. M. 2 Category (A) : Cities/Towns/Places which have more than one branch or where a second branch is to be opened.

Category (B) : Other Cities/Towns/Places which have only one branch.

From this it is clear that 'A' category is a city or town where there is more than one branch. 'B' category is a place where there is only one branch. The case of the II party is that Panambur is treated as 'A' category branch. The branches being Mangalore city, Lady Hill branch and Panambur. The case of the I party is that Panambur does not come within the Mangalore Urban Agglomeration and so it is a 'B' category branch.

10. It is admitted on all hands that if Panambur is held to be 'A' category branch, the reference has to be rejected. If Panambur is held to be 'B' category branch, then the I party workman Vijay Kumar has to be appointed as Head Cashier 'C' in place of Kini.

11. Ex. M-3 is the circular dt. 23-9-87 calling for application for appointment of Head Cashier 'C' at Panambur and Gudipalli branch. Since Ex. M-3 mentions Panambur also. It is argued by the Learned Counsel for the I party, Panambur is a 'B' category branch. Ex. M-8 is another circular dt. 25-12-88 which has been issued rectifying what is contained in Ex. M-3. From Ex. M-8 it is clear that the mistake which had crept into Ex. M-3 has been rectified. Ex. M-8 says that Ex. M-3 shall apply to selection of Head Cashier 'C' in the vacancy at Gudipalli branch only. So Ex. M-3 does not apply to Panambur branch. Ex. M-9 is the final population figures of 1981 census. From Ex. M-9 (a) it is absolutely clear that Panambur is shown as part of Mangalore City. M.W. I B. K. Sidda Rao Appa, Manager (Personnel) of II party has stated that to classify Panambur as 'A' category they have relied upon 1981 census. If Ex. M-9 is taken into consideration, obviously Panambur comes under 'A' category. It is true that Ex. M-9 relates to 1981 census and the subsequent population or growth has not been taken into consideration. Since this is an individual dispute, viz., the dispute of Vijay Kumar, it won't be proper for the Tribunal to meddle with the administrative policy of the II party. It should be mentioned here that no policy matter has been referred to this Tribunal. The Learned counsel for the I party relied on Ex. W-3 gaze to notification dt. 23-6-90 from which it is clear that Panambur does not come within the Mangalore City Corporation. Ex. W-4 is the letter issued by the Mangalore City Corporation in which it has been stated by the Executive Engineer that Panambur Mandal Panchayath does not come within Mangalore City Corporation. The Learned Counsel for the I party relied on Ex. W-5 also. Ex. W-5 is the letter issued by the Panambur Mandal Panchayath. This also shows that Panambur does not come within the jurisdiction of Mangalore Corporation or city limits. These documents no doubt support the I party. But the I party workman has stated in his evidence that as per 1981 census Panambur is part of Mangalore urban agglomeration. He has further stated that on the basis of letters like Ex. W-4, the Banks cannot change 'A' category into 'B' category or 'B' category into 'A' category. As I have already stated this Tribunal cannot interfere with the administrative policy of the II party since what is referred to the Tribunal is not a policy matter but a matter relating to an individual. For the purpose of categorising Panambur the II party has relied on 1981 census and so Panambur, Lady Hill branch and Mangalore city branch together come under 'A' category.

12. The I party-workman has been working in Panambur and since Panambur is a 'A' category branch he has been drawing higher H.R.A. the I party cannot be permitted to urge that for the purpose of promotion Panambur should be considered 'B' category and, in the same breath, for the

purpose of enjoying higher benefits like HRA Panambur is 'A' category. The I party workman Vijay Kumar cannot have the cake and eat it too.

13. I am afraid, if the contention of I party workman is upheld, it will have serious repercussions. Other employees also will come forward with the plea that though they enjoy higher benefits like HRA Panambur should be considered 'B' category. The Tribunal would be embarrassing the administration of the II party.

14. There is job rotation scheme between Panambur branch, Lady Hill branch and Mangalore City branch. Job rotation is there only in 'A' category branches. It is not done in 'B' category branches. On this score also it should be held that Panambur comes within 'A' category branch of II party.

15. Ex. M-17 is Indian Bank Association guidelines showing urban Agglomeration should be considered as one unit. Ex. M-17 has been produced by the II party to show that Panambur is part of Mangalore. No such thing is stated in Ex. M-17. The Learned counsel for the I party also relied on Ex. M-17. Clause 5 of Ex. M-17 says that as regards Urban Agglomeration, the notification issued by the Government forming an Urban agglomeration is to be relied upon. On such formation of an agglomeration all places falling within the Urban agglomeration will be considered as one unit. In this regard, Clause 4 in Ex. M-17 says that nothing short of a Govt. notification should be relied on. The II party has not produced any Govt. notification to show that Panambur comes within the Urban Agglomeration. So it is contended by the Learned Counsel for the I party that Panambur is a separate branch by itself and does not come within the Mangalore Municipal limits and therefore Panambur branch is a 'B' category branch. This argument cannot be accepted because Ex. M-17 has been issued to give guidance in respect of payment of HRA. Ex. M-17 cannot be relied on to show that Panambur branch is a 'B' category branch.

16. To repeat myself the II party has relied on 1981 census to categories Panambur as a 'A' category branch and it won't be proper for the Tribunal, in an individual dispute, to sit in Judgment over the administrative promotional policy of II party whatever may be the nomination of Mangalore city subsequent to that period. For the aforesaid reasons, on Issue No. 2, I hold that the II party has proved that Panambur branch falls under category 'A'. So the reference has to be rejected.

17. All other documents and evidence which are not referred to me above are not relevant. In any case they do not come in the way of my conclusion reached above.

#### ORDER

Award passed rejecting the reference.

Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected signed by me on this 25th day of January 1993).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 449 :—श्रौद्धोगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार, आनंदा वैक के प्रबन्धतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में श्रौद्धोगिक शिक्षण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-2-1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या पल-12012/248/88-डी-2 (ए)]  
वी. के. वेणुगोपालन, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 448—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 8-2-1993.

[No. 1-12012/248/88-DT(A)]  
V. K. VENUGOPALAN, Desk Office

**ANNEXURE  
BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I  
AT HYDERABAD**

Present :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Chairman.

Dated the 30th day of January, 1993

I. D. No. 92 OF 1988

BETWEEN

The workman of Andhra Bank, represented by Jt. Secretary, Andhra Bank Employees' Union, Parvanya Bhavan, Opp : Reddy Hostel, Hyderabad (A.P.) .. Petitioner

**EXHIBIT 7 AND**

The Management of Andhra Bank, represented by the Chief Manager, Andhra Bank, Central Office, Guntur (A.P.) .. Respondent

**APPEARANCES :**

Sri Ch. Laxminarayana, Counsel for the Petitioner.

M/s. K. Srinivasamurthy & G. Sudha Honorary Secretaries of the Federation of Andhra Pradesh Chamber of Commerce and Industry for the Management.

**AWARD**

The reference is received from the Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-12012/248/88-D.II(A) dated 13-9-1988 to this Tribunal with the following Annexure :

"Whether the action of the management of Andhra Bank in terminating the services of S/s M. Venkata Rao and T. Krishna and not considering them for further employment while recruiting fresh hands under Sec. 25 H of the I. D. Act, is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. Notices were sent to the both parties. The workman filed individual claim statements. One Sri M. Venkata Rao contended in his claim statement that he was appointed as Temporary Sub-Staff in the Respondent Bank on 11-8-1982 in the Hindu College Campus branch and thereafter he worked in various branches at Guntur till 23-8-1985 with intermittent breaks. The petitioner submits that he was instructed to work in continuation of his temporary service as Sub-Staff as godown watchman in the Sub-Staff cadre from 25-8-1985 in the premises of the godowns belonging to M/s. Chebrolu Hanumaiyah Brothers Pvt. Ltd. The petitioner submits the respondent bank had taken the entire existing stocks stored in the godown and hypothecated to the Bank. The petitioner submits that this fact of their appointment as watchman in the Sub-Staff cadre is very much evident from letter No. 130/16/2599, dt. 28-8-85. The petitioner submits that he worked under the control of the Bank as the stocks in the godown were hypothecated to the Bank over which the Bank has substantial interest. The petitioner worked in the godown continuously without any break from 25-8-85 to 30-11-86. He worked even on Sundays and Holidays also. The petitioner further stated that he worked continuously for a period of more than 500 days and without assigning any reason his services were terminated. The termination of this individual is illegal, arbitrary and not valid under Law. Therefore the same may be set aside.

The Second Petitioner by name Sri T. Krishna filed an individual claim statement wherein he contends that he was appointed as Temporary Sub-Staff in the respondent Bank on 14-2-1983 in Guntur main Branch with intermittent breaks till 27-12-1983. He was instructed to work in the sub-staff cadre from 25-8-1985 in the premises of the godowns belonging to M/s. Chebrolu Hanumaiyah Brothers Pvt. Ltd. The petitioner submits that the Respondent Bank had taken the entire existing stocks under the lock and key and posted him to guard the stocks stored in the godown and hypothecated to the Bank. The petitioner was paid salary by the Bank on par with the bank sub-staff. He worked as watchman in the sub-staff cadre of the said godown from 25-8-85 to 30-11-86 continuously without any break. He worked more than 500 days and his removal from service is illegal and arbitrary and the same may be set aside.

3. On the other side the Respondent filed a common Counter for both the claim statements preferred by the two workmen. It is stated that the Respondent Bank was giving term loans and overdrafts to various companies and factories to carryout their business. It is the mandatory duty on the part of the borrowers to keep the hypothecated goods safe. Whenever the bank officials come for inspection, they have to open the godowns and show the stocks to the bank officials who tally the same with the various purchase orders and amounts drawn, for the purpose of ascertaining the correct position. Once the goods in the godown are hypothecated to the Bank, the borrower has to provide security to the stocks as the duty in cast on the borrower to keep the goods in safe custody in his own interest and as such, he engages the godown keepers/watchman to discharge the duties of watch and ward staff. The entire period of the two workmen who worked as Godown watchman, their salaries were paid and the amounts have been debited to the account of the party. No appointment Order was given by the bank either to M. Venkata Rao or Mr. T. Krishna to engage them as Sub-staff to look after the godowns of M/s. Chebrolu Ramaiah & Co. The salaries were paid on behalf of M/s. Chebrolu Hanumaiyah & Co. Therefore it cannot be said that the services of Sri M. Venkata Rao and Sri T. Krishna cannot be taken into bank services. The Respondent Bank has not control over the workmen. When there is vacancy they were temporarily appointed on 30-12-1986 and they worked temporarily for a period of 20 days. After the expiry of 20 days their services were terminated. Therefore there is no question of claiming Sri M. Venkata Rao and Sri T. Krishna for appointment in the Respondent Bank as Sub-Staff and the petition may be dismissed.

4. On behalf of the workmen both the workmen i.e. Sri M. Venkata Rao and Sri T. Krishna were examined and exhibits W1 to W19 were marked. Both the witnesses W. W1 and W. W2 gave evidence and spoke the contents of their claim statements and stated that they were removed from services without any valid reasons and their services may be taken back, as sub-staff of the Andhra Bank at Guntur. On behalf of the Management M. W1 and M. W2 were examined and exhibits M1 to M18 were marked. M. W1 and M. W2 gave evidence supporting their contentions as contended in their Counter. It is stated that the Chebrolu Ramaiah and Company instructed the Respondent Bank to pay the salaries to Sri T. Krishna and M. Venkata Rao and debit the same in their account, and accordingly the salaries were paid to them. And that amount was debited to the funds of Chebrolu Hanumaiyah & Co. With regard to the documents Ex. W1 is a credit facility and exhibit W2 is a letter by the Chebrolu Ramaiah & Co. to the Chief Manager of Andhra Bank, Guntur where in it was requested by Chebrolu Ramaiah & Co. to remove the watchman and release them additional expenditure as they have disposed off stock in question. Other documents are details of salaries, Registered postal receipts and also representation by the workmen to the management.

5. Arguments of the both sides are heard. The point for consideration is whether there are any valid grounds to find out the action of the management Andhra Bank in terminating the services of M. Venkata Rao and Sri T. Krishna and considering them in further employment while recruiting fresh hands is justified or not ?

At the very outset I would like to mention that dispute was raised by the workmen in question by name Sri M. Venkata Rao and Sri T. Krishna whose services were terminated by Respondent Bank further appointing them as sub-staff in the respondent bank. I have gone through the oral and documentary evidence presented before this Tribunal by both sides. Both sides agreed that absolutely it is an admitted fact that as two workmen were appointed as sub-staff by the Respondent management for temporary periods. Their services were deputed at the request of Chebrolu Hanumaiyah and Co. The salaries of the two sub-staff workmen were said from the funds of the bank and same were debited to the funds of the Chebrolu Hanumaiyah and Co. The Chebrolu Hanumaiyah and Co. addressed a letter to the management to the effect that absolutely there is no need for continuation of services of the workmen in question as there is no sufficient work for them and their services were rightly terminated at the instructions of the company. I would like to further mention that if employees in question

were employed temporarily their services can be terminated at any time after its period is over. It is another admitted fact that the workmen were not given any appointment orders by the Respondent Bank. I would like to further mention that simply because the workman in question temporarily worked for some time as sub-staff in the Respondent Bank it cannot be a right for the workmen in question to state that they are recruited in future vacancies. The recruitment was conducted by the Respondent Bank authorities on the basis of some guidelines. It is for the recruiting committee to select them or not keeping in view of previous experience. If they are not selected there ends the matter and the workmen in question will not accrue any right to press the Respondent Bank to select them or recruit them. Having considered the entire material available on record I am of the clear opinion that the Respondent management action in terminating the services of two workmen in question is justified and the workmen are not entitled for any relief.

6. In the result the action of the management of Andhra Bank in terminating the services of Sri M. Venkata Rao and Sri T. Krishna and not considering them for further employment while recruiting fresh hands under section 25-H of the I. D. Act is justified. Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer and transcribed by him and corrected by me and given under my hand and Seal of This Tribunal on this the 30th day of the January, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman

#### Appendix of Evidence

Witnesses examined for the Workmen :

1. WW-1—Sri M. Venkata Rao
2. WW-2—Sri T. Krishna

Witnesses examined for the Management :

1. MW-1—Sri Anand Madabhushi
2. MW-2—Sri V. Bhagavathi.

#### Documents marked for the workmen

1. Ex. W-1/28-8-85—Copy of the Zonal Office, Guntur letter dated 28-8-85 with regards to credit facilities a/c to M/s. Chabrolu Ramaiah and Co.
2. Ex. W-2—Photostat copy of the request letter of Ch. Ramaiah and Co. to the Chief Manager, Andhra Bank, Guntur with regards to removal of watchmen in the premises.
3. Ex. W-3/31-1-87—Representation dated 31-1-87 of M. Venkata Rao to the General Manager, Andhra Bank, Central Office, Hyderabad with regards to regular appointment as Sub-staff in the Andhra Bank, Guntur main Branch.
4. Ex. W-4—Photostat copy of the three postal receipts for sending the copies of Ex. W-3 to the Chief Manager, Andhra Bank, Assistant General Manager, Andhra Bank and General Manager (Staff), Hyderabad.
5. Ex. W-5/14-2-87—Photostat copy of the acknowledgement in respect of Ex. W-4.
6. Ex. W-6/15-12-88—Representation dated 15-12-88 of M. Venkata Rao to the General Manager Staff Department, Andhra Bank, Central Office-1, Hyderabad, with regard to regular appointment as sub-staff in the Andhra Bank, Guntur.
7. Ex. W-7/14-5-87—Representation dated 14-5-87 of K. Rama Rao Joint Secretary Andhra Bank Employees' Union to the Assistant Labour Commissioner (Central), Vijaywada with regard to illegal termination of services of Temporary employees, M. Venkata Rao and T. Krishna from the services of Andhra Bank, Guntur.
7. Ex. W-8/30-6-87—Written statement dated 3/6/87 filed by Joint Secretary, Andhra Bank Employees' Union before the Asst. Labour Commissioner (C), Vijayawada.

8. Ex. W-8/30-6-87—Written statement dated 20-6-87 filed by Joint Secretary, Andhra Bank Employees' Union before the Asst. Labour Commissioner (C), Vijayawada.
  9. Ex. W-9/8-3-88—Failure of conciliation report dated 8-3-88 of the Assistant Labour Commissioner (C), Vijayawada.
  10. Ex. W-10/6-11-86—Photostat copy of the service certificate dated 6-11-86 issued to M. Venkata Rao by the Manager (Operations), Andhra Bank, Guntur.
  11. Ex. W-11/8-11-86—Photostat copy of the service certificate dated 8-11-86 issued to M. Venkata Rao by the Manager, Andhra Bank, Patnam Bazar, Branch Guntur.
  12. Ex. W-12/24-1-87—Photostat copy of the service certificate dated 24-1-87 issued to M. Venkata Rao by the Manager, Andhra Bank, Guntur Branch.
  13. Ex. W-13—Postal acknowledgement from the Asst. General Manager, Andhra Bank, Zonal Office, Guntur to M. Venkata Rao.
  14. Ex. W-14—Postal acknowledgement from the Chief Manager, Andhra Bank, Guntur to M. Venkata Rao.
  15. Ex. W-15—Postal acknowledgement from the General Manager, Andhra Bank, Hyderabad to M. Venkata Rao.
  16. Ex. W-16—Postal receipt No. 1951 dated 9-2-87.
  17. Ex. W-17—Postal receipt No. 1950 dated 9-2-87.
  18. Ex. W-18—Postal receipt No. 1949 dated 9-2-87.
  19. Ex. W-19—True copy of salary pay order numbers pertaining to T. Krishna and M. Venkata Rao.
- Documents marked for Management
1. Ex. M-1—Current Account sheet of Chebrolu Ramaiah and Co. in Andhra Bank Ltd.
  2. Ex. M-2—Copy of the letter addressed by the Chebrolu Ramaiah and Co. to the Chief Manager, Andhra Bank, Guntur with regard to payment of salaries to watchmen.
  3. Ex. M-3/2-9-85—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  4. Ex. M-4/30-9-85—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  5. Ex. M-5/2-11-85—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  6. Ex. M-6/2-12-85—Photostat copy of the Debit Vouchers of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  7. Ex. M-7/2-12-85—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  8. Ex. M-8/2-1-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  9. Ex. M-9/31-1-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  10. Ex. M-10/28-2-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office, with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
  11. Ex. M-11/31-3-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.

12. Ex. M-12/30-4-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
13. Ex. M-13/31-5-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
14. Ex. M-14/1-7-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
15. Ex. M-15/2-9-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
16. Ex. M-16/30-9-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
17. Ex. M-17/30-10-86—Photostat copy of the Debit Voucher of Andhra Bank, Guntur Office with regard to Chebrolu Ramaiah and Co.
18. Ex. M-18/18-10-91—Copy of circular issued by the Andhra Bank, Central Office, Hyderabad with regard to Empanelment/absorption of Temporary Employees.

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

का.आ. 449 :—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक आफ बड़ौदा के प्रबन्धसंबंध के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में श्रौद्धोगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-2-1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/73/91-आई आर बी-2]  
वी.के. वेणुगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 1993

S.O. 449.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 5-2-1993.

[No. L-12011/73/91-IR (B-II)]  
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU  
MADRAS

Tuesday, the 12th day of January, 1993

#### PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc. B.L., Industrial Tribunal.  
Industrial Dispute No. 40 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Bank of Baroda, Coimbatore-18).

#### BETWEEN

The workmen represented by :

The General Secretary,  
Bank of Baroda Employees Association,  
C/o Bank of Baroda,  
82, Bank Road, Coimbatore-18.

AND

The Regional Manager (T.N. II).  
Bank of Baroda,  
82, Bank Road,  
Coimbatore-18.

#### REFERENCE :

Order No. L-12011/73/91-IR (B-II), dated 20-4-1992,  
Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru B. Narasimhan, Advocate appearing for the management, upon perusing the reference and other connected papers on record and the workmen being absent, this Tribunal passed the following :

#### AWARD

This dispute between the workmen and the management of Bank of Baroda, Coimbatore-18 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12011/73/91-IR (B-II), dated 20-4-1992 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

Whether the action of the management of Bank of Baroda (T.N. II) is justified in overlooking the seniority of 5 clerks in assigning the duties of special assistants. If not, to what relief are the workmen entitled ?

2. Parties were served with summon.

3. Inspite of several adjournments, the Petitioner-Union was absent. No representation was made on its behalf.

4. Today also, when the dispute was called, Petitioner-Union was absent. The management was represented by counsel. Hence industrial dispute is dismissed for default.

Dated. this 12th day of January, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 10 फरवरी 1993

का.आ. 450 :—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुभरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धसंबंध के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-1993 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17011/55/ 89-आई आर बी-1]

वी.के. वेणुगोपालन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 1993

S.O. 450.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 9-2-1993.

[No. L-17011/55/89-IR (B-I)]  
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 39/90

In the matter of dispute :

## BETWEEN

Shri S. K. Verma, 539, Sector 16, Panchkula, Haryana.

Versus

Zonal Manager, Life Insurance Corporation of India, Connaught Circus, New Delhi.

## APPEARANCES :

Workman in person.

Shri Naresh K. Thanai—for Management.

## AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-17011/55/89-LR (Bank-1) dated 11th January 1989 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of L.I.C. of India in terminating the services of Shri S. K. Verma, Ex-Development Officer, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The dispute was registered as I. D. No. 39 of 1990 before this Tribunal.

3. The case of the workman, Mr. S. K. Verma is that his services have been terminated by the Zonal Manager L.I.C. of India by letter of termination dated 10-5-1989. The said letter is as under :—

"We do not appear to have received any reply, to the Show-Cause Notice dated 11th March, 1989 issued to you in terms of the Schedule III to the L.I.C. of India (Staff) Regulation, 1960. I am satisfied from the records of your performance that no further opportunity falls to be given to you to conform to the expense limit in accordance with the provision of Schedule III to the L.I.C. of India (Staff) Regulations, 1960.

I, therefore, hereby order that your services as a Development Officer shall be and are hereby terminated with immediate effect in terms of the said provisions of L.I.C. of India (Staff) Regulations 1960. Salary in lieu of 3 months notice period is being paid by Sr. Divisional Manager, Jallandhar."

4. The workman has alleged that the termination of his services by the Management is an act of victimisation and malafide in view of the fact that despite a good record of service, his services were earlier terminated w.e.f. 3-2-69 on false charges. The said dispute was referred to this Tribunal for adjudication which was challenged by the Management. One of the preliminary objection raised by the Management was that the workman being a Development Officer is not a "workman" as per Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. This issue was finally decided by the Supreme Court in S. K. Verma Vs. Mahesh Chandra, 1983(2) LLJ 429 wherein it was held that the Development Officer of L.I.C. are "workman". While deciding this question, the Supreme Court also observed as under :—

"We expect Public Sector Corporation to be model litigant we do not expect them to attempt to avoid adjudication or to indulge in luxurious litigation and drag the workman from Court to Court to vindicate not justice but some rigid technical stand taken up by them. We hope that Public Sector Corporations will henceforth refrain from raising needless objections, fighting needless litigation and adopting needless postures."

Thereafter the dispute was remanded back to this Tribunal for decision on merits. The dispute was decided by my predecessor, Shri O. P. Singla by his Award dated 10-2-84 and the dismissal of the workman was set aside and he was directed to be reinstated with full back wages. The Award was as under :

"In the result of punishment imposed on the workman of dismissal from service is not set aside, on the charges framed against him by the department being held not proved. Mr. Verma will be entitled to all the back wages and shall be reinstated in service by the Life Insurance Corporation of India. He shall also have other benefits due to him on the basis that he continued to be in service of Life Insurance Corporation and his services were never terminated. The Life Insurance Corporation shall pay him Rupees one thousand as costs of this Reference and shall refund all charges recovered from Mr. S. K. Verma.

The workman was reinstated in terms of the above Award but while implementing the Award the Management did not give the benefit of promotion to the workman. Ultimately a dispute referred to this Tribunal under Section 36-A being I.D. No. 70 of 1986. My predecessor Shri Q. S. Kalra, by his Award dated 31-1-87 held that on reinstatement the workman was entitled to all benefits including promotion, as if he has never been dismissed. The Award directed as under :—

"In view of the discussion made above, it is held that the award dated 10-2-1984 given by Shri O. P. Singla the then Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, New Delhi and published vide the notification of the Government of India under the Ministry of Labour S.O. 769 dated 28-2-84 relating to reinstatement of Shri S. K. Verma, Development Officer in the Jullundur Branch of the Life Insurance Corporation of India along with the other benefits due to him on the basis that he continued to be in service of Life Insurance Corporation of India and his services were never terminated will necessarily include promotion when it became due to him. The reference is answered accordingly. The workman is awarded Rs. 500 as costs for these proceedings."

The said Award of Shri Kalra was challenged before the Delhi High Court by Civil Writ No. 1003 of 1987 by the Management and by order dated 14-5-87 the High Court gave the following clarification :

"Thus it follows that Respondent No. 3 S. K. Verma shall be entitled to consideration for his promotion to Assistant Branch Manager (Development) under regulation 7.3 of the L.I.C. (Staff) Regulation, 1960 as on such date when he became eligible for being considered for promotion, that is when the employee next junior to him was considered for promotion with these observations the Writ Petition is disposed of."

The workman's allegations are that in view of the Award and the order of the High Court he was entitled to be considered for promotion as Assistant Branch Manager in the year 1971 when his immediate junior, Shri S. P. Kalley was promoted. Instead of considering the workman for promotion in the year 1971 when his immediate junior was promoted, the Management considered his case only in 1975 as Assistant Branch Manager (Sales). According to the workman this action of the Management has clearly in violation of the Award and order of the Hon'ble High Court of Delhi.

The workman further alleged that the Management was not satisfied with this harassment caused to the workman during all these years and had become very prejudiced/biased and vindictive qua the workman and wanted to victimise the workman on one pretext or the other. To achieve this aim, the Management initiated disciplinary proceedings against the workman and punishing him differently. The workman has further alleged that he has all along been fighting in the Courts right from 1969 and had exhausted all his means and the management was bent upon victimising the workman one pretext or the other, he did not challenge those punishments to void wastage of money and energy.

The workman further alleged that the action of the management in passing various orders of decrements on 21-12-1988.

1-5-87 and also the order of decrement of five increments in connection with the alleged wrongful date of birth, is malafide, discriminatory and against the settled law and cannot be sustained.

It is alleged that the management was still not satisfied with their various actions against the workman as stated above and the management was bent upon to some how dispensing with the services of the workman. The Management served a Show Cause Notice dated 11-3-1989 requiring the workman to submit his reply. The workman moved this Tribunal against this Show Cause and a stay order was passed. The management filed a Writ Petition in the Delhi High Court against the grant of stay and the High Court disposed of this Writ Petition directing the Tribunal to hear the case afresh. On 8-5-1989 when the matter came up for hearing before this Tribunal, the then Presiding Officer was pleased to vacate the stay order granted earlier. On that day, the workman addressed a letter to the Life Insurance Corporation of India, asking for extension of time to submit his reply to the Show Cause. The Management however terminated the services of the workman by its letter dated 10-5-89 reproduced earlier.

5. The Management has contended that the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations 1960 and Schedule III are statutory and the action against the workman have been taken in accordance with the Staff Regulations. The workman has not availed of the alternative remedies available under the Staff Regulations. The Management has further contended that this Tribunal has no territorial jurisdiction as the workman was employed at Jalandhar. The provisions of Section 25-F or other provisions of the Industrial Disputes Act are not attracted and the termination in question is punished by way of disciplinary action.

On merits the Management contended the Schedule III of the Staff Regulations provide special provisions relating to Class II Development Officers. The Schedule provides the expense ratio to the premium received by the Corporation in respect of the business secured by Development Officer. The workman did not procure any business as per the criteria laid down in Schedule III. The Management first took disincentives and decrement of three steps on 21-12-1985 and 1-5-87 were within the frame work of Staff Regulations. According to the Management the workman did not challenge the same in respect of his procurement of business and consequently his services were terminated in conformity with the criteria laid down in Schedule III. Various allegations of victimisation and malafide were denied.

6. Both the parties have filed affidavits in support of their stand L.I.C. has filed the affidavits of Mr. M. P. Trehan and Mr. K. K. Sharma while the workman has filed his own affidavit. The deponents have been cross-examined at length.

The objection relating to territorial jurisdiction has no substance. While it is true that the workman was employed at Jalandhar, it is to be noted that the letter of termination was issued by the Zonal Manager from New Delhi. That being the section the Tribunal at New Delhi has jurisdiction to adjudicate this dispute.

Another objection raised is that he has not exhausted the alternative remedy under the Regulations. Firstly the Tribunal under the Industrial Dispute Act is not circumscribed by such technicalities and secondly the workman has asserted that no useful purpose would have been served by his making any representation as the management wanted to victimise him. He has also challenged the applicability and validity of the Schedule III. But in these proceedings it is not necessary to consider these intricate questions of law as to the validity of Regulations or Schedule III.

There is thus no force in the preliminary objections raised by the Management and the same are rejected.

7. The basic question for determination is whether before terminating the services of the workman, which admittedly is an act of punishment, the principles of natural justice have been observed. The Management issued a show cause notice dated 11-3-1989 to the workman. No reply was submitted by the workman till 8-5-89 when the case initiated by the workman earlier in this behalf came up before this Tribunal. The injunction granted by the Tribunal earlier was vacated

by this Tribunal on 8-5-1989 in the light of the order of High Court dated 17-2-89. The workman has asserted that on that date he handed over to Mr. K. K. Sharma letter dated 8-3-1989 addressed to the Zonal Manager, L.I.C. seeking extension of time by one week for submission of his reply to the Show Cause Notice. The said letter of 8-3-1989 reads as under :—

"The Zonal Manager,  
L.I.C. of India,  
Connaught Circus,  
New Delhi.

Subject :—Show Cause Notice of dated 11th March, 1989.

Sir,

This is to inform your goodself that the stay order of the above notice where the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi granted me has been vacated by the Hon'ble Court today the 8th May, 1989. It is requested, that the time for submission reply of "Show-cause notice" may kindly be extended for a week. In the meanwhile it is humbly requested that this case is not a simplicitor as envisaged in the L.I.C. State Regulation and as such it would be in the interest of natural justice to appoint as E.O. to investigate the matter thoroughly or it will be so nice of your goodself to give me personal hearing to avoid further litigation. I am giving this letter to Mr. K. K. Sharma A.A.O. of your office to deliver the same to your goodself, since Mr. Sharma is present before this Hon'ble Court.

Thanking your honour.

Dated : 8th May, 1989.

Yours faithfully,  
(S. K. Verma)  
Workman

Copy of Hon'ble C.G.I.T.-cum-Labour Court, New Delhi for information please.

S. K. Verma".

A copy of this letter was marked to this Tribunal and it bears an endorsement.

"place on record.  
Sd/-

Dated : 8-5-1989,  
P.O."

Receipt of this letter has been denied by Mr. Sharma. Mr. Sharma in his affidavit has repeatedly asserted that the workman never handed over to him any letter much less a letter on 8-3-1989 allegedly addressed to the Zonal Manager. Mr. M. P. Trehan has in para 10 of his affidavit stated that the workman never requested for grant of extension of time to file or reply to show cause notice. Without referring to the letter of 8-3-1989, he has denied receipt of that letter. He is the Senior Branch Manager of L.I.C. at Jalandhar City. His evidence is of no consequence as the letter was neither said to have been delivered to him nor was it addressed to him.

The oral testimony of the workman and Mr. Sharma is diametrically opposite. It is an oath against oath and would have been difficult to determine who is telling the truth but the position in this case is different. The enforcement of the Tribunal on this letter of 8-3-1989 on the same date that the same be placed on record to decide. The letter of the workman clearly states that it is being handed over to Mr. Trehan who was said to be present in the Court and a copy placed on record of the Tribunal. Hearing of the stay matter by this Tribunal on 8-5-89 is admitted. Mr. Sharma in his affidavit has not denied his presence before the Tribunal. The workman has stated that after the Tribunal vacated the stay on 8-5-89 he addressed the letter to the Zonal Manager and handed it over to Mr. Sharma who was present in the Court. The statement of Mr. Sharma to the contrary does not inspire any confidence.

I have therefore no hesitation in holding that the letter dated 8-3-89 addressed by the workman to the Zonal Manager L.I.C. was handed over to Mr. K. K. Sharma, A.O. (Legal) North Zone Office, New Delhi on 8-5-89.

The next question that arises is what is the effect of this letter? The affidavits of Mr. Trehan and Mr. Sharma are limited to the assertion that the request for grant of extension of time was not received. They do not say of what would have been the effect if such a request was in fact received. It is the case of the Management that termination of service of the workman is by way of punishment. That being the position it was necessary to give reasonable opportunity to the workman to defend himself qua the allegations levelled against him in the show cause notice dated 11th March, 1989. It is also the admitted position that after the first show cause notice dated 25-6-1988/4-7-88 a stay was granted by this Tribunal on 29-7-88 against the implementation of that notice. The said order was stayed by the High Court on 17-2-89. Thereafter notice dated 11-3-1989 was issued by the Management. The said order was set aside by the High Court on 25-4-89 and the matter came up before this Tribunal on 8-5-89 when the workman made an application for grant of extension of time by one week. Whatever may be the management's view on the legal steps taken by the workman but after the matter was finally disposed of by the High Court and later taken up by the Tribunal the workman had asked only for a week's extension. This cannot be termed as an unjust or unreasonable request. It appears that the Management somehow wanted to hurry up and remove the workman from service. It is because of that desire that instead of accepting just request, it terminated his services, admittedly as a punishment, on 10-5-89.

It is here that the background of relationship between the parties become relevant. He was earlier dismissed in 1969 and after a protracted litigation upto Supreme Court the said dismissal was set aside and the workman was reinstated. It is clear from the record that the Management found it difficult to reconcile to the fact of its action having been set aside. Despite the fact that the Award of this Tribunal under section 36-A and the clarification of the High Court, the Management avoided to give workman the benefit of promotion as a consequence of reinstatement. The High Court in its judgment dated 4-5-87 had clearly held that the workman shall be entitled to consideration for his promotion as on such date when the employee next junior to him was considered for promotion. It is on record that one Shri S. P. Kailev, who was immediate junior to the workman, was promoted in 1971. Thus the workman ought to have been considered for promotion in 1971, as after his reinstatement he is deemed to have been in service throughout. He was given his regular increment allowed him to cross efficiency bar during this period. The Management instead of considering his case on the basis of 1971 eligibility considered his case only in 1975. This clearly reflects malafide of the Management. This and other acts of the Management indicates that the Management was offended with the workman acted in a malafide manner to victimise him. I thus hold that the Management passed the order dated 10-5-89 terminating the services of the workman in hot haste as an act of victimisation. As the action is not bona fide the same is liable to be set aside. L.I.C.'s order dated 10-5-89 terminating the services of Shri S. K. Verma the workman is set aside and he is directed to be reinstated with full back wages and continuity of service. The Parties shall bear their own costs.

January 29, 1993.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

का.आ।. 451 :— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन धीमा निगम के प्रबल्लशंत के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनवन्ध में निर्विघ्न औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अद्रमदावाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-1993 को प्राप्त हथा था।

[संख्या पाँच-17012/4/90-आई आर थी-2]

वी. के. वेणुगोपालन, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 1993

S.O. 451.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen which was received by the Central Government 9-2-1993.

[No. L-17012/4/90-IR-B-II]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI A. B. PATEL, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
AHMEDABAD

Reference (ITC)No. 34 of 1990

#### ADJUDICATION

#### BETWEEN

Life Insurance Corporation, Surat.

#### AND

The workmen employed under it.

In the matter of reviewing the order of Censure, issued by the Divisional Manager, Surat to Shri N. V. Mistry, Cashier, Surat City Branch etc.

#### APPEARANCES :

Shri M. J. Sheth, Advocate—for the first party.

Shri Iqbal Patel, Advocate, for the second party.

#### AWARD

An Industrial dispute has been referred for adjudication under section 10(1) of the I.D. Act by the first party Divisional Manager, LIC of India, Surat Divisional Office, Surat versus second party General Secretary, LIC Employees' Corporation, Association, Jivan Prakash, Mugaldhara, Surat-395003 to the Industrial Tribunal, Ahmedabad under Order No. DN = 170-2-5-90 IR dated 5-6-90 by the Desk Officer, Labour Department, New Delhi. Subsequently it has been transferred to this Tribunal under an appropriate order.

The exact nature of demand is as under :

"Whether the action of the Zonal Manager, (Western Region) LIC of India Bombay in reviewing the order of Censure, issued by the Divisional Manager, Surat to Shri N. V. Mistry Cashier, Surat City Branch and instructing the Disciplinary Authority to initiate proper departmental proceedings remitting back to the Disciplinary Authority and imposition of the punishment of stonning of one increment by the said Disciplinary Authority, is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled and what directions are necessary in the matter?"

2. Ex. 3 is the statement of claim filed by the second party i.e. LIC Employees Association, Surat, the contents of which are as follows :

Shri N. V. Mistry, the then Cashier has been served with a show notice dated 3-5-85 (Ex. 1) on the charge that he has issued R. No. 2917 for Rs. 15/- in the name of Smt. B. S. Shah being the cost of licence fee stamps and failed to account the same in the cash book which was against the provisions of the LIC of India Staff Regulations, 1960 and as such he was asked to reply within seven days failing which disciplinary action would be taken against him. He has filed his reply dated 9-5-85 as per Ex. 2. Thereafter a penalty of censure imposed on Shri N. V. Mistry by the then Sr. Divisional Manager, Surat and enquiry proceedings were initiated against him by the Sr. Divisional Manager on 18-12-85 as per the direction of Zonal Manager (W.Z.) the appellate authority. Thereafter the Sr. Divisional Manager imposed one more penalty of reduction of Basic Pay by one stage, vide his order dated 11-1-88 Ex. 3 Shri Mistry had made appeal against the said order to the Zonal Manager (W.Z.) which has been

rejected vide order dtd. 22-4-88 Ex. 5. He has also not considered Shri Mistry's request to pass an order to withhold the implementation of order of penalty till the outcome of his appeal. Shri Mistry against appeal to the Chairman, LIC of India on 2-6-88 Ex. 6 which was also rejected vide order dated 18-2-89 Ex. 7. Thereafter the Association raised an industrial dispute before the Asstt. Labour Commissioner (C) Ahmedabad on 18-9-89 Ex. 8. The conciliation proceedings ended into failure as per Ex. 9. It is an elementary principle of law that no one should be consistently in fear for all times when Competent Authority takes a particular decision, that decision is not susceptible of reconsideration. Before issuing the censure order dated 1-7-85 the management held a preliminary enquiry on and on the basis of the preliminary enquiry report a show cause notice was served to Shri Mistry and after considering his reply a censure order dated 1-7-85 was issued to Shri Mistry by the Competent Authority. In the case reported in A.I.R. 1960 All 164 between Harbansl Arora Vs. Divisional Superintendent, Central Rly. the Supreme Court has held that by giving no penalty or lesser penalty than that cannot be reconsidered subsequently, vitiated the most solemn proceedings. Section 49(i)(c) of the Staff Regulations empowers the Corporation to remit the case to the authority directing further action or enquiry. As per regulation 48(2) the Zonal Manager is empowered to review the case and enhance or decrease the penalty but it cannot remit the case back to the Disciplinary Authority to start a fresh enquiry. Thus the order of Zonal Manager is illegal and unjustified. By the order dated 23-1-88 the Divisional Manager LIC of India, Surat withheld the implementation of penalty order dated 11-1-88 of imposing another penalty of reduction of a basic pay by one stage as per Ex. 10 which was rejected the penalty was implemented w.e.f. January '85. Thus it is contended that Shri Mistry is in continuous heavy financial loss. Moreover Shri Mistry has not been confirmed in the cadre of Section Head after six months of promotion. He was promoted in the year 1985 and he was denied further future promotions. Thus it has prayed this Hon'ble Court to grant the following relief.

- (a) To declare the imposition of second penalty i.e. reduction of Basic Pay by one stage after having imposed the penalty of Censure, as illegal.
- (b) To direct the Divisional Manager, LIC of India, Surat D.O. to rectify the Basic pay by restoring the one stage.
- (c) To direct the LIC management to refund the wages so deducted from 1-1-89 with interest @ 12 per cent.
- (d) Any other relief to which the Hon'ble Tribunal thinks fit.

3. By Ex. 4 the Vakalatnama of Shri M. J. Sheth has been filed by Shri A.K. Desai Manager (L&M Deptt.) LIC of India, Surat D.O. By Ex. 5 Vakalatnama of Shri Iqbal Patel has been filed by the President of the LIC Employees Corporation Divisional Office Surat has filed written statement the contents of which are as under:-

It is contended that the statement of claim are not true and are not admitted by the Corporation. The reference is legally not tenable and deserves to be rejected. The Corporation is a statutory Corporation established under the Life Insurance Corporation Act, 1958 hereinafter referred to as the Act. The Corporation has to discharge functions on commercial principles and develop insurance business to the advantage of the State as it is a "State" within the meaning of Article 12 of the Constitution of India. Section 49 of the Act framed regulations to provide for recruitment of staff etc. and Section 48 empowers the Central Government to frame rules to provide for terms and conditions of service of the employees of the Corporation which was originally vested in the Corporation. In 1981 the Act was amended to give the said 429 GI/93--12.

power to the Central Government. Under the amended Act the Central Govt. is empowered to lay down the terms and conditions of service of the employees of the Corporation by framing rules. The regulations framed by the Corporation under section 49 of the said Act are deemed to be rules framed by the Central Government in terms of the provisions of the said Act as amended in 1981, and these rules are binding on all the employees and other authorities. The Corporation had agreed that Shri N. V. Mistry was working at the relevant time as a Cashier in Surat City Branch No. 4 and he had issued miscellaneous receipt of Rs. 15/- towards the Licence fee stamps and had not entered into respective cash transactions. He had made certain changes in the official records. The said miscellaneous receipt was treated as cancelled and an amount of Rs. 15/- was adjusted out of deposit amount of Rs. 552/- under BOC No. 435577 dated 14-3-85 towards pending proposal. The Divisional Manager, Surat had treated the matter as closed by letting off the cashier with minor penalty of censure. Issuing the miscellaneous receipt without entering the transaction in the cash book and tampering with the official records are serious matters. No proper procedure of issuing charge sheet conducting enquiry etc. was not followed by the disciplinary authority. After reviewing the case the Disciplinary authority was instructed to take appropriate departmental proceedings against Shri Mistry under section 48 of the regulation of the LIC of India (Staff) Regulations, 1960. Accordingly Shri Mistry was charge-sheeted and on his denial of the charges an enquiry was conducted. The enquiry officer absolved Shri Mistry of the charge of receiving cash of Rs. 15/- under M.R. No. 2917 on 13-3-85. Shri Mistry was given further opportunity to defend his case. The enquiry officer found him guilty of the charges levelled against him. Accordingly the Disciplinary Authority passed an order imposing upon Shri Mistry the penalty of reduction in basic salary of one stage under an order dated 11-1-1988 and it is subsequently confirmed by the Chairman. The Corporation has admitted the facts submitted in the statement of claim Ex. 3 in paras 1 to 5. With regard to the LIC of India, (Staff) Regulations, 1960 the Corporation has submitted that regulation 39 of the Act empowers the disciplinary authority to initiate action and impose penalty upon the employees who commit breach of discipline or are guilty of any other act prejudicial to good conduct. So the contention of the second party that the zonal manager is not a competent authority to initiate action is not correct. The decision in the case reported in Harbansl Arora vs. Divisional Supt. Central Railway in AIR 1960 Allahabad 164 is not applicable to the facts of the present case.

4. The Corporation has admitted the fact that Shri N. V. Mistry was working at the relevant time as a Cashier in Surat City Branch No. 4 and had issued misc. receipt for Rs. 15/- towards licence fee and failed to make proper entry for the same in the cash book. He has made certain changes in the official records by treating the receipt as cancelled and adjusting Rs. 15/- with the deposit amount of Rs. 552/- under BOC No. 435577 dated 14-3-85 towards pending proposal. After proper enquiry the Divisional Manager had closed the matter by imposing minor penalty of censure upon Mistry. However, issuing misc. receipt without proper entries in the cash book and tampering with the official records are serious misconduct. So the Zonal Manager after proper verification of the relevant official records and reviewing the censure order instructed the Disciplinary authority to initiate proper departmental proceedings against Shri Mistry. Accordingly Shri Mistry was charge-sheeted on 17-1-86 and upon his denial of the charges departmental enquiry was conducted against

Mistry and found him guilty of the charge of tampering with the official records and for misappropriating an amount of Rs. 15/- . The Disciplinary authority concurred with the findings of the enquiry officer and after giving show cause notice punished him by reducing his basic salary of one stage by an order dated, 11-1-88. This is confirmed by the zonal manager vide his order dated 22-2-88 and by the chairman vide his memo dated 18-2-89. The Corporation has denied that Shri Mistry is in continuous heavy financial loss and as also reduction in basic pay by one stage of Shri Mistry amounts to second penalty. As such the Corporation has prayed this Tribunal to hold that the Union is not entitled to any of the reliefs as prayed and the reference deserves to be rejected.

5. By Ex. 74 the Association is examined by Shri Mistry on the point of legality and propriety of the enquiry proceedings. By Ex. 76 the Association examined one Shri M. U. Auditor, President of the LIC Employees Association on the point of legality and propriety of the enquiry proceedings. By Ex. 77 the advocate of the Association has stated that he does not want to lead any oral evidence in this matter. Thereafter by Ex. 78 the learned advocate of the first party LIC Shri M. J. Sheth has stated that the LIC does not want to lead any oral evidence in this reference. Thereafter by Ex. 79 the learned advocate of the second party LIC Employees Association has stated that he had admitted the legality and propriety of the enquiry proceedings produced by the Corporation. By Ex. 63 Shri Patel also stated that he has admitted the proceedings by getting the legal and factual aspect.

6. Thereafter I have heard Shri Iqbal Patel for the second party LIC Employees Association. Shri Patel has contended before me that the concerned workman Shri N. V. Mistry was working as a cashier since last 18 yrs, with the Corporation. The date of incidence is 13-3-85. On that date the LIC Agent M/s. B. S. Shah had come to the counter and had requested the cashier to accept his agency renewal form and in good faith Shri N. V. Mistry had accepted the form of M/s. B. S. Shah and in good faith he had issued MR No. 2917 dated 13-3-85. Though Shri Mistry had issued receipt he had not collected the money and through MR remained one record no transaction was entered into the cash register. When trial balance was prepared the mistake was detected. Since the mistake was committed by Mistry a show cause notice Ex. 25 was issued against him. Shri Mistry has replied to the show cause notice by Ex. 24 on 23-4-85 to the effect that it was not his intention to misappropriate the paltry amount of Rs. 15/-. By taking into consideration his reply the Divisional Manager had imposed a punishment of censure by his order dated 1-7-85. Ex. 27. Thereafter the Zonal Manager had reviewed the punishment order and by his order Ex. 28 dated 18-12-85 the Zonal Manager had remanded the matter back to the Divisional Manager with a specific instruction and for issuance of charge sheet and for conducting proper enquiry as per principles of natural justice. Thereafter domestic enquiry was conducted by Shri R. B. Dodi enquiry proceedings have been produced at Ex. 63. Ex. 64 is the finding of the enquiry officer. By Ex. 67 the punishment order imposing penalty of stoppage of one increment was passed against the concerned workman Shri N. V. Mistry. By Ex. 68 had drafted the departmental appeal before the Zonal Manager. That appeal was rejected. Thereafter by Ex. 70 Shri Mistry had submitted a representation to the Chairman of LIC, but it was also rejected. Shri Iqbal Patel has contended very vehemently that the order of the Zonal Manager for review under Regulation

48 to review the order of the Divisional Manager. The review power is only vested with the Corporation. Shri Iqbal Patel has also contended that punishment inflicted upon the concerned workman Shri N. V. Mistry is too harsh because Shri Mistry has not committed a gross offence of tampering with the record. He has tried to rectify the mistake as per the instruction of his superior officer and the rectification process was resorted to in knowledge of the superior officers.

7. Shri Iqbal Patel has also contended that the concerned workman had issued MR 2917 dated 13-3-85 without collecting Rs. 15/- from M/s. B. S. Shah in good faith on 13-3-85. There was heavy rush on the counter because average transactions are 80 and on that day there were 128 transactions. As there was heavy rush another counter was provided. On 14-3-80 delinquent employee was on leave as per application Ex. 16 for his social work. So it had diverted from his mind to collect Rs. 15/- from M/s. B. S. Shah and M/s. B. S. Shah has also forgotten to send Rs. 15/- after coming home. When the trial balance was drawn on second or third week of 1985 mistake was detected by Shri P. V. Modi. Shri P. V. Modi had reported the matter to the Branch Manager and Asstt. Branch Manager. Shri Mistry was called upon to submit his explanation and Shri Mistry has submitted his explanation for his reply at Ex. 24. Shri Mistry has contended that it was a simple mistake and there was no intention on his part to misappropriate the small amount of Rs. 15/-. Considering his reply the Divisional Manager vide Ex. 27 had imposed a penalty to censure only and thereafter by an order Ex. 28 the Sr. Manager had re-opened the matter and by exercising his power on reviewing the matter he had remanded the matter back to the Divisional Manager with specific instruction to issue charge sheet and for conducting departmental enquiry against the concerned workman. The charge-sheet Ex. 30 was given to the concerned workman and the concerned workman had reply to the charge sheet by his reply at Ex. 55. The Divisional Manager has not considered the replies of the concerned workman because his mind was closed as the matter was remanded by the Zonal Manager. The Divisional Manager has failed to exercise his independent mind and the Divisional Manager has not considered the aspect that the rectification process was carried with the knowledge of his superior officer and it was not his intention to tamper with the records. There is difference between the tampering with the records and rectifying process to rectify the mistake. In rectification the intention of mischief is not there. Mensrea is also absent, only bona fide is corrected. While the tampering of the record indicates playing mischief with the record behind the eye of the superior officers. In tampering of the record mensrea is involved. The intention of guilt is also there. In the earlier show cause notice the allegation is mentioned. In the charge sheet it is not there. The tampering with the record was included in the charge sheet only and this was done as an after-thought. All those charges were not there in the show cause notice and the same authority had issued charge sheet and some allegations are proved. The allegation of tampering with the record was included. The Divisional Manager cannot throw the burden on the concerned workman because the rectification process was resorted to with the knowledge of his superior officers. So far as this charge is concerned, the finding of the enquiry officer are perverse. The rectifying process was undertaken with the knowledge and connivance of all the superior officer and the concerned workman was directed to cancel the MR and so he had cancelled it. It is baseless that the concerned workman had tampered with the record. Stoppage of one increment with cumulative effect is a gross punishment and that punishment is disproportionate to the lapses which has been committed by the concerned workman. So this reference be allowed and punishment order be set aside.

8. The learned advocate appearing on behalf of the first party LIC Shri M. J. Sheth has contended before me that as per the terms of reference Ex. 1, the Tribunal has been referred as to whether the action of the Zonal Manager (WR) LIC of India, Bombay. In the review order of censure issued by the Divisional Manager, Surat to Shri N. V. Mistry the cashier Surat City Branch had instructed the Disciplinary authority to initiate proper departmental proceedings remanding that to the Disciplinary authority and re-imposition of the punishment of stoppage of one increment by the said Disciplinary authority is legal and justified? If not to what relief the workman is entitled and what directions are necessary in the matter? Shri Sheth has submitted before me that the order of reference is composite order and the Tribunal has given to decide both the aspects. The concerned had issued MR 2917 dated 13-3-85. Even though he had not collected the amount of Rs. 15 from M/s. B. S. Shah. The concerned workman should have deposited the amount of Rs. 15 from his pocket, but the concerned workman had not done like that, and he had tampered with the record which is a grave offence. Shri Sheth has also contended that Zonal Manager has passed the review order as legal and proper and as the concerned workman has committed a gross offence of tampering with the record the punishment inflicted upon the concerned workman of stoppage of one increment with cumulative effect is legal and proper and this reference should be rejected.

9. Shri M. J. Sheth has cited a case law of 1991 (2) LLJ p. 550 between P. Dhanraj & Civil Supplies Corporation Ltd. and other and has drawn my attention to the observation as made by the High Court of Madras in para 70. Shri Sheth has contended that after about 4 months the Disciplinary authority cancelled the punishment of censure and by an order the departmental enquiry based on Rule 18 of the Civil Supplies Corporation Services Rule is conducted and contention of Shri Iqbal be rejected. Shri Sheth has also submitted before me that the concerned workman has committed 5 charges as mentioned in the charge sheet and so the punishment order as inflicted upon the concerned workman is quite legal and proper and this reference be dismissed.

10. So far as the legal contention of Shri Iqbal that the review order of Zonal Manager is quite illegal and improper, I would like to refer to the Regulation No. 48/2 of the LIC Staff Regulation, 1960. As per Regulation No 48(2) the authority to which an action against the order imposing any of the penalties specified in Regulation No. 39 lie may of its own motion or otherwise or for the records of the case in a disciplinary proceedings from a review order passed in such a case and pass such an order as it deem fit as if the employee had preferred an appeal against such an order. Considering the provision of Regulation 48(2) and considering the case law cited by Shri M. J. Sheth I come to the conclusion that the review order passed by the Zonal Manager is quite legal and proper and this plea is hereby rejected. So far as the tampering of the record is concerned, I would like to refer to the report of the enquiry office which is at Ex. 64, at page 6 of the report the enquiry officer has observed as under :

"However I may mention here that though delinquent employee has played a major role and cause for the starting point, it is not an afterthought by one man only without the knowledge of his superiors for action taken after the mistake was detected."

"That the proposed penalty as stated hereunder above is imposed upon the concerned workman Shri N. V. Mistry and he is directed to show cause in writing within a period of 15 days from the date of this show cause notice as to why aforesaid penalty be not imposed upon him. Thereafter the concerned workman has submitted a reply to the show cause notice vide Ex. 66 and the punishing authority has observed that his reply was not satisfactory but he had not given reason as to why the reply of the concerned workman is not satisfactory. The enquiry officer has observed as mentioned above to the effect that the concerned workman Shri N. V.

Mistry is directed to show cause in writing within a period of 15 days from the date of this show cause notice as to why aforesaid penalty be not imposed upon him. Thereafter the concerned workman had submitted a reply to the show cause notice vide Ex. 66 and the Divisional Manager vide his order Ex. 67 has observed that his reply was not satisfactory but he had not given reason as to why the reply of the concerned workman is not satisfactory. The enquiry officer has observed as mentioned above to the effect that the concerned workman has not tampered the record without the knowledge of his superior officer and the Divisional Manager has accepted the finding of the enquiry officer and Divisional Manager has relied upon the report of the enquiry officer, but it is very strange that the Divisional Manager has not issued any show cause notice to the superior officer i.e. Asstt. Branch Manager, Shri V. D. Desai. At least the Divisional Manager should have passed or issued censure order against Shri V. D. Desai but the Divisional Manager has taken action against the concerned workman. So it can be said that management has resorted to unfair labour practice. There is carelessness on the part of the concerned workman, but there is no economic loss to the LIC. The concerned workman was working since last 18 years and his past service is clean and spotless. So I come to the conclusion that the punishment of stoppage of one increment with cumulative effect is too harsh and disproportionate to the lapses committed by the concerned workman Shri N. C. Mistry. If this punishment is imposed it will result in gross financial loss to the concerned workman. So I am of the view that punishment of stoppage of one increment be set aside and punishment of stoppage of one increment only for two years be inflicted so that justice will be shown to both the parties. With that observation I pass the following order.

#### ORDER

This reference is partly allowed. The punishment of stoppage of one increment with cumulative effect is set aside and the punishment of stoppage of one increment only for 2 years is inflicted upon the concerned workman. The difference if any will be payable to the concerned workman because of this Award. I direct the LIC to pay the difference of pay to the concerned workman within a period of one month from the date of publication of this Award by the Central Government. No order as to cost. This award is to be effective from the date of publication of this Award by the Central Government.

N. N. PATEL,

SECRETARY,

Ahmedabad, 21st January, 1993.

A. B. PATEL, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

का.आ. 452.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत कोर्किंग कोल लिमि. की शिजुआ क्षेत्र सं. 5 के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/21/85-ई-3(ए) ग्राइंडर (कोल-I)]

एच.री. गोड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 1993

S.O. 452.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Sijua Area No. V of M/s.

B.C.C.L., and their workmen which was received by the Central Government on 9-2-93.

[No. L-20012/21/85-D.III(A)/IR(Coal-1)]  
HARISH GAUR, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD

##### PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

Reference No. 39 of 1986

##### PARTIES :

Employers in relation to the management of Sijua Area No. V of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

##### APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 29th January, 1993

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(21)/85-D.III(A), dated, the January, 1986.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh that the date of birth of Shri Kailashpati Sinha, retired Clerk in Sijua Area Office of M/s. Bharat Coking Coal Limited, should be treated by the management as on 31-1-1928 and not as 1-9-1923 which was stated to have been declared by him at the time of his appointment, is justified? If so, whether his case should be referred to the Medical Board of the management for reassessment of his age and for giving him on the basis of such reassessment relief, if any, due to him?"

2. Shri Kailash Pati Sinha, the concerned workman was admittedly appointed in October, 1971 in Mudidih Colliery of M/s. B.C.C.L. It is further admitted case of the parties that he was a clerk and in the same capacity he was superannuated with effect from 1-5-84 on the basis of the age recorded in Form B Register. In Form B Register his date of birth was recorded as 1-1-1923. Now the concerned workman is disputing the said date of birth and according to him his real date of birth was 31-1-1928 and the management should have superannuated him in the year 1988 after completing 60 years of age.

3. The concerned workman claimed that he was appointed as clerk on 1-10-71 on the basis of Land Survey Certificate issued by the Secretary, Government Survey School Barauli, District Saran wherein his age was shown as 17 years 5 months on 30th June, 1945. According to certificate he was born in the year 1928. He further claimed to have been issued identity card under the signature of the Personnel Manager showing his age as 48 years on 1-1-77. This means he was born sometimes in the year 1929. On these grounds he claimed that he was made to retire atleast 4 years earlier resulting in a great financial loss to him. Accordingly he has moved that the date of birth be treated as 31-1-1928.

4. It was submitted on behalf of the management through the W.S. that the concerned workman at the time of his appointment in the year 1971 had declared his date of birth as 1-9-23 which was recorded in Form B Register of Mudidih Colliery but he at the time of his transfer from Mudidih colliery to Area office in the year 1973 manipulated things to suit him and got his date of birth entered in Form B Register in Area Office as 31-1-1928. At the time of distribution of identity card he was in the area office and he managed to get the similar entry made in the identity card showing his date of birth as 31-1-1928. It was further stated that Form B Register is a statutory Register maintained under the Mines Act at each colliery and the necessary entries are made including the date of birth and the individual employees put their signature or the L.T.I. against such entry in token of its correctness. It was submitted that after putting signature no employee should be permitted to deny the entries so made. It was urged that the concerned workman has got no case and the award should be made accordingly.

5. The point for consideration is as to which of the 2 dates namely 1-9-1923 and 31-1-1928 should be treated the date of birth of the concerned workman or whether his is the case fit to be referred to the Apex Medical Board of the management.

6. According to the management the whole and sole responsibility has been thrust upon the concerned workman and it was contended that it is he who got the things manipulated in his favour after his transfer from Mudidih colliery to Area office. This sort of contention can be hardly appreciated. In this connection I may refer to the evidence of Shri N. Prasad working as Legal Assistant in Area No. V Sijua. He had brought Form B Register in original wherein the name of the concerned workman appear against Sl. No. K/8. His date of birth has been recorded as 1-9-1923. The photo copy of the relevant entry of the register has been marked Ext. M-1. The witness has also proved the photo copy of the JBCCI circular No. 76 marked Ext. M-2. In cross-examination he stated that Form B Register is maintained in the personnel department of the colliery. It is the Personnel Officer of the colliery who is the custodian of the Form B Register. Here the question arises as to how a mere clerk can manage the things in his favour when the Form B Register is kept in the custody of the Personnel Officer. I have looked to Form B Register wherein the date of birth of the concerned workman has been noted as 1-9-1923. Originally it was written as 9-1-1923. But it was penned through. It was pointed out that there is no initial or the signature of the dealing clerk on the overwriting. I do not think that this cutting can be of any help to the workman because his year of birth has been recorded as 1923. No doubt the signature of the concerned workman also find mention under Col. 9 of the Form. It was pointed out that the concerned workman had agreed to the entry made in Form B Register and in token of its correctness he had put his signature and in the circumstance now he cannot be permitted to dispute all these entries. The contention may be appreciated. But at the time the document filed by the concerned workman also cannot be ignored completely. If Form B Register Ext. M-1 was prepared at the time of initial appointment of the concerned workman then entries in subsequent in Form B Register was also expected to have been on the basis of previous Form B Register. But according to the management the concerned workman after his transfer from Mudidih colliery to the area office in the year 1973 manipulated the things and got his date of birth entered in Form B Register as 31-1-28. I fail to understand as to how this happened. If the clerks are in the habit of getting things manipulated in their favour in such easy manner then the blame must be given to the authority of the management and specially to the Custodian of the Form B Register.

7. I may refer some other documents filed by the management. Ext. W-3 is the retirement notice given to the concerned workman and Ext. W-4 is the reply submitted by the concerned workman with the General Manager, BCCL Sijua Area wherein the concerned workman has taken recourse to his certificate granted by the Survey School of Examination and the identity card issued by the manage-

ment. Ext. W-5 is the reply of the letter dt. 2-5-84 of the concerned workman wherein it was pointed out that the concerned workman was made to retire on the basis of the entry made in Form B Register.

8. I would like to refer some of the documents filed on behalf of the workmen. Ext. W-1 is the certificate duly granted by the Secretary, Government Survey School Bagheji, Barauli, Dist. Saran. That was the certificate issued in the year 1956 showing that the concerned workman in the month of June, 1985 was aged 17 years 5 months. This means he was born sometimes in the year 1928. According to the management this certificate had been manufactured by the concerned workman to help his case. *Prima facie* I find no reason to disbelieve this document. Further question arises that the concerned workman was expected to have shown or produced this document at the time of his initial appointment. The learned counsel for the management contended at this stage that there was no reason for the dealing clerk to refuse entry on the basis of the alleged certificate if at all it was produced by the concerned workman. This contention also seems to have got some force. But the whole question is that it is very difficult to decide at this stage as to who was at fault, whether the dealing clerk was unmindful in nothing the date of birth carefully or the concerned workman had not produced this paper before the authority concerned. But the fact remains that this document (certificate) belongs to the concerned workman which was granted by a competent authority. The next document is Ext. W-2 the photo copy of the identity card. The identity cards are issued to the employees of the coal mines just for the sake of identification but we find that there are certain other entries which can not be ignored. Under Ext. W-2 there is mention of the date of birth of the concerned workman. He has been shown to be aged 48 years on 1-1-77. This means he was born in the year 1929. His C.M.P.F. No. D/524671 has also been shown. According to the management this identity card and its relevant entries were managed by the concerned workman. In my opinion all these are lame excuses. The identity card are issued under the signature of responsible officer of the management. WW-1 Shri Kailash Pati Sinha the concerned workman has stated that the identity card was issued to him by the management. The cross-examination will further reveal that he was possessing the original identity card which he produced before the learned cross-examining lawyer at the time of cross-examination. Before issuing such identity card it was the responsibility rather bounded duty of the authority concerned to verify the correct date of birth of the individual workman. From the cross-examination it appears that he had read upto Class X and he was a bonafide student of S. S. High School Bhagawanpur. His name was also written in the School Register. The learned counsel for the management wanted to derive at that necessary certificate of the school should have been produced by the concerned workman. I find that the concerned workman has atleast produced 2 important document showing that he was born in the year 1928. If the management had any serious doubt about genuineness of his date of birth the necessary school register should have been called for by the management.

9. I have examined these aspects of the matter. I find that a genuine and bonafide doubt regarding the correct date of birth has been raised by the concerned workman and in the circumstances it is better that his age should be assessed by the Apex Medical Board. It is ordered accordingly. The management is thus directed to get the concerned workman examined by the Apex Medical Board for the purpose of assessing his correct age. Since the concerned workman has already retired there was no question of his reinstatement. But if it was found that he was made to retire earlier he will be entitled for his back wages.

This is my Award.

B. RAM, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1993

का.आ. 453—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947  
(1947 का 14) भी प्राप्ति 17 के प्रत्युत्तरण में, 'केंद्रीय'

सरकार, मै. सी.सी.एल. की केदला अण्डरग्राउण्ड प्रोजेक्ट के प्रबन्धतत्र के संबंध नियोजकों और उनके कमेकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं.-2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 9-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/185/90-भाई आर (सी-1)]

एच.सी. गौड़, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th February, 1993

S.O. 453.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kedia Underground Project of M/s. C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 9-2-93.

[No. L-20012/185/90-IR (Coal-I)]

HARISH GAUR, Desk Officer.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram,  
Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 46 of 1991

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Kedia Underground Project of M/s. C.C.L. and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri B. Joshi, Advocate.  
On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy,  
Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 29th January, 1993

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/185/90-I.R. (Coal-I), dated, the 6th February, 1991.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kedia Underground Project of C.C.L. P.O. Kedia, Distt. Hazaribagh by not correcting the date of birth of S/Sri Mahendra Singh, (2) Shibgovind Singh and (3) Aldhtar Hussain as 31-7-1945, 1-8-1939 and 2-5-1938 in place of 17-8-1942, 8-10-1932 and 9-4-1934 respectively is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned are entitled to ?"

2. This reference was pending disposal before this Tribunal and Shri R. S. Murthy learned Advocate for the management and Shri B. Joshi learned counsel for the workmen have already put in their appearance. While the case was pending for hearing Shri R. S. Murthy and Shri B. Joshi learned counsels submitted on 2-4-92 that a settlement has been arrived at between the management and the union and

the dispute has been resolved. It may be noted that the parties have already filed their W.S. only on 15-1-93. The Project Officer Agent Kedla Underground Project CCL filed a petition by way of supplementary W.S. wherein it has been stated that the concerned workman had been disputing about their date of birth as claimed by the union. As claimed by the union all the concerned workmen have got their different date of birth as noted against their names in the supplementary W.S. and they should be permitted to retire after attaining the age of 60 years as per their date of birth. The management has conceded the case of the union and accordingly it has been prayed that now no dispute exists. A copy of the supplementary petition has also served upon the union. But he has not raised any objection. In the circumstances a 'no dispute' award is passed.

B. RAM, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1993

का.आ. 454.—अर्थोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मामला कॉलम्परी आफ ई.सी.एल. के प्रबंधतान के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकारण, आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[मंत्रा पत्र-22012/16/90 आई.आर (सी-II)]

के.बी.बी. उण्णी, ईस्क प्रधिकरी

New Delhi, the 11th February, 1993

S.O. 454.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Samla Colliery of E.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 8-2-1993.

[No. L-22012/16/90-IR(C.II)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL

Reference No. 28/90

PRESNT :

Shri N. K. Saha,  
Presiding Officer.

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Samla Colliery of M/s. E.C. Ltd.

AND  
Their Workman.

#### APPENDICES :

For the Employers.—Shri P. Banerjee, Advocate.

For the Workman.—Shri Bijoy Kumar, Joint Secretary of the union.

INDUSTRY : Coal.

STATE : West Bengal.

Dated, the 29th January, 1993

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(16)/90-IR(C.II) dated the 9th July, 1990.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Samla Colliery of M/s. ECL in not referring the case of Shri Jamuna Singh, CB Checker to the Apex Medical Board and thus depriving him of benefit of Clause 9.4.3. of NCWA-III is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Sri Jamuna Singh was a CB Checker at Samla Colliery of Pandaveshwar Area under M/s. Eastern Coalfields Ltd. In course of his employment he became a victim of T.B. in the year 1967 and after continuous treatment upto 5-2-68 he was able to perform his duty. In January, 1987 the ailment relapsed. He was getting treatment at Central Hospital, Kalla w.e.f. 15-1-87. The workman became unable to perform his duty due to relapse of the ailment and he requested the management to give employment to his dependant under Clause 9.4.3 of NCWA-III. Considering his physical condition and inability to perform duty the management referred him to Medical Board for getting his disability assessed. On 12-10-87 the workman was examined by the said Medical Board and the Board declared him "fit for duty" though he was unable to do his duty. The workman requested the management to refer him to Apex Medical Board by a representation dated 22-9-88. But the management did not take any action on the said representation and superannuated him w.e.f. 1-7-89 on attaining the age of 60 years. The workman was entitled to get the benefit of Clause 9.4.3 of NCWA-III as there was loss of employment before his superannuation due to his ailment. The act of the management was illegal and against the principles of natural justice.

3. A dispute was raised on behalf of the workman by the union. The attempts of conciliation failed. The matter was sent to the Ministry of Labour, Government of India and ultimately the same dispute has been referred to this Tribunal for adjudication.

4. The management has filed written objection contending inter-alia that the union has no locus-standi to spouse the instant dispute as they are not authorised for the same either by the concerned workman or by any resolution of their Governing Body/Managing Committee. The workman in fact appeared before the Area Medical Board on 12-10-87 and he was declared fit. There was no earthly reason for referring him to any Apex Medical Board. It is denied that the workman became a victim of TB. The management has denied all other material averments made by the union in its written statement. So the workman is not entitled to get any relief in this case.

5. At the very outset Sri P. Banerjee the learned Advocate for the management has urged before me that the present union had no locus-standi to spouse the instant dispute on behalf of the workman. The management has taken that plea in their written statement. In this case the workman did not come forward to pledge his oath to state that he was a member of the present union and he ever authorised the union to spouse the dispute on his behalf. The union has also not filed any document to show that the union took any resolution to spouse the dispute on behalf of the workman. Sri Bijoy Kumar the learned Advocate for the union has urged before me that it is not required for the union to produce such documents before the Tribunal to show that it had the authority to spouse the dispute. Considering all the facts and circumstances of the present case and the position of law I am unable to look eye to eye with Sri Bijoy Kumar the learned Advocate for the union.

I find that the present union had no locus standi to spouse the dispute and as such the present Reference is not maintainable according to law.

6. Admittedly the concerned workman Sri Jamuna Singh was a CB Checker at Samla Colliery of Panjabeshwar Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. It has been contended from the side of the workman that in 1968 he became a victim of TB and after treatment he became fit to perform his duty. From the medical report submitted by the union it appears that in 1968 the workman was under the treatment of Ramkrishna Mission of TB Santorium at Ranchi and from the certificate it appears that he was a patient of Pulmonary Tuberculosis and on 5-2-68 he was discharged from the hospital with the certificate "he is not infectious to others and is fit to resume work not involving severe physical strain". According to the union on the basis of the said certificate the workman joined his duty. But in January, 1987 the ailment relapsed. It is admitted that on the prayer of the workman he was referred to a Medical Board under the rules and the Medical Board found him 'fit for duty'. The workman has submitted certain documents. But there is nothing to show that he became unfit to perform his duty. The workman has failed to come forward to pledge his oath to say that really he became unfit to perform his duty and to say the reason for his dissatisfaction with the report given by the Medical Board. Sri P. Banerjee the learned Advocate for the management has urged before me that according to rules the workman was referred to Medical Board and that Medical Board found him fit. As of right the workman cannot claim to refer his case to Apex Medical Board as there was no ambiguity in the report submitted by the Medical Board. Considering all the facts and circumstances of the present case I am unable to ignore the contention made by Sri Banerjee as the workman did not come forward to pledge his oath in this case. Consequently I find that it was not the duty of the management to refer him to any Apex Medical Board as he was found fit by the Medical Board.

7. In the result I find that the action of the management was justified in not referring Sri Jamuna Singh to Apex Medical Board. The concerned workman is not entitled to get any relief in this case.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer.

नई विली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 455—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कान्टीन स्टोर्स डिपार्टमेंट अंबाला कैन्ट के प्रबन्धताने के सबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एक्स-14012/15/88-डी II (वी)]

के बीची उपर्युक्त डैस्ट्रिक्ट प्रशिकारी

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 455.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Canteen Stores Deptt., Ambala Cantt. and their workmen, which was received by the Central Government on 16-2-1993.

[No. L-14012/15/88-D.II(B)]  
K. V. B. UNNY, Desk Officer

## ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 63/89

Suresh Pal Vs. Canteen Store Deptt.  
For the Workman : Shri P. S. Arora.  
For the management : Shri I. S. Sidhu.

## AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-14012/15/88-D.II(B) dated 26th April, 1989 issued U/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Canteen Store Department, Ambala Cantt, in terminating the services of Shri Suresh Pal, Mazdoor w.e.f. 21-12-87 is justified? If not, to what relief and from what date he is entitled to?"

2. It has been alleged in the claim statement that the petitioner joined the service of Canteen Store Department, Ambala Depot in the month of July 1981 as mazdoor and worked as such up to 20-12-1987 and his services were terminated w.e.f. 21-12-87 by the General Manager, Canteen Store Department, Ambala Cantt. It is further alleged that his services were illegally terminated without any reason or cause, charge sheet and enquiry. He made representation which was also rejected. It is further alleged that the junior persons were retained in the service. The management has thus violated the provisions of Sections 25-F, 25-G and 25-H of the I.D. Act, 1947. It is further alleged that his termination is against rules and in violation of the mandatory provisions of law. It is further alleged that the work had continued even after illegal termination of his services. It is prayed that he be reinstated with full back wages and continuity of service.

3. Respondent management contested the claim. The plea has been taken that the petitioner was appointed purely on daily wages basis on stop gap arrangement to carry out jobs arising on day to day basis. This does not confer any right to get a permanent job in this department. It is further pleaded that the employees of Canteen Store Department are governed by FR & SR vide letter No. BOCCUS/00866/Q/CAN/201/S/D(Mov) dated 9-3-1981 promulgated vide Service Order No. 42/81 dated 12-5-1981. Therefore, the question of applicability of Section- 25-F, G and H of the I.D. Act does not arise. It is further pleaded that Canteen Store Department is a Central Government department under Ministry of Defence hence its employees does not come under the purview of I.D. Act, 1947. Further plea has been taken that to fill up the vacancies of Group D posts the penalties are drawn by the Staff Selection Board and the employees are taken duly sponsored by the Employment Exchange as well as daily rated employees prior to June 1987. It is further pleaded that no doubt these individuals were working on daily rated basis before 1987 but they were not found fit for regularisation by the selection board. The candidates who have been found fit as per Staff Selection Board convened at CSD Depots are fit for giving appointment on regular basis. Appointments are offered to empanelled candidates and no other source department can employ any candidates. For these successful candidates, till now employment to 77 no. of candidates have been given as per the existing vacancies in the department. The appointment to rest of the empanelled candidates will be issued as and when the vacancy will take place. Since the names of the above individuals are not empanelled, services of them have been terminated/dispensed with and prayed for the dismissal of the reference.

4. Replication was also filed reasserting the claim made in the claim petition.

5. In support of his case the petitioner produced himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence. Respdt. management produced Shri G. Ramchandran, Area Manager as MW1 who filed his affidavit Ex. M1 in evidence and both the parties closed their case.

6. I have heard both the parties and gone through the evidence and record.

7. The question involves in this case is whether Canteen Store Department falls within the definition of 'Industry' under the Industrial Disputes Act, 1947. Learned Counsel appearing on behalf of the workman has argued that the petitioner was working as mazdoor with the respondent management and therefore, is a separable and ancillary activities which would nevertheless be within the ambit of 'Industry'. On the contrary learned counsel for the management has argued that the respondent management is an integral part of the Armed Forces and thus does not fall within the definition of 'Industry'. Contention raised by the counsel for the petitioner is meriless. No doubt that the petitioner is not otherwise subject to military law but he is an associate in accompany the armed personnel on active service, or in march. Although he is non-combatants and in some matters governed by the Civil Service regulations, yet they are integral to the Armed Forces. The present case squarely falls within the ratio of 1976(32) F.L.R. page 22 (S.C.) Ous Kuttillang Achudan Nair and others and Union of India and others wherein the matter was at rest at length and the following observations were made :

"Article 33 of the Constitution provides an exception to the preceding Articles in Part III including Art. 19(1)(c). By Article 33, Parliament is empowered to enact law determining to what extent any of the rights conferred by Part III shall, in their application to the members of the Armed Forces of Forces charged with the maintenance of public order, be restricted or abrogated so as to ensure the proper discharge of their duties and the maintenance of discipline among them."

In enacting the Army Act, 1950 in so far as it restricts or abrogates any of the fundamental rights of the members of the Armed Forces. Parliament derives its competence from Article 33 of the Constitution. Section 2(1) of the Act enumerates the persons who are subject to the operation of this Act. According to sub-clause (i) of this section, persons governed by the Act, include "persons not otherwise subject to militant law who, on active service, in camp, on the march or at any frontier post specified by the Central Government by notification in this behalf, are employed by, or are in the service of or are followers of, or accompany any portion of the regular army."

The members of the Unions represented by the appellants obviously fall within this category. It is their duty to follow or accompany the Armed personnel on active service, or in camp or on the March. Although they are non-combatants and are in some matters governed by the Civil Service Regulations, yet they are integral to the Armed Forces. They answer the description of the "members of the Armed Forces" within the contemplation of Art. 33. Consequently by virtue of Section 21 of the Army Act, the Central Government was competent by notification to make rules restricting or curtailing their fundamental rights under Article 19(1)(c)."

The said view was also endorsed in 1987 754 F.L.R. page 78 (S.C.) Gopal Upadhyaya and others and Union of India. The same view was also taken in LPA No. 1010 of 1990 decided on 29-7-1992 Dalip Chand and others Vs. Union of India. The said case was related to the casual workers deployed with G.R.E.F. (Border Road Organisation) a unit of Armed forces and it was held that :

"No exception can indeed be taken to the learned single judge holding G.R.E.F. to be integral part of the Armed Forces and not thereby falling within the definition of 'Industry' under the Industrial Disputes Act. We also with respect endorse the view."

In view of the discussion made in the earlier paras and the settled case law the respondent management is certainly does not fall within the definition of 'Industry' under the

I.D. Act, 1947. The petitioner is not entitled to any claim. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

Chandigarh.

10-12-1992.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का. आ. 456.—आंशोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वि.वि. एम. वि. नंगल टाउनशिप के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औंशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औंशोगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल 42012/79/85 डी II बी]

के.वी.बी. उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 456.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board, Nangal Township and their workmen, which was received by the Central Government on 16-2-1993.

[No. L-42012/79/85-D.II.B (Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 11/87

Gurbag Singh Vs. Bhakra Beas Management Board.

For the workman : Shri R. K. Singh,

For the management : Shri C. Lal.

#### AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-42012/79/85-D.II(B) dated 18th February, 1987 issued U/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Resident Engineer, Ktola Power House Division, BBMB Nangal Township in terminating the services of Shri Gurbag Singh T. mate w.e.f. 3-4-80 is legal and justified? If not, to what relief the workman Shri Gurbag Singh is entitled to?"

2. In the statement of claim it has been alleged that the petitioner was appointed on 18-12-1978 as T. mate in work charge capacity and continued working till 3-4-1980. It is further pleaded that two notional breaks were given by the management but the same were meaningless in provisions of Section 25-B of the I.D. Act, 1947. It is further pleaded that only 10 days notice was given however three months notice was required. It is further alleged that the termination is violative of Sections 25-F(a) and 25-N of the I.D. Act, 1947. It is further pleaded that the respd'l. management did not maintain the seniority list. It is further pleaded that Mathura Dass, Balbir Singh, Naresh Kumar and Gudia Singh were employed as T. mate in February, 1981 and are

still continuing. It is further alleged that after termination of the petitioner new hands were taken by the respondent management. Mukesh Kumar was appointed on 24-4-1980 and Karnail Singh was appointed on 3-4-1980. It is pleaded that the respondent management has violated the provisions of Sections 25-F and 25-H of the I.D. Act, 1947.

3. Respondent management has contested the claim. The stand taken by the respondent management is that the petitioner joined the service on 15-12-1978 in connection with construction of work on 33rd circuit and on its completion the petitioner was discharged on 30-11-1979 after serving him 10 days notice. It is pleaded that again the petitioner was offered post of work charge F. mate at R.E. Ganguly and Kotla power house on 21-12-1979. The fresh appointment offer was accepted by the petitioner and he joined the duty on 22-12-1979. His appointment was purely on temporary basis up to 31-1-1980 and later on it was extended upto 3-4-1980 and on completion of the said work the petitioner was again removed after serving 10 days notice. Other contents of the claim statement were denied. It is pleaded that Mathura Dass, Dalbir Singh, Naresh Kumar all were senior to the petitioner. It was denied that any persons by the name of Mukesh Kumar was given any appointment. However Karnail Singh was given appointment only for specified period of 30 days on temporary basis and was discharged after expiry of the said period. It is further pleaded that Indal Kumar was appointed for another work for specified period and his services were dispensed with on expiry of contractual period. Regarding Piara Chand it is pleaded that he was appointed on daily wages w.e.f. 4/79 and continued as such till 20-7-1982. Later on to make up the deficiency in the schedule caste quota Piara Chand was given appointment and pleaded that the petitioner has no case and prayed for the dismissal of the reference.

4. In support of the case Respondent management produced Shri D. K. Maheshwari as MW1 who tendered his affidavit Ex. M1 in evidence and relied on the documents Ex. M2 the appointment letter dated 14-12-1978 and Ex. M3 termination letter dated 21-11-1979 and Ex. M4 appointment letter dated 21-12-1979 and Ex. M5 termination letter dated 25-3-1980. The petitioner has not adduced any evidence.

5. I have heard both the parties and gone through the record.

6. The petitioner had worked with the management on two spells. Ex. M2 is the earlier appointment letter dated 14th December, 1978. This employment of the petitioner was given for the fixed period upto 31-12-1978. However he was terminated from the services vide Ex. M3 dated 21-11-1979. This termination is not in dispute. The petitioner was again given appointment vide Ex. M4 dated 21-12-1979. This appointment was also for the fixed period upto 31-1-1980 and was removed from service vide Ex. M5 w.e.f. 3-4-1980. This is in dispute. Admittedly the petitioner had not completed 240 days for the spell 21-12-1979 the date of employment till his termination dated 3-4-1980. Earlier spell can not be clubbed with the subsequent spell mainly for the reasons that there is no evidence and after the non-renewal of the contract of the petitioner the work still continued and there is also no evidence that on the subsequent spell which is in dispute was in continuation of the earlier spell. Therefore, in the circumstances it can not be said that the post against which the petitioner was working continued after the non-renewal of the contract of employment of the petitioner. Another plea raised by the petitioner is, the violation of Sections 25-G and 25-H of the I.D. Act is also meritless. MW1 D. K. Maheshwari in his affidavit Ex. M1 has stated that no junior person to the petitioner was retained in the service. He has not been cross-examined on this issue by petitioner. The petitioner in support of said violation of Sections 25-G and 25-H has not led any evidence.

In view of the discussion made in the earlier paras the petitioner is not entitled to any relief. The reference is dismissed and returned to the Ministry.

Chandigarh

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

420 G/193-3

मुद्रित दिनी, 16 फरवरी, 1993

वा. वा. 457—जौदीगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा जैविक विवाद रेख्ये मद्रास के प्रबन्धनात्मक संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट जौदीगिक विवाद में जौदीगिक अधिकारण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. प्रत-41012/93/91-पार्ट आर (डी प.) वी]  
के.वी. वी. डण्डा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 457.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on 16th February, 1993.

[No. L-41012/93/91-IR(DU)].  
K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Thursday, the 28th day of January, 1993  
PRESENT:

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal  
Industrial Dispute No. 29 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Southern Railway, Madras)

#### BETWEEN

Thiru K. Gopinath,  
No. 27, Illaya Mudali Street,  
T. K. Garden, IVth Lane, Korukkupet,  
Madras-600021.

#### AND

The General Manager,  
(Chief Workshop Manager, Loco Works),  
Southern Railway, Madras-600003.

#### REFERENCE :

Order No. L-41012/93/91-IR(DU), dated 25th March, 1992 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru M. Munir Kidim Sheriff, Advocate appearing for the management, upon perusing the reference and other connected papers on record and the workman being absent, this Tribunal passed the following :

#### AWARD

This dispute between the workman and the management of Southern Railway, Madras arises out of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India, in its Order No. L-41012/93/91-IR(DU), dated 25th March, 1992 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

Whether the mgt. of Southern Railway (Chief Workshop Manager) is justified in terminating the services of Shri K. Gopinath, Boiler Maker w.e.f. 9th November, 1983? If not, what relief he is entitled to?

(2) Forness were served with summons.

(3) Inspite of several adjournments, the Petitioner-workman was absent of claim statement was filed.

(4) Today also, when the dispute is called, Petitioner-workman is absent. No representation is made on his behalf. Hence, industrial dispute is dismissed for default.

Dated, this 28th day of January, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 458—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दक्षिण रेलवे मद्रास के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक प्राधिकरण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 41012/92/91-आई आर शी यू(पार्ट)]

के.बी.बी. उण्णी, ईस्क अधिकारी

—

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 458.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on 16th February, 1993.

[No. L-41012/92/91-IR(DU)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Monday, the 1st day of February, 1993

PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc., B.L., Industrial Tribunal.  
Industrial Dispute No. 81 of 1991

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Southern Railway, Madras-3)

#### BETWEEN

Thiru P. Shanmugam,  
152, 'K' Block, Cemetery Road Colony,  
Madras-600021.

#### AND

The General Manager,  
Southern Railway,  
Madras-600003.

#### REFERENCE :

Order No. L-41012/92/91-IR(DU), dated 2nd/5th, December, 1991, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final hearing in the presence of Thiru V. Prakash, Advocate appearing for the workman, upon perusing the reference, claim statement and all other material papers on record and the management being absent, this Tribunal passed the following :

#### AWARD

This dispute between the workman and the management of Southern Railway, Madras-3 arises out of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-41012/92/91-IR (DU), dated 2nd/5th December, 1991 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

Whether the management of Southern Railway, Madras in terminating the services of Sh. P. Shanmugam, Ex. CPC, Khalasi (Loco), w.e.f. 1st February, 1973 is justified ? If not, what relief he is entitled to ?

(2) Parties were served with summons.

(3) Petitioner-worker Thiru P. Shanmugam has filed his claim statement on 12th February, 1992, praying to direct the management to reinstate him in service, with continuity of service, back wages and all other consequent benefits.

(4) Inspite of several adjournments, the management was absent and no representation was made on its behalf. No counter statement was filed. Hence the management was set ex-parte.

(5) Petitioner-worker himself was examined as W.W.1. Exs. W-1 to W-5 were marked through him. Claim is proved.

(6) Hence the management is directed to reinstate the Petitioner-workman in service, with continuity of service, back wages and all other consequent benefits. Award is passed accordingly. No costs.

Dated, this 1st day of February, 1993.

THIRU M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

#### WITNESSES EXAMINED

For workman :

W.W. 1—Thiru P. Shanmugam.

For Management : None.

#### DOCUMENTS MARKED

For workman :

Ex. W-1/7-11-70—Office order granting temporary status to casual labourers employed under LF/BBQ. (xerox copy)

Ex. W-2/11/7-7-72—Two Government Stanley Hospital's Out-Patient Chits issued to the Petitioner-workman. (xerox copy)

Ex. W-3/4-6-75—Medical Fitness Certificate issued to the Petitioner-workman. (xerox copy)

Ex. W-4/4-5-1988—Mercy petition from the Petitioner-workman to the Secretary, Government of India, Ministry of Railways, New Delhi for re-appointment.

Ex. W-5/28-6-1991—Letter from the Assistant Labour Commissioner (Central), Madras-1 to the parties for joint discussions/conciliation proceedings.

For management : Nil.

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1993

का.आ. 459.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डेलिक्यूनिकेशन विभाग के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्राधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-4001 2/1 42/90 आई आर शी यू ]

के.बी.बी. उण्णी ईस्क अधिकारी,

New Delhi, the 16th February, 1993

S.O. 459.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication and their workmen, which was received by the Central Government on 10-2-93.

[No. L-40012/142/90 IRDU]

K. V. B UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :—Sri Y. Venkatachalam, M.A. B.L., Chairman.

Dated the Second day of February Nineteen Hundred Ninety Three.

I.D. No. 2 of 1991

#### BETWEEN

Shri J. Krishna Murthy, S/o Dharmacharya,  
R/o B-44, Flat No. 5, LIGH Baghlingampally,  
Hyderabad-500020. . . Petitioner.

AND

The Divisional Engineer  
Telecommunication,  
Mahaboobnagar-5090950. . . Respondent.

#### APPEARANCES:

Sri C. Suryanarayana, Advocate—for the petitioner workmen.

M/s. M. Panduranga Rao & B. G. Ravinder Reddy, Advocate—for the Respondent/Management.

#### AWARD

This reference is referred by Government of India, Ministry of Labour vide letter No. L-40012/142/90-IR(DU) dated 4-2-1991 for adjudication of the dispute between the management of Divisional Engineer, Telecommunication, Mahaboobnagar and their workman with the following Annexure:

"Whether the action of the management of Divisional Engineer, Telecom, Mahaboobnagar in terminating the workman Shri J. Krishna Murthy, Ex-Casual Labour w.e.f. 7-4-84 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

2. The above said reference is registered as I.D. No. 2 of 1991 in the Office and notices were sent to the both parties. The workman filed his claim statement wherein he stated that he was employed as "Casual Office Assistant" but not as "Casual Labour" on daily wages during the period from 1-12-1981 to 18-9-1982 continuously for 292 days. His employment is that for more than 240 days within one year from 1-12-1981. During the period of his employment, the applicant was required to sign in the attendance register of the office to record his attendance in order to make payment of his wages accordingly. But he was retrenched from services w.e.f. 19-9-1982 by verbal orders of the respondent. The petitioner was not given notice or paid the notice period wages and he was not paid any retrenchment benefits. Therefore the termination is illegal. From 1-3-1983 onwards, however, the petitioner was employed as Clerk in the Tiffin Room under the Respondent upto 7-4-1984. But he was again retrenched from service without complying with the mandatory provisions of Section 25-F. The petitioner made several representations to the respondent but there is no response. The respondent did not reinstate the petitioner nor did he absorb him in the regular establishment of office assistant. The petitioner raised the Industrial Dispute before the Asst Labour Com-429 GI/93—14

missioner (Central), Hyderabad. The respondent's contentions have been countered during the conciliation proceedings and the demand for reinstatement was reiterated, but the management did not relent. The Petitioner is having sufficient provisions experience and also the material to that effect as he worked in the capacity of Office Assistant in the respondent management. Therefore the termination is not valid under law and he may be reinstated.

3. On the other hand the respondent filed Counter wherein it is stated that the petitioner was engaged temporarily on Casual basis and provided the work as and when the work is available. He was paid wages for the work performed by him. He was informed at the time of engagement he will be disengaged in case if there is no sufficient work. It was further made known to him that his services will be terminated without assigning any reason or without prior notice. The petitioner casual engagement will not confer any right on him for permanent absorption in the division. He was asked to sign in the Attendance Register to enable payment of wages correctly to him. As there was no work he was not further engaged after 18-9-1982. With regard to para 3 of the claim statement the petitioner was engaged to work as Clerk in the Tiffin Room in the respondent's office during the period from 1-3-1983 to 6-4-1984. The Canteen was closed for the administrative reasons as such, the services of the petitioner were not required. He was appointed temporarily and it was made known to him that his services can be terminated at any time without assigning any reason. The petitioner was given the Service Certificate to enable him to secure employment elsewhere. The contention of the workman that his services were terminated without valid reason is not correct. Therefor the workman is not having any right. The Section 25-F of the I.D. Act is not applicable in his case. Therefore award may be passed accordingly.

4. On behalf of the workman W.W1 is examined and exhibits W1 to W29 are marked. On behalf of the Management M.W1 is examined. W.W1 in his evidence proved the averments of his claim statement. W.W1 is no other than the workman himself. He stated his evidence that he was appointed as Dispatch Clerk as Casual Workman on daily wages. He was paid once in month. The minimum qualification of recruitment for clerk is S.S.C. and he passed the same. He passed Intermediate and also B.A. Degree, which is marked as Ex. W3. He worked as Dispatch Clerk in the year 1982. A notification was issued by the Telecommunication Department for recruitment of clerks. He submitted his application for the said posts. He enclosed Service Certificate also while applying for the post of clerks. From 1-3-83 onwards he was transferred to work in the Canteen as Clerk and worked till 6-4-1984. Ex. W5 is the copy of the appointment order. His service were terminated on 7-5-1984. Before termination no notice was given to him nor the terminal benefits were paid to him. Therefore he requests the Court to declare that the termination is not valid under law and the respondent may be directed to reinstate him.

On the other hand M.W1 is examined for the Management. M.W1 is no other than the Deputy Telecom Dist. Engineer at Mahaboobnagar who is aware of the facts of this case. He gave evidence as seen from the records in their office. He admitted that the workman worked as Office assistant from 1-12-1981 to 18-9-1982. The petitioner was engaged during the shortage of regular staff on Casual basis. The petitioner was again engaged as Canteen Clerk. For appointment of a Regular Employee in the Telecom Department as per the Vacancies the paper notification will be issued. The candidates called for interview. B-List is the waiting list to appoint candidates where as A-List is selected candidates. Workman was not selected due to shortage of additional work.

5. The arguments of both sides are heard. The learned advocate for the workman argued that it is an admitted fact that the workman was originally appointed as Casual Office assistant by the respondent and subsequently he was appointed as Clerk in the Canteen. It is also an admitted fact that his services were terminated as the canteen was closed. He further argued that as seen from the services filed by the workman it is absolutely proved fact that he passed B.A. Degree and he

possessed with the Service Certificate under Ex. W4. And also Ex. W7 is termination certificate. The learned Advocate for the workman further argued that as seen from the evidence of M.W1 it is absolutely clear that he proved the contents of his claim statement. As seen from the Ex. W9 the workman gave representation to the respondent stating that he previously worked as Canteen Clerk and his services were terminated and he informed through the letter and he asked the reply at least for that letter. Again the workman submitted another representation to the Management under Ex. W11 requesting the management to provide job. But there is no response from the management. The learned advocate for the workman further argued that when the recruitment was held for the appointment of clerks, as worked previously, previous experience and sufficiently qualified the petitioner's claim should have been considered. In fact the workman was not served with any termination notice and no terminal benefits were paid to him. Therefore it is unfair labour practice and more over the workman worked continuously for more than 240 days. Therefore the award may be passed in favour of the workman.

On the other hand the learned advocate for the management argued that the workman was appointed as Casual Office Assistant and also as Canteen Clerk on temporary basis. It was made clear to him at the time of his appointment that his appointment is purely temporary and his services will be terminated without any reason and without prior notice. In fact there is shortage of regular staff therefore the workman was engaged as office assistant on daily wages. He was permitted to sign on the Attendance Register for the purpose of counting the working out the amoluments with regard to his appointment as Canteen Clerk. He was also appointed purely on temporary basis and when the canteen itself was closed along with other employees the services of this workman as Canteen Clerk were terminated. Therefore the question of paying any terminal benefits or prior notice does not arise and the workman is not having any right for appointing himself as Clerk in the respondent Management. Therefore the award may be passed accordingly.

6. The point for consideration is whether there are any valid grounds to find that retrenchment of the workman in question by the management is valid or not?

7. I have gone through the oral and documentary evidences placed before this Tribunal by both sides. W.W1 is no other than the workman appeared before this Tribunal and examined himself as W.W1 and proved the contents of his claim statement. In support of his claim he filed various documents to show about his employment and also termination of his services. It is an admitted fact by both sides that the workman was engaged by the respondent as Casual Assistant in the first instance and later as Canteen Clerk. It is also admitted fact that no termination notice was issued by the management although he worked more than 240 days and no terminal benefits paid to him. It is not a case as to where the workman is not educationally qualified or over age. The workman is a Graduate in Arts. It is absolutely correct that he worked more than 240 days with some breaks. As seen from the record that the break was created for the purpose of showing that the workman is continuously employed for more than 240 days. It is not the case of the management that the workman did work in the respondent management to their satisfaction. When once the workman in question worked in the respondent management previously to the satisfaction of the management and once he is qualified it is just and proper that he should have been taken into service by the respondent management. Therefore I find that the management is not justified in terminating the services of J. Krishna Murthy work in question with effect from 7-4-1984.

8. In the result I find that the action of the management of Divisional Engineer Telecom, Mahaboobnagar in terminating the workman Shri J. Krishna Murthy, Ex-Casual Labour with effect from 7-4-1984 is not justified. The respondent management is directed to reinstate the workman as Clerk in his establishment. Since the Canteen itself is closed the workman is not entitled to any back wages or any attendant benefits. Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer and transcribed him and corrected by me and given under my hand and Seal of this Tribunal on this the 2nd day of February, 1993.

Y. VENKATACHALAM, Chairman

#### Appendix of Evidence

Witnesses examined on behalf  
of the petitioner/workman

Witnesses examined on behalf  
of the Management/Respondent

W.W1. J. Krishna Murthy M.W1 K. Veerabhadraiah

Documents marked on behalf of the petitioner

1. Ex.W1 12-6-79 Photostat copy of the Secondary W School Certificate of J. Krishna Murthy.
2. Ex. W2 Photostat copy of the Intermediate pass certificate-cum-Memorandum of Marks of J. Krishna Murthy.
3. Ex. W3 7-12-89 Photostat copy of the B.A. Provisional Certificate of J. Krishna Murthy.
4. Ex. W4 18-9-82 Services certificate dt. 18-9-82 given by Dy. Divisional Engineer, Telcommunications, Mahaboobnagar to J. Krishna Murthy.
5. Ex. W5 8-4-83 Photostat copy of the order of appointment issued by Divisional Engineer, Telecom, Mahaboobnagar with regard to appointment of J. Krishna Murthy as Clerk.
6. Ex. W6 7-4-84 Service certificate dt. 7-4-84 issued by the Accounts Office, Office of the D.E., Telecom, Mahaboobnagar to J. Krishna Murthy.
7. Ex. W7 5-5-86 Copy of the Representation dt. 5-5-86 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
8. Ex. W8 19-8-86 Copy of the Representation dt. 19-8-86 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
9. Ex. W9 Copy of the representation dt. 25-3-87 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar with regard to termination of employment without reason and without notice.
10. Ex. W10 18-5-87 Copy of the representation dt. 18-5-87 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar with regard to termination of employment without reason.
11. Ex. W11 27-7-87 Copy of the representation dt. 27-7-87 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
12. Ex. W12 Copy of the representation dt. 19/20-1-88 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
13. Ex. W13 Copy of the representation dt. 9-3-88 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
14. Ex. W14 Copy of the representation dt. 20-8-88 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar.
15. Ex. W15 Copy of the representation dt. 9-2-89 submitted by J. Krishna Murthy to the Divisional Engineer, Telecom., Mahaboobnagar. (D.E.T. Office).
16. Ex. W16 Copy of the petition dt. 9-11-89 submitted by J. Krishna Murthy to the conciliation officer.
17. Ex. W17 Copy of the parawise comments submitted by Dy. Telecom District Engineer, Mahaboobnagar to the conciliation Officer.
18. Ex. W18 Photostat copy of the minutes of Conciliation proceedings held on 27-7-90 between Telecom, Mahaboobnagar and Sri J. Krishna Murthy, Workman.

19. Ex. W19 Copy of the Failure of conciliation report submitted by Asst. Labour Commissioner(C), Hyd to the Secretary to Government of India, Ministry of Labour, New Delhi
20. Ex. W20 Phostat copy of Employment Exchange registration card of J. Krishna Murthy.
21. Ex. W21 Postal acknowledgement of Regd. Letter No. 995 dated 21-1-88 addressed to D.E., Telecom., Mahaboobnagar, by J. Krishna Murthy.
22. Ex. W22 Under Certificate of posting receipt addressed to D.E., Telecom, Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
23. Ex. W23 Under certificate of posting receipt addressed to D.E. Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
24. Ex. W24 Under certificate of posting receipt addressed to D.E. Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
25. Ex. W25 Under certificate of posting receipt addressed to D.E., Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
26. Ex. W26 Under certificate of posting receipt addressed to D.E. Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
27. Ex. W27 Under certificate of posting receipt addressed to D.E., Telecom, Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
28. Ex. W28 Under certificate of posting receipt addressed to D.E. Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.
29. Ex. W29 Under certificate of posting receipt addressed to D.E., Telecom., Mahaboobnagar by J. Krishna Murthy.

Documents marked on behalf of the Management.  
NIL

मई दिवसी, 17 फरवरी, 1993

का. पट. 460—आंदोलिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीधीय सूप्रटैट आफ पोस्ट आफिसस पटियाला के प्रबन्धताल के संबद्ध मियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्धिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकारण, चंडीगढ़ के प्रबन्ध को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एस-40012/71/90-आई आर झी पू.]

के.वी. बी. उष्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 460.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sr. Supdt. of Post Offices Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on 16-2-1993.

[No. L-40012/71/90-IRDU]  
K. V. S. UNNY, Desk Officer.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT CHANDIGARH.

Case No. I. D. 16/91

Ram Kumar Vs. Post Office

For the workman : Shri Parmeshwar Sha Singh.

For the management : Shri Jaswant Singh.

#### AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-40012/71/90-LR. (DU), dated 4th February, 1991 issued U/S 10-(1)(d) of the I. D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Sr. Supdt. of Post Offices, Patiala Division in terminating the services of Shri Ram Kumar, Part time contingent Charged chowkidar w.e.f. 7-7-1988 is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?"

2. In the statement of claim the petitioner has alleged that he served as part time chowkidar Punjabi University Post Office Patiala from 12-6-1982 to 7-7-1988. It is further alleged that his services were terminated without any notice which is in violation of Section 25-N (a) of the I. D. Act, 1947. It is further alleged that respdt. management should have retrenched the part time Chowkidar who was the last person to be employed in Patiala Division working under the management. It is further pleaded that he has been re-employed as part time Chowkidar at Sanaur post office w.e.f. 22-2-1991. He thus claimed backwages (w.e.f. 7-7-1988 to 22-2-1991).

3. Respdt. management contested the claim. It has been stated that the services of the petitioner were terminated in pursuance of the instructions contained in the PMG. Pb. Circle Chandigarh letter No. Estt. 12-4/87, dated 22-6-1988. It is further pleaded that review of the post alongwith other such posts were carried out in the light of the instructions & the post of part time contingent chowkidar University Post Office was not found justified and it was ordered to be abolished vide S. S. P. letter dated 5-7-1988 and thus such posts was duly abolished at Samana, Banaur and Sirhind keeping in view of the instructions of the department. It is further added that the petitioner agreed not to claim back wages in the Court of A.L.C. Chandigarh on 24-11-1989 provided he is engaged on suitable post. The petitioner was thus engaged as part time Chowkidar at Sanaur on availability of such post. It is further pleaded that the applicant is not the regular employee of the department and he was paid from contingent charges and his condition of Service was such that he can be ousted at any time without any notice, and prayed for dismissal of the reference.

4. Application was also filed reasserting the claim made in the claim statement.

5. In support of his case the petitioner produced himself as WW-1 and filed his affidavit Ex. W-1 in evidence. Respdt. management produced Shri M. S. Jhitha as MW-1 who filed his affidavit Ex. M-1 in evidence and also relied on document Ex. M-2 letter dated 22-6-1988, Ex. M-3 order, Ex. M-4 sanction, Ex. M-5 extracts of the proceedings before the A.L.C. and closed their case.

6. I have heard both the parties and gone through the evidence and record. The petitioner has been given fresh appointment w.e.f. 22-2-1991. Thus he has claimed only backwages from the date of termination i.e. 7-7-1988 till re-employment on 22-2-1991. Rep. appearing on behalf of the management has argued that the petitioner had agreed to forgo his claim for back wages in the conciliation proceedings before the A.L.C. if the fresh appointment is given and thus claimed that he is not entitled to back wages of the said period. This contention is meritless. Ex. M-6 is the extract of the proceedings before the A.L.C. dated 24-11-1989. No

soubt in the said proceedings it is mentioned that the workman is agreeable to forgo back wages but at the same time it was suggested to the management to engage him in the vacancy available. However the same was not done by the respdt. management which resulted in F.O.C. dated 10-5-1990. Thus the office made by the workman in the said proceedings Ex. M-5 does not exist. Since the respdt. management had not offered the appointment and the conciliation proceedings ended in failure. Not only this, the fresh appointment was given to the petitioner not in pursuance of the said conciliation proceedings Ex. M-5 but on the basis of the directions of the Asstt. Director General the extract of which is Ex. M-6. Mr. M. S. Shita MW-1 in cross-examination has also admitted that the employment was given to the petitioner in compliance of the Order Ex. M-6.

The respdt. management had not contested that the workman has not completed 240 days. There is no dispute of the fact that he had put in continuous service of about 6 years from 12-6-1982 to 7-7-1988 when his services were terminated. The same thing has been endorsed in the directions issued by the Asstt. Director General in his letter Ex. M-6. Certainly the respdt. management had not followed the provisions of Section 25-F and 25-N of the I. D. Act, 1947 while terminating his services. Thus the termination of the services of the petitioner is certainly bad in the eyes of law.

In view of the discussion made in the earlier paras since the re-employment has already been given to the petitioner w.e.f. 22-2-1991 he is entitled to back wages from the period 7-7-1988 to 22-2-1991. The management is directed to make all the necessary payments within three months from the publication of this AWARD. The reference is answered accordingly.

Chandigarh.

Dated : 10-12-1992.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का.आ. 461—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के भ्रन्तसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलिकम्युनिकेशन विभाग करनाल, के प्रबन्धतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निविड़ ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-400/12/79/88 ई II शी (पार्ट)]  
के. वी. वी. उपर्योगी, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 461.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication Department, Karnal and their workmen, which was received by the Central Government on 16-2-93,

[No. L-40012/79/88. D.II.B(Pt)]  
K. V. B. UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVT., INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 123/89  
Jitender Kumar Kaushik Vs. Telecommunication  
For the Workman : Sh. H. S. Bath.  
For the Management : Sh. Arun Walla.

#### AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. 40012/79-88-D2(B) dated 1st August, 1989 issued U.S 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Telecommunication District Engineer, Karnal in terminating the services of Sh. Jitender Kumar Kaushik S/o Sh. Niwas Casual worker w.e.f. 1-8-87 is just, fair and legal ? If not, to what relief the worker concerned is entitled to ?"

2. In the statement of claim it has been alleged that the petitioner has put in more than one year of service with the Respdt. management as mazdoor to the satisfaction of the Respdt. It is further alleged that his appointment was through employment exchange and there was no break in the service. He has further alleged that his services were illegally terminated on 1-8-1987 without any legal notice, without payment of retrenchment compensation alongwith retrenchment order which is condition precedent and thus the respdt. management has violated the provisions of section 25-F of the I. D. Act 1947. It is further alleged that the respdt. management has violated the provisions of Section 25-G and H of the I. D. Act, 1947 as juniors namely Aditya Prashad and Dharamvir have been retained in the service. It is further alleged that there is lot of work with the telecommunication department and there is no need to retrench the workman/petitioner. It is also alleged that he has put in more than 240 days service with the respdt. management and prayed that he be reinstated with full back wages and continuity of service.

3. The claim of the petitioner was contested. It has been pleaded that the services of the petitioners was terminated w.e.f. 1-8-87. It was admitted that the retrenchment compensation was given on 9-10-1987 and thus provisions of Section 25-F of the I.D. Act 1947 has been complied. Other contentions were denied. It is further pleaded that no juniors have been retained and thus there is no violation of Section 25-G and H and prayed for dismissal of the reference.

4. Replication was also filed reasserting the claim made in the claim petition.

5. The petitioner in support of his case produced himself as WW1 and filed his affidavit Ex. W1 in evidence and also relied on documents Ex. W2 to W4 the circulars. Respdt. management produced Shri G. S. Bains MW1 who tendered his affidavit Ex. M1 and relied on the documents Ex. M2 and M3 showing payment of retrenchment compensation and Ex. M4 and M5 the documents showing the number of days put in by the workman. He has not denied in his affidavit Ex. M1 filed in evidence that the petitioner had not completed 240 days preceding to his termination on 1-8-1987. In cross examination he had admitted that no notice issued to the workman retrenching him, no reason was given. He has also admitted in cross-examination that alongwith the said notice no retrenchment compensation was given to the workman.

6. I have heard both the parties and gone through the evidence on the record. Learned counsel appearing on behalf of the workman has argued that the respdt. management has violated the provisions of Section 25-F of the I. D. Act 1947 as the workman was not paid retrenchment compensation alongwith retrenchment order which is condition precedent although the petitioner had completed 240 days in the preceding year to the date of retrenchment. Learned counsel for the workman has also pointed out that the respdt. management has also admitted in the written statement that the workman has put in more than one year of service and that there was no break in his service. I find force in this contention. In the statement of claim it has been claimed that the petitioner has worked for more than one year of service with the respdt. management as mazdoor. There was no break in his service. This factum has been admitted by the respdt. management in their written statement. Service of the petitioner was terminated on 1-8-1987. Ex. M4 and M5 are the muster roll showing the number of days put in by the petitioner in the preceding year to the date of retrenchment. These documents runs contrary to the stand taken by the respdt. management in the written

statement further in the written statement and in the evidence by the respdt. management it has no where claimed that the petitioner had not completed 240 days preceding one year to the date of his termination. Nor such suggestion has been put in the cross-examination of the workman. Thus conclusion can easily be drawn that the petitioner had completed 240 days continuously in the preceding year to the date of retrenchment. Clause 'B' of Section 25-F lays down that as a precondition to retrenchment the workman should be paid compensation at the time of retrenchment. This condition is a condition precedent to a valid order of retrenchment. If, therefore, no retrenchment compensation is paid to the workmen before they are asked to go, retrenchment order is bad, invalid and inoperative in law. If, retrenchment order is invalid, ab initio, subsequent payment of compensation can not validate it. From the documents Ex. M2 to M3 it is apparent that the retrenchment compensation was offered only on 9-10-1987 although the termination was effected w.e.f. 1-8-1987. Not only this the management's witness Shri G. S. Bains MW1 has also admitted to this effect. If any authority is needed 1970(2) L.L.J. page 179 Sonu Kumar Chatterjee Vs. District Signal Telecommunication Engineer and 1967(2) L.L.J. page 23 National Iron & Co. Vs. State of West Bengal can be read in this regard.

In view of the discussion made in the earlier paras, the termination of the petitioner is certainly bad in the eye of law and is set aside. He is ordered to be reinstated with continuity of service with all consequential benefits.

However with regard to the back wages, the petitioner in the statement of claim has no where stated that he remained unemployed throughout nor such stand has been taken during the course of evidence. In all fairness the petitioner is awarded only 50 per cent of the back wages that too w.e.f. the date of reference i.e. 1-8-1989.

Announced. Subject to the approval by the Ministry of Labour.

3-12-1992.

**ARVIND KUMAR, Presiding Officer**

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का.आ. 462—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजक और उनके कर्मकारों के बीच अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण व श्रम न्यायालय घटणाग्रंथ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-1993 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/59/85-डी II बी (पार्ट)]

के.वी.बी. उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 462.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway and their workmen, which was received by the Central Government on 16-2-1993.

[No. L-41012/59/85-D.II (B). (Pt.)]  
K. V. B UNNY, Desk Officer

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 8/87

Harphool Singh

Vs.

Northern Railway.

For the workman—Shri H. K. Sharma.  
For the management—Shri N. K. Zakhmi.

#### AWARD

Central Government vide gazette Notification No. L-41012/59/85-D.II (B) dated 20th January 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Railway Admn. in removing Shri Harphool Singh, Ex-cabman Ferozepur from service w.c.f. 1-10-1981 is just and legal ? If not, to what relief is the workman entitled to ?"

2. In the statement of claim it has been alleged that the petitioner was functioning as Cabinman at Railway Station Ferozepur in the year 1980. On 1-11-1980 he did not agree to adopt short cut methods for the shunting of 6LF train since such methods could cause serious accident to the train which was occupied by the passengers and on account of vindictiveness the Station Master made a false case of having used abusive language and having caused 50-minutes detention of the train, against the workman. On 18-11-1980 he was charge sheeted. He denied the charges. It is further pleaded that first date of the enquiry was held on 8-5-1981 for which no pass was issued to him. He went at his own cost. The date was adjourned to 16-5-1981 and further changed to 20-5-1981. On 20-5-1981 no enquiry was held as enquiry officer was away to Phagwara. On 7-7-1981 the next date no intimation was given to him and the pass was also handed over at 10-45 hours to proceed to Ludhiana. He reached in the after-noon and no proceedings were conducted or drawn. No witness was examined. Enquiry Officer prepared his report. It is further submitted that he filed an appeal was rejected arbitrarily. Review was also declined. It has been prayed that he is entitled to reinstatement with back wages with interest and cost.

3. Claim of the workman was contested. The management took the stand that on 1-11-1980 the petitioner used abusive language against the Asstt. Station Master on duty on loudspeaker. It is further pleaded that the petitioner detained the train 6LF and did not allow to move it and also detached ERB No. 5707 from the coming rake of 3LF at line No. 8. This showed non attention and neglect of duties, obstruction in train working, misconduct. It is further pleaded that the enquiry was held and the date was fixed for 8-5-1981 and then adjourned to 20-5-1981. On the said date the petitioner did not attend the proceedings. The case was adjourned to 7-7-1981. On that date the petitioner did not put appearance and the enquiry was conducted as ex parte and enquiry officer sent his report which was received on 5-8-81. It is further pleaded that appeal and review was declined while passing the speaking order and the petitioner is not entitled to any relief.

4. Respdt. produced Shri Banwari Lal Head Clerk as MW-1 who filed his affidavit Ex. M-1 and relied on the documents Ex. M-2 to M-18. The petitioner in support of his case examined himself as WW-1 and filed his affidavit Ex. W-1 in evidence.

5. I have heard both the parties and gone through the record. Representative of the workman has argued that even though the petitioner had proceeded ex parte in the enquiry proceedings it was incumbent upon the enquiry officer to record the statements of the witnesses ex parte and then submit the enquiry report after appraising the evidence recorded ex parte and the same thing has not been done and the enquiry is liable to be vitiated. There is force in this contention. Where the workman is proceeded ex parte in the enquiry proceedings or withdrawn from the enquiry, it is incumbent upon the enquiry officer to complete the enquiry by taking all evidence ex parte. The fact that the enquiry has been conducted ex parte does not absolve the enquiry officer from

conducting the enquiry by taking evidence *ex parte*. In the present case enquiry report is Ex. M-3. In the said report there is nothing that the enquiry officer had recorded the statements of the witnesses *ex parte* nor there is reference of any document on the basis of which the enquiry officer had concluded that the workman is guilty of gross misconduct. Ex. M-14 is the annexure which contains the detail of the documents which the management was going to rely. Ex. M-15 is also the annexure stating the list of six witnesses which the management wanted to rely. Further in the enquiry report Ex. M-3 there is absolutely no mention of the relying of any document contained in Ex. M-14 and nor the statement of any witnesses recorded which have been referred in Ex. M-15. Even though Harphool Singh did not participate in the enquiry, the enquiry should have been completed and all the evidence should have been taken *ex parte*. It was the duty of the enquiry officer to appraise that evidence and record his conclusion as to what misconduct has been proved and then to decide what punishment he intended to inflict. However in the present case neither *ex parte* evidence was recorded by the enquiry officer nor any document relied upon. This obviously had not appraised the evidence and the documents. Therefore, it can not be said that this is a valid enquiry. Present case squarely falls within the ratio of 1961 (2) L.L.J. 414 (Supreme Court) Imperial Tobacco Co. of India Ltd. Vs. Its workmen.

In view of the discussion made in the earlier para, enquiry as well as punishment is set aside. The petitioner is reinstated with continuity of service.

Regarding the claim of back wages the petitioner neither in statement of claim nor in evidence has claimed that he remained unemployed throughout altogether. It is also not disputed that the petitioner himself remained unconcerned for such a number of years. The petitioner was removed from service in the year 1981. However the present reference is of the year January 1987 considerably after a period of six years. The petitioner is certainly not entitled to any back wages till the date of reference i.e. 21-1-1987. However the petitioner is entitled to the wages to the extent of 50% onward w.e.f. 21-1-1987 till his reinstatement. Reference is answered accordingly.

Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1993

का.प्रा. 463.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983. (1983 का. 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सहितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री सी.एस. शर्मा, अनुभास अधिकारी को दिनांक 1-2-93 से अगला आदेश जारी होने तक उत्प्रवास संस्थाएँ, छड़ीगढ़ के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/93-उत्प्रवास]

आर. के. गुप्ता, अबर सचिव

New Delhi, the 15th February, 1993

S.O. 463.—In exercise of the powers conferred by Section 3 Sub-Section (i) of the Emigration Act, 1983 (31 of 83), the Central Government hereby appoints Shri C. M. Sharma Section Officer as Protector of Emigrants, Chandigarh with effect from 1-2-93 till further orders.

[No. A-22012/1/93-Emig.]  
R. K. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का.प्रा. 464—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विषाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14)

की धारा 2 के खंड (3) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2522 दिनांक 4 सितम्बर, 1992 द्वारा केन्द्रीय खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 सितम्बर, 1992 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की कालावधि के लिए बढ़ाना जाना अपेक्षित है।

अतः अब औद्योगिक विषाद 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (3) के उपखंड (vi) के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए मार्च, 1993 से छह मास को और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/85-डी-1(ए)(1)]

एस.एस. परामर, अबर सचिव

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 464.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2522 dated the 4th September, 1992, the Zinc Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 14th September, 1992;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 14th March, 1993.

[No. S-11017/9/85-डी(A)(1)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1993

का.प्रा. 465.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विषाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (3) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2523, दिनांक 4 सितम्बर, 1992 द्वारा शीशा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 सितम्बर, 1992 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की कालावधि के लिए बढ़ाना जाना अपेक्षित है।

असः प्रबृ, औद्योगिक विवाद, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ii) के उपखंड (i) के परन्तु कहारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 मार्च, 1993 से छह मास की और कालबंधि के लिए सोक उपयोगी सेवा धोषित करती है।

[संख्या एस-11017/9/85-डी-1(ए)(ii)]  
एस.एस. पराशर, अवर सचिव

New Delhi, the 17th February, 1993

S.O. 465.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of

India in the Ministry of Labour S.O. No. 2523 dated the 4th September, 1992, the Lead Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 14th September, 1992;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 14th March, 1993.

[No. S-11017/9/85-D.I(A)(ii)]  
S. S. PRASHER, Under Secy.

